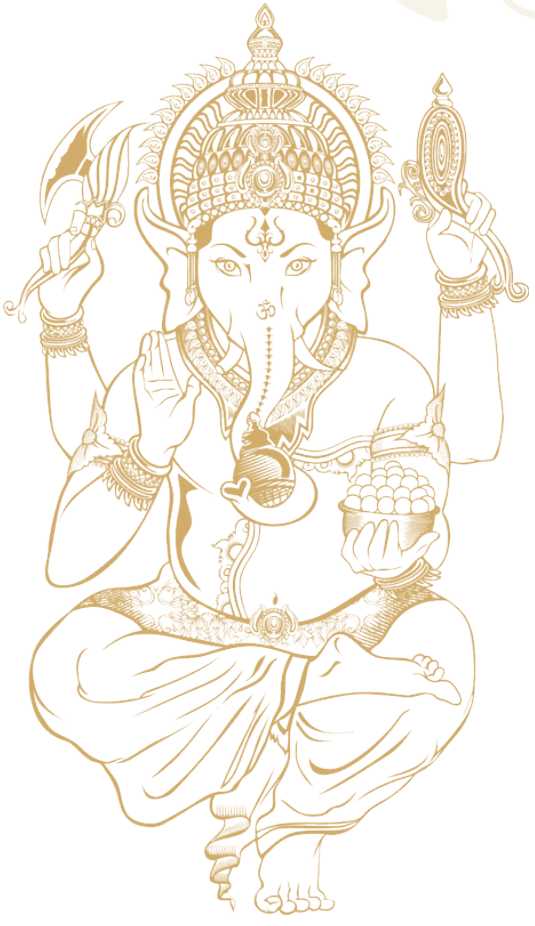

Mr.tanishq chauhan

Miss. Rishika Songara

Model: Web-MatchAnalysisDetailed

Order No: 121379801

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/12/1998	जन्म तिथि	25-26/05/2000
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 14:15:00	जन्म समय	02:15:00 घंटे
घटी 17:55:36	जन्म समय(घटी)	51:25:00 घटी
India	देश	India
Hat Piplia	स्थान	Sirur
22:46:00 उत्तर	अक्षांश	18:50:00 उत्तर
76:18:00 पूर्व	रेखांश	74:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:48	स्थानिक संस्कार	-00:32:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:45	सूर्योदय	05:55:46
17:49:11	सूर्यास्त	19:03:16
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:29

मेष	लग्न	मीन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृष	राशि	कुम्भ
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
कृतिका	नक्षत्र	धनिष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	4
साध्य	योग	ऐन्द्र
बालव	करण	बव
ए-एकलव्य	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मार्जार

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मीन	05:20:01
सूर्य	वृष	11:03:51
चंद्र	कुंभ	03:55:04
मंगल	वृष	21:26:54
बुध	वृष	29:03:43
गुरु	मेष	28:12:25
शुक्र	वृष	06:34:38
शनि	मेष	28:30:31
राहु	कर्क	01:59:38
केतु	मक	01:59:38
हर्ष व	मक	26:57:59
नेप व	मक	12:38:04
प्लूटो व	वृश्चि	17:52:07

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 4मा 4दि
राहु
04/05/2017
05/05/2035

राहु	16/01/2020
गुरु	10/06/2022
शनि	16/04/2025
बुध	04/11/2027
केतु	21/11/2028
शुक्र	22/11/2031
सूर्य	16/10/2032
चन्द्र	16/04/2034
मंगल	05/05/2035

विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 5मा 9दि
गुरु
04/11/2019
04/11/2035

गुरु	22/12/2021
शनि	05/07/2024
बुध	11/10/2026
केतु	16/09/2027
शुक्र	17/05/2030
सूर्य	06/03/2031
चन्द्र	05/07/2032
मंगल	11/06/2033
राहु	04/11/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:29

लग्न-चलित

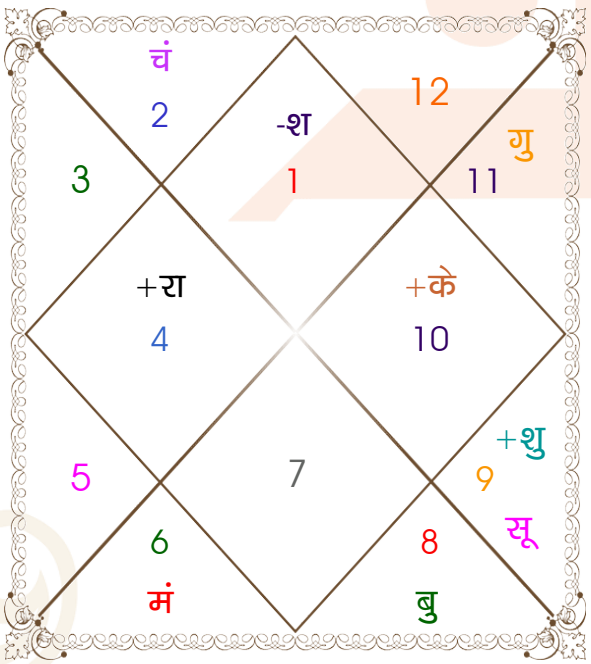

लग्न-चलित

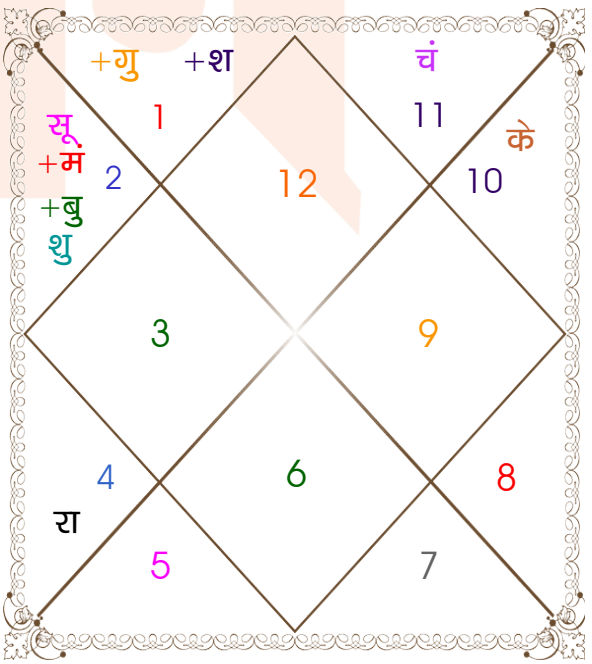

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

चन्द्र कुंडली

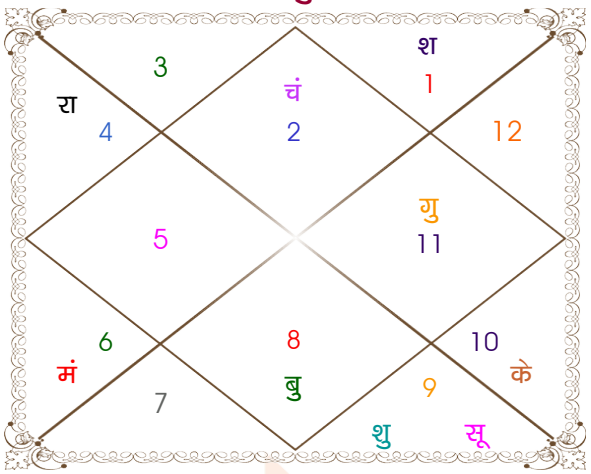

चन्द्र कुंडली

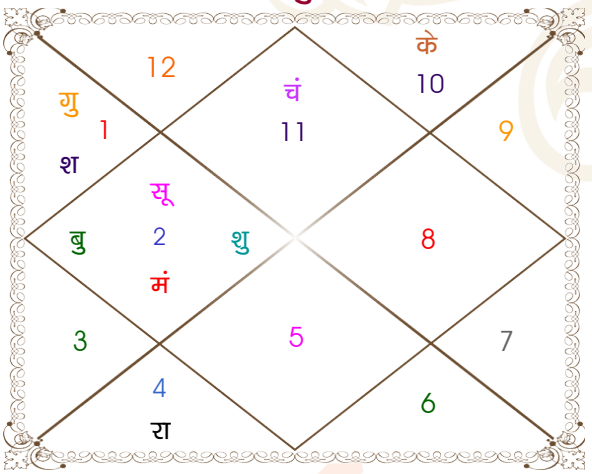

सूर्य कुंडली

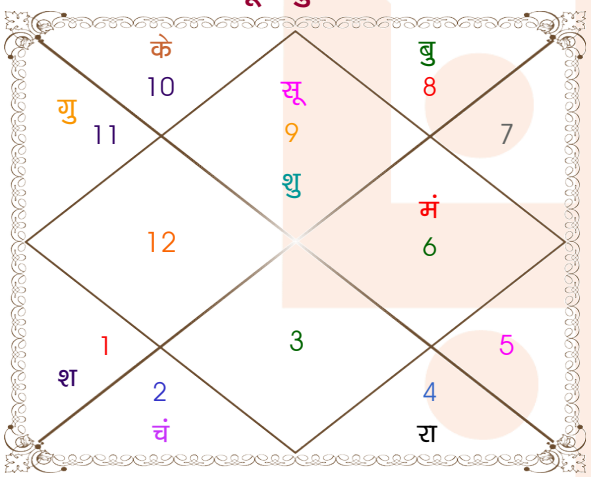

सूर्य कुंडली

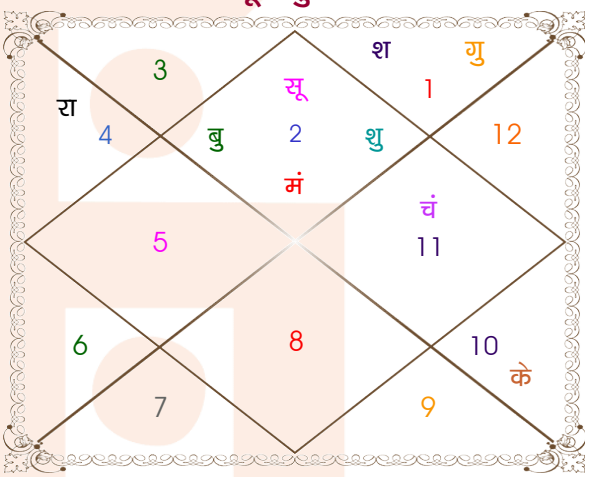

नवमांश कुंडली

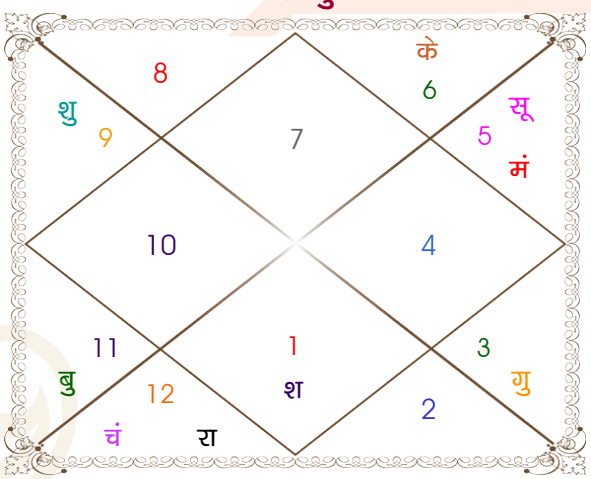

नवमांश कुंडली

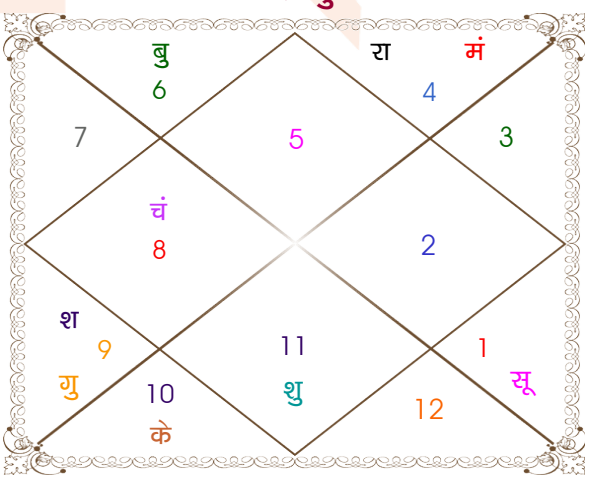

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 17 दिन

के.पी. अयनांश : 23:44:20

फॉरच्युना : कन्या 14:27:03

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	14:42:02	गुरु	शुक्र	शुक्र	गुरु
चंद्र		वृष	07:06:49	शुक्र	सूर्य	केतु	शुक्र
मंगल		कन्या	23:49:49	बुध	मंगल	मंगल	बुध
बुध		वृश्चि	25:16:16	मंगल	बुध	राहु	बुध
गुरु		कुंभ	27:57:55	शनि	गुरु	शुक्र	गुरु
शुक्र		धनु	29:35:37	गुरु	सूर्य	राहु	गुरु
शनि		मेष	03:01:46	मंगल	केतु	सूर्य	सूर्य
राहु	व	कर्क	29:18:41	चंद्र	बुध	शनि	मंगल
केतु	व	मक	29:18:41	शनि	मंगल	शनि	मंगल
हर्ष		मक	17:08:01	शनि	चंद्र	शनि	मंगल
नेप		मक	07:15:41	शनि	सूर्य	केतु	चंद्र
प्लूटो		वृश्चि	15:19:05	मंगल	शनि	गुरु	शनि

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मेष	22:02:17	मंगल	शुक्र	शनि	शनि
2	वृष	20:25:09	शुक्र	चंद्र	केतु	बुध
3	मिथु	15:04:05	बुध	राहु	केतु	शनि
4	कर्क	10:04:59	चंद्र	शनि	शुक्र	बुध
5	सिंह	08:56:59	सूर्य	केतु	गुरु	चंद्र
6	कन्या	13:52:03	बुध	चंद्र	राहु	मंगल
7	तुला	22:02:17	शुक्र	गुरु	शनि	शनि
8	वृश्चि	20:25:09	मंगल	बुध	शुक्र	राहु
9	धनु	15:04:05	गुरु	शुक्र	शुक्र	शनि
10	मक	10:04:59	शनि	चंद्र	चंद्र	चंद्र
11	कुंभ	08:56:59	शनि	राहु	गुरु	शनि
12	मीन	13:52:03	गुरु	शनि	राहु	बुध

भाव कुंडली

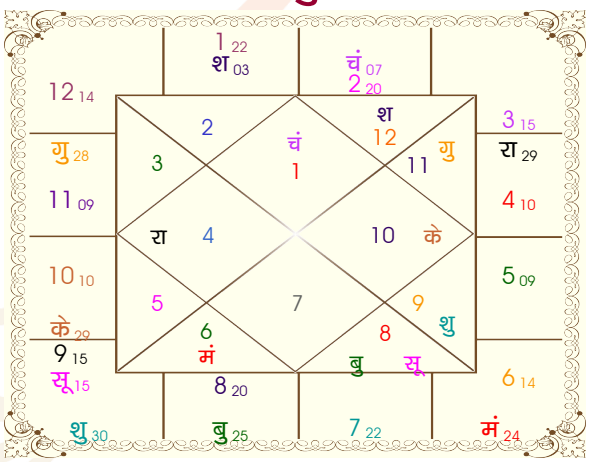

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 20 दिन

के.पी. अयनांश : 23:45:30

फॉरच्युना : वृश्चिक 28:17:14

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		वृष	11:09:50	शुक्र	चंद्र	मंगल	राहु
चंद्र		कुंभ	04:01:03	शनि	मंगल	शुक्र	गुरु
मंगल		वृष	21:32:53	शुक्र	चंद्र	शुक्र	राहु
बुध		वृष	29:09:42	शुक्र	मंगल	शनि	चंद्र
गुरु		मेष	28:18:24	मंगल	सूर्य	चंद्र	शुक्र
शुक्र		वृष	06:40:37	शुक्र	सूर्य	बुध	गुरु
शनि		मेष	28:36:30	मंगल	सूर्य	मंगल	गुरु
राहु		कर्क	02:05:37	चंद्र	गुरु	राहु	शनि
केतु		मक	02:05:37	शनि	सूर्य	गुरु	केतु
हर्ष	व	मक	27:03:58	शनि	मंगल	गुरु	शुक्र
नेप	व	मक	12:44:03	शनि	चंद्र	राहु	शनि
प्लूटो	व	वृश्चि	17:58:06	मंगल	बुध	बुध	राहु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मीन	05:26:00	गुरु	शनि	शनि	गुरु
2	मेष	10:54:45	मंगल	केतु	शनि	राहु
3	वृष	10:06:36	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मंगल
4	मिथु	05:39:43	बुध	मंगल	चंद्र	मंगल
5	कर्क	01:08:45	चंद्र	गुरु	मंगल	शुक्र
6	सिंह	00:08:57	सूर्य	केतु	केतु	शुक्र
7	कन्या	05:26:00	बुध	सूर्य	बुध	केतु
8	तुला	10:54:45	शुक्र	राहु	शनि	बुध
9	वृश्चि	10:06:36	मंगल	शनि	शुक्र	बुध
10	धनु	05:39:43	गुरु	केतु	राहु	राहु
11	मक	01:08:45	शनि	सूर्य	राहु	मंगल
12	कुंभ	00:08:57	शनि	मंगल	बुध	बुध

भाव कुंडली

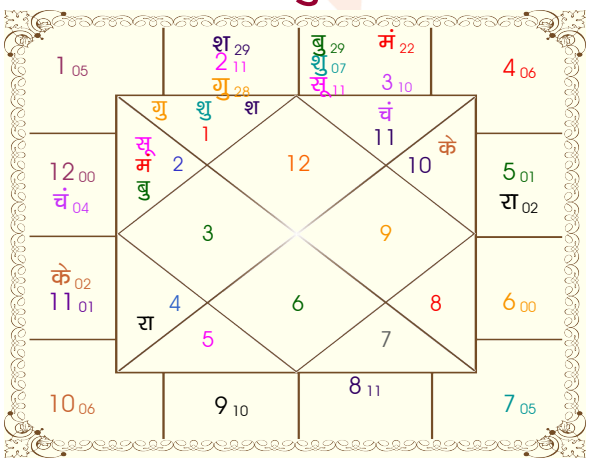

ACHARYA VIKRANT SANKLE

VIKRANT JYOTISH KENDRA

B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)

8718906740

astro.sankle@gmail.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, मंगल, केतु-
2	सूर्य- शुक्र-
3	बुध, राहु-
4	चंद्र- राहु,
5	सूर्य- चंद्र- शुक्र-
6	मंगल+ बुध, राहु- केतु,
7	सूर्य- शुक्र-
8	सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध+ शुक्र, राहु, केतु-
9	सूर्य, गुरु, शुक्र,
10	शनि+ केतु,
11	गुरु+ शनि-
12	गुरु, शनि,

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	गुरु- राहु-
2	चंद्र- मंगल- बुध- गुरु, शुक्र, शनि, राहु,
3	सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध+ गुरु, शुक्र+ शनि, केतु
4	बुध-
5	सूर्य- चंद्र- मंगल- राहु,
6	सूर्य- गुरु- शुक्र- शनि- केतु-
7	बुध-
8	शुक्र-
9	चंद्र- मंगल- बुध-
10	गुरु- राहु-
11	शनि- केतु,
12	सूर्य, चंद्र, मंगल, शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 5- 7- 8, 9,
चंद्र	1, 4- 5- 8,
मंगल	1, 6+ 8,
बुध	3, 6, 8+
गुरु	9, 11+ 12,
शुक्र	2- 5- 7- 8, 9,
शनि	10+ 11- 12,
राहु	3- 4, 6- 8,
केतु	1- 6, 8- 10,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	3, 5- 6- 12,
चंद्र	2- 3, 5- 9- 12,
मंगल	2- 3, 5- 9- 12,
बुध	2- 3+ 4- 7- 9-
गुरु	1- 2, 3, 6- 10-
शुक्र	2, 3+ 6- 8-
शनि	2, 3, 6- 11- 12-
राहु	1- 2, 5, 10-
केतु	3, 6- 11,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	शुक्र
लग्न राशि स्वामी	मंगल
राशि नक्षत्र स्वामी	सूर्य
राशि स्वामी	शुक्र
वार स्वामी	बुध
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	केतु

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	शनि
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	मंगल
राशि स्वामी	शनि
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	शुक्र

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

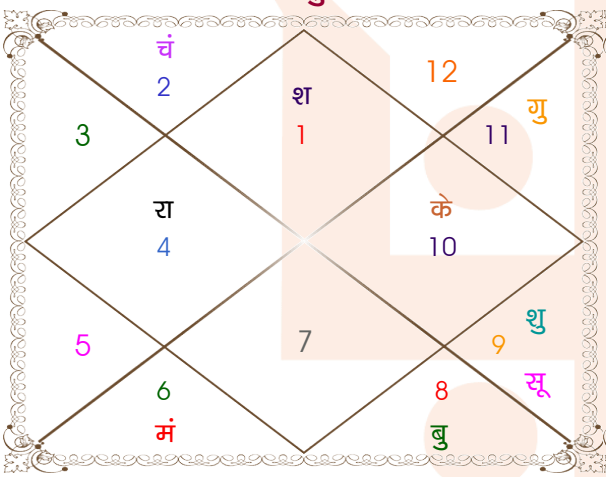

देह विचारः

लग्न कुंडली

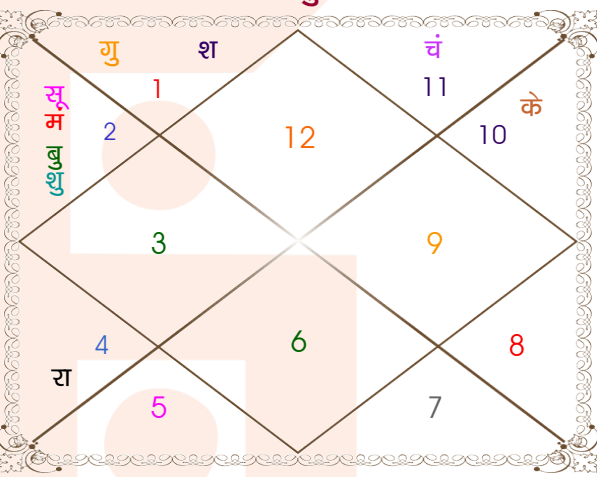

देह विचारः

होरा कुंडली

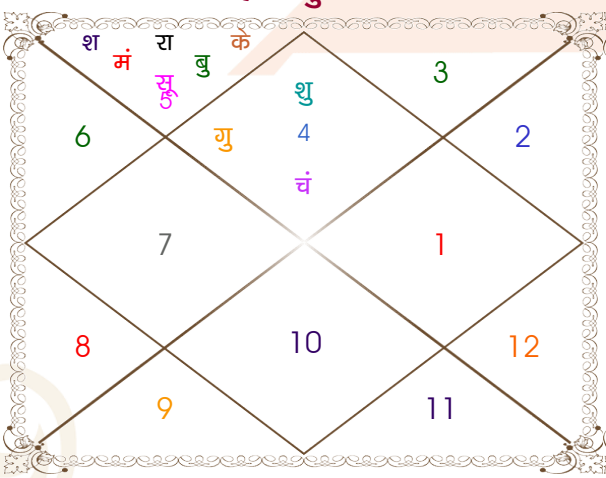

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

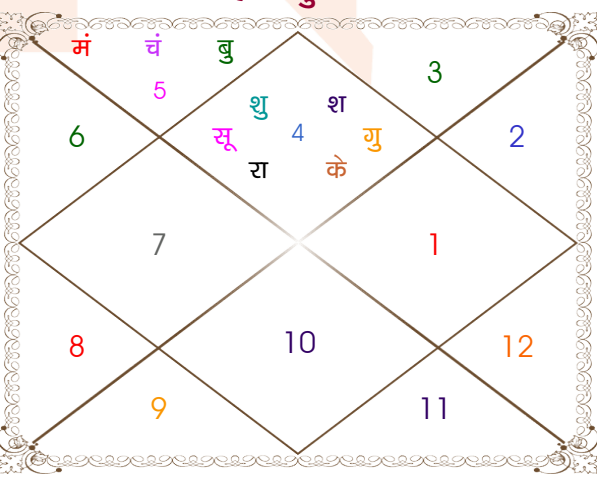

सम्पदाविचारः

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

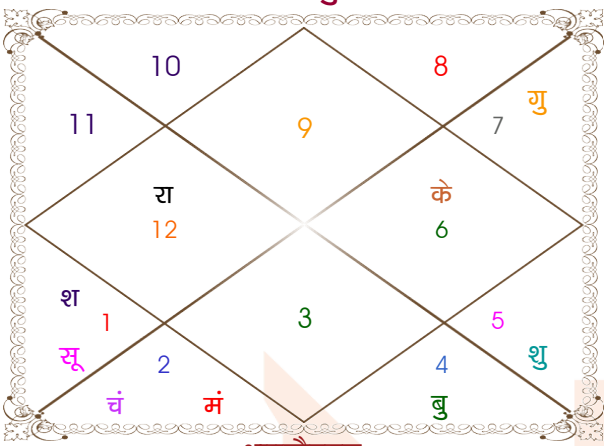

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

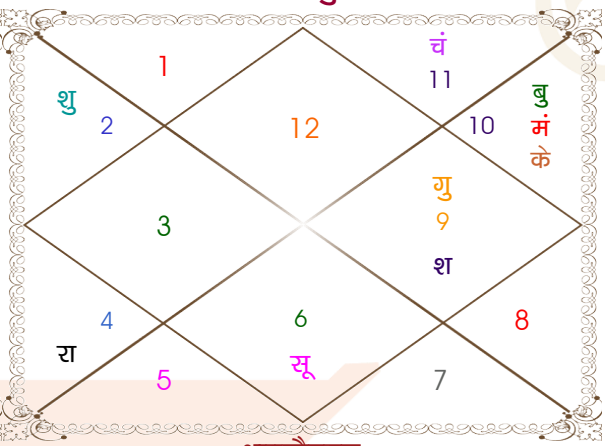

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

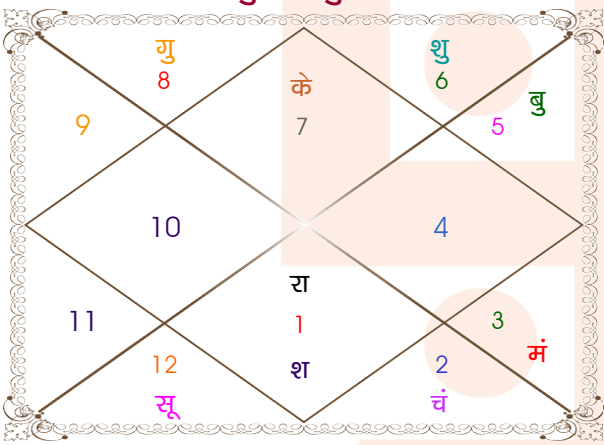

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

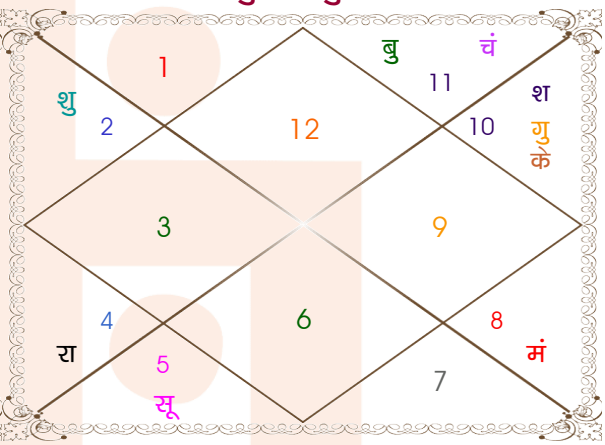

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

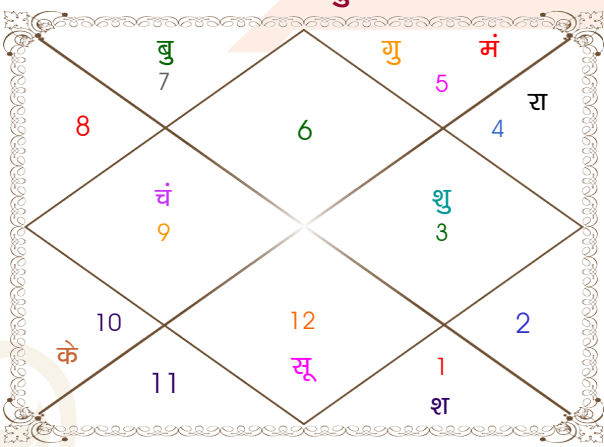

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

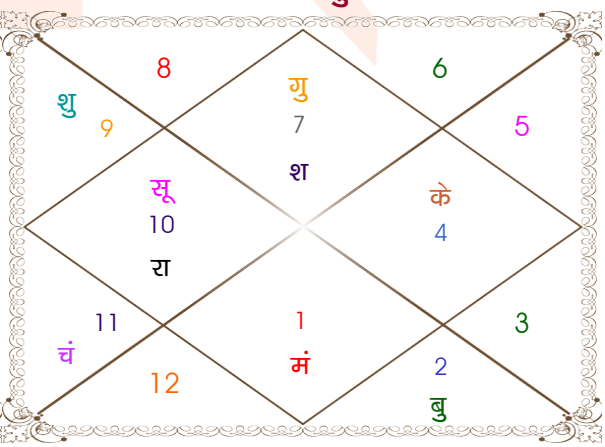

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

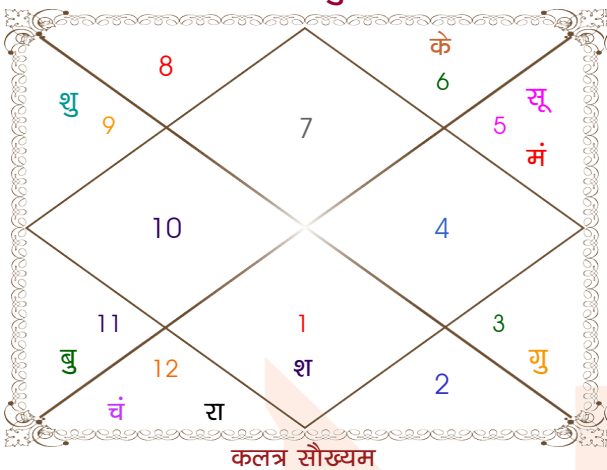

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

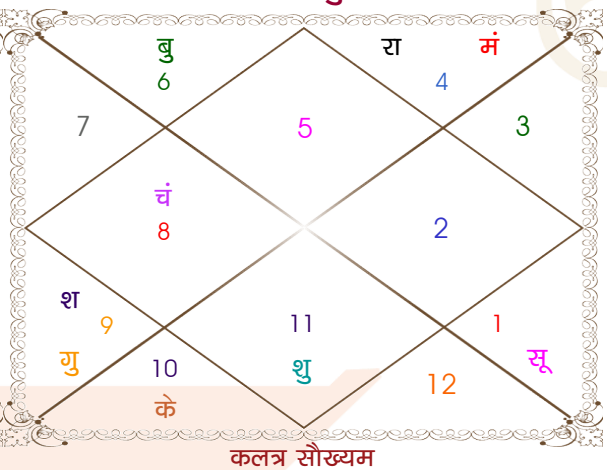

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

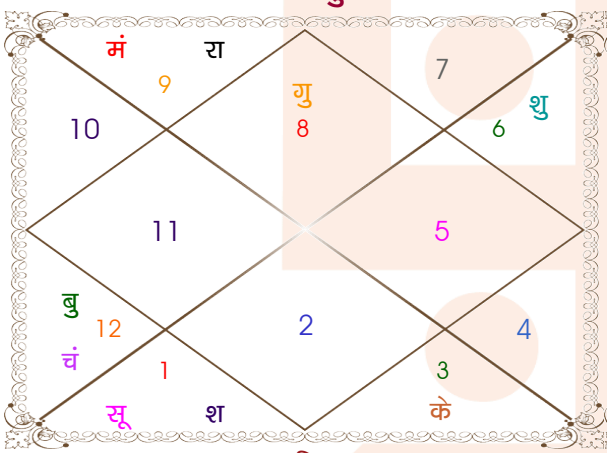

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

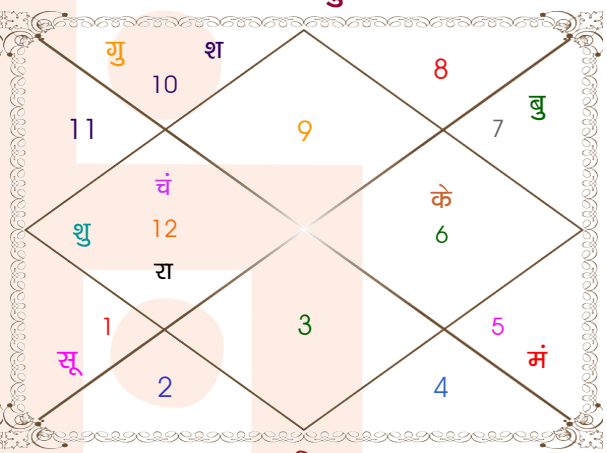

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

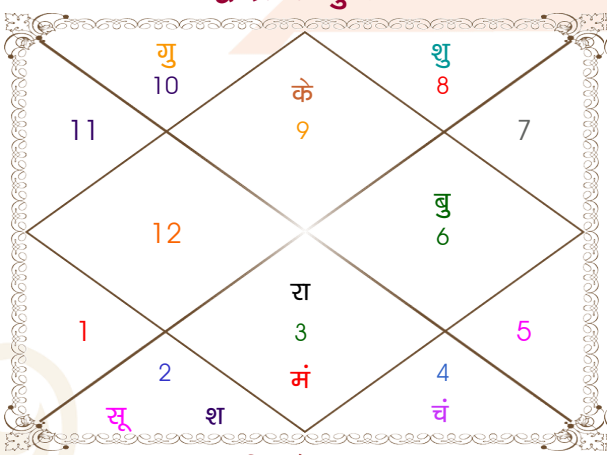

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

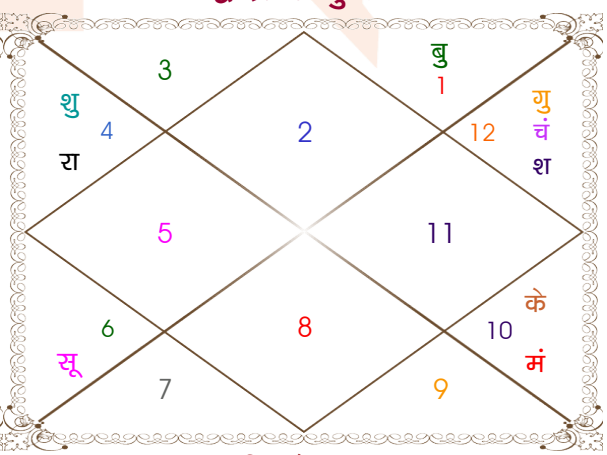

पितृसौख्यम

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

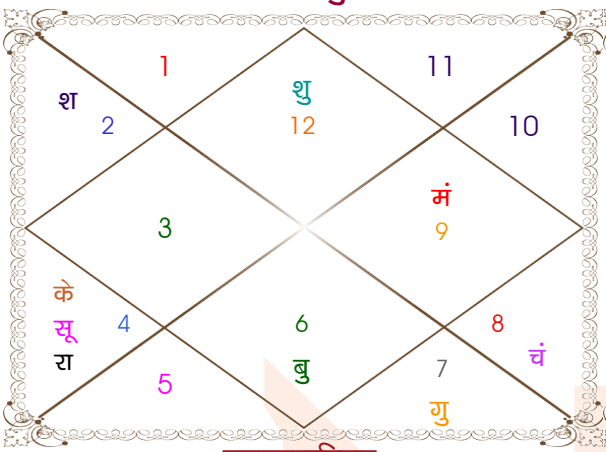

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

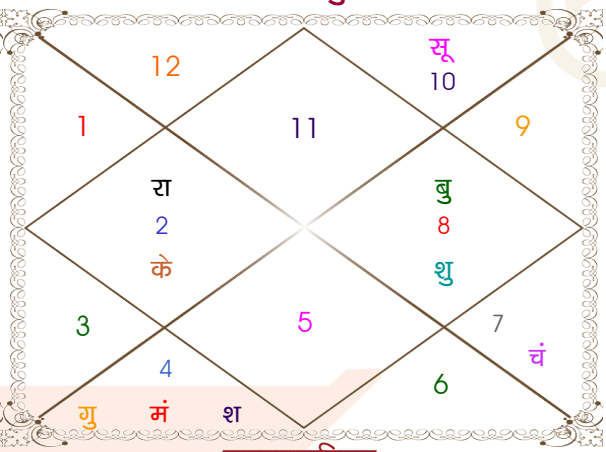

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

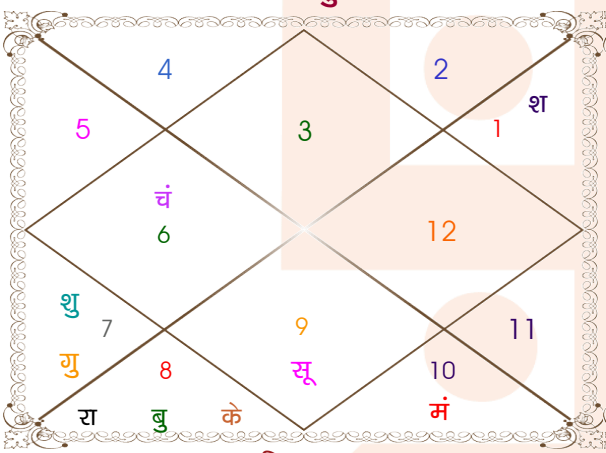

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

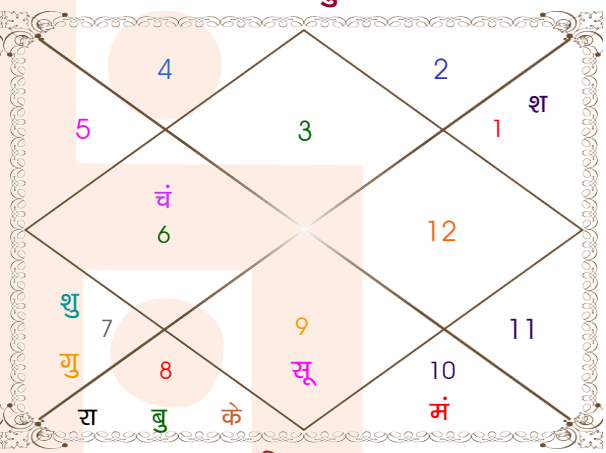

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

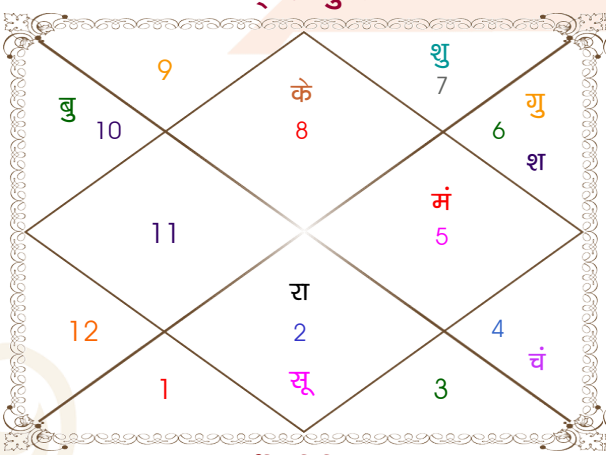

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

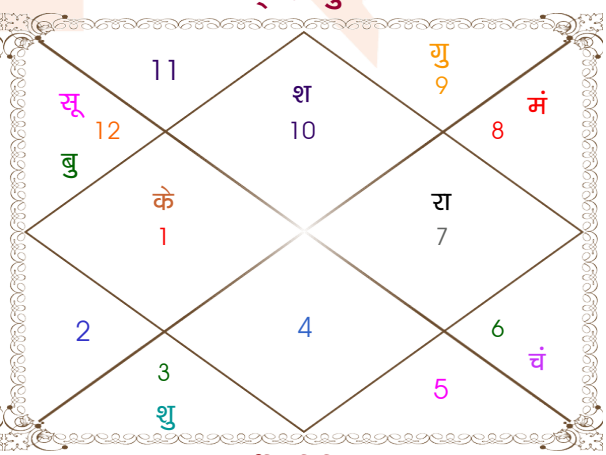

सर्वास्थितिविचारः

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री - Mr.tanishq chauhan

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	---	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	---	सम	सम	मित्र	शत्रु	सम	सम
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	सम	सम	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	सम	---	अतिमित्र	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---

पंचधा मैत्री - Miss. Rishika Songara

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	सम	शत्रु	अतिमित्र	अधिशत्रु	सम	सम	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	सम	सम	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	सम	सम	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	अतिमित्र	सम
राहु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
लग्न	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
कुल	4	4	3	5	3	3	5	7	2	4	6	2	48

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	4	4	3	3	4	2	3	5	6	5	6	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	6
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	6
शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	4	6	3	4	6	4	4	1	4	8	4	1	49

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
सूर्य	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	6
चंद्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
गुरु	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	7
शुक्र	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	7
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
कुल	2	2	2	6	5	4	3	5	4	4	7	5	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	7
गुरु	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
चंद्र	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	3
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
कुल	4	5	3	3	4	3	3	5	2	2	5	0	39

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
चंद्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
कुल	3	2	1	4	2	3	4	2	5	3	4	6	39

बुध का अष्टकवर्ग

	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
कुल	4	5	5	4	4	6	4	2	6	4	4	6	54

बुध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1	6
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
बुध	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	4	5	3	4	3	5	4	4	5	6	4	7	54

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

गुरु का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	9
शुक्र	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
कुल	4	6	5	3	4	4	6	8	4	3	5	4	56

गुरु का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
सूर्य	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	9
चंद्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बुध	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
शुक्र	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	6
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
कुल	2	4	8	3	6	4	4	4	4	5	5	7	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	5
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
चंद्र	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
कुल	6	4	4	3	4	3	4	7	5	4	3	5	52

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
चंद्र	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	9
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
गुरु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	9
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
कुल	4	3	4	5	3	4	4	3	5	7	4	6	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
कुल	2	1	6	6	3	4	4	2	2	4	3	2	39

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
सूर्य	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
बुध	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	6
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	3
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
कुल	4	2	3	2	4	3	3	1	4	2	5	6	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
गुरु	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	7
बुध	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	4	2	5	5	3	5	3	4	3	3	8	4	49

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
सूर्य	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
चंद्र	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
बुध	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
कुल	4	5	3	6	5	3	4	1	5	4	5	4	49

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

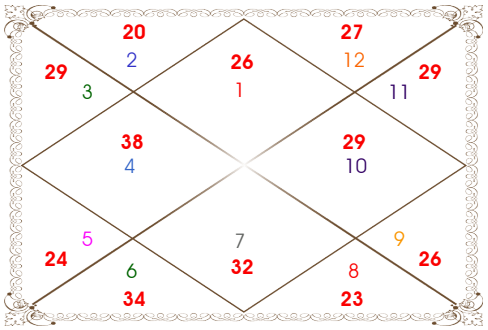

सर्वाष्टकवर्ग

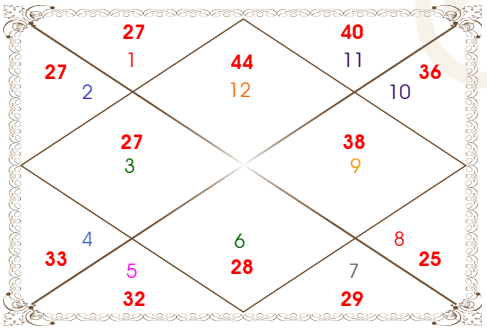

Mr.tanishq chauhan

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	1	6	6	3	4	4	2	2	4	3	2	39
गुरु	5	3	4	4	6	8	4	3	5	4	4	6	56
मंगल	5	2	2	5	0	4	5	3	3	4	3	3	39
सूर्य	3	3	5	7	2	4	6	2	4	4	3	5	48
शुक्र	4	3	4	7	5	4	3	5	6	4	4	3	52
बुध	6	4	2	6	4	4	6	4	5	5	4	4	54
चंद्र	1	4	6	3	4	6	4	4	1	4	8	4	49
बिन्दु	26	20	29	38	24	34	32	23	26	29	29	27	337
रेखा	30	36	27	18	32	22	24	33	30	27	27	29	335

Miss. Rishika Songara

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	4	5	3	6	5	3	4	1	5	4	5	4	49
सूर्य	4	4	3	3	4	2	3	5	6	5	6	3	48
चंद्र	2	2	2	6	5	4	3	5	4	4	7	5	49
मंगल	3	2	1	4	2	3	4	2	5	3	4	6	39
बुध	4	5	3	4	3	5	4	4	5	6	4	7	54
गुरु	2	4	8	3	6	4	4	4	4	5	5	7	56
शुक्र	4	3	4	5	3	4	4	3	5	7	4	6	52
शनि	4	2	3	2	4	3	3	1	4	2	5	6	39
बिन्दु	27	27	27	33	32	28	29	25	38	36	40	44	386
रेखा	37	37	37	31	32	36	35	39	26	28	24	20	382

शोध्य पिंड - Mr.tanishq chauhan

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	96	104	117	81	80	76	63
ग्रह पिंड	37	61	87	42	40	52	24
शोध्य पिंड	133	165	204	123	120	128	87

शोध्य पिंड - Miss. Rishika Songara

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	93	87	124	137	67	133	82	91
ग्रह पिंड	60	65	25	30	20	5	15	10
शोध्य पिंड	153	152	149	167	87	138	97	101

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

सूर्य 1 वर्ष 4 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/12/1998		04/05/2000		05/05/2010	
04/05/2000		05/05/2010		04/05/2017	
00/00/0000	चंद्र	05/03/2001	मंगल	01/10/2010	
00/00/0000	मंगल	04/10/2001	राहु	19/10/2011	
00/00/0000	राहु	04/04/2003	गुरु	24/09/2012	
00/00/0000	गुरु	03/08/2004	शनि	03/11/2013	
00/00/0000	शनि	05/03/2006	बुध	31/10/2014	
00/00/0000	बुध	04/08/2007	केतु	29/03/2015	
30/12/1998	केतु	04/03/2008	शुक्र	29/05/2016	
केतु 05/05/1999	शुक्र	03/11/2009	सूर्य	03/10/2016	
शुक्र 04/05/2000	सूर्य	05/05/2010	चंद्र	04/05/2017	

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/05/2017		05/05/2035		05/05/2051	
05/05/2035		05/05/2051		05/05/2070	
राहु 16/01/2020	गुरु	22/06/2037	शनि	08/05/2054	
गुरु 10/06/2022	शनि	03/01/2040	बुध	15/01/2057	
शनि 16/04/2025	बुध	10/04/2042	केतु	24/02/2058	
बुध 04/11/2027	केतु	17/03/2043	शुक्र	25/04/2061	
केतु 21/11/2028	शुक्र	15/11/2045	सूर्य	07/04/2062	
शुक्र 22/11/2031	सूर्य	03/09/2046	चंद्र	07/11/2063	
सूर्य 16/10/2032	चंद्र	03/01/2048	मंगल	15/12/2064	
चंद्र 16/04/2034	मंगल	09/12/2048	राहु	22/10/2067	
मंगल 05/05/2035	राहु	05/05/2051	गुरु	05/05/2070	

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/05/2070		05/05/2087		05/05/2094	
05/05/2087		05/05/2094		06/05/2114	
बुध 30/09/2072	केतु	01/10/2087	शुक्र	03/09/2097	
केतु 28/09/2073	शुक्र	30/11/2088	सूर्य	03/09/2098	
शुक्र 28/07/2076	सूर्य	07/04/2089	चंद्र	05/05/2100	
सूर्य 04/06/2077	चंद्र	06/11/2089	मंगल	05/07/2101	
चंद्र 03/11/2078	मंगल	04/04/2090	राहु	05/07/2104	
मंगल 01/11/2079	राहु	23/04/2091	गुरु	06/03/2107	
राहु 20/05/2082	गुरु	29/03/2092	शनि	06/05/2110	
गुरु 25/08/2084	शनि	07/05/2093	बुध	06/03/2113	
शनि 05/05/2087	बुध	05/05/2094	केतु	06/05/2114	

मंगल 1 वर्ष 5 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/05/2000		04/11/2001		04/11/2019	
04/11/2001		04/11/2019		04/11/2035	
00/00/0000	राहु	17/07/2004	गुरु	22/12/2021	
00/00/0000	गुरु	10/12/2006	शनि	05/07/2024	
00/00/0000	शनि	16/10/2009	बुध	11/10/2026	
00/00/0000	बुध	05/05/2012	केतु	16/09/2027	
00/00/0000	केतु	23/05/2013	शुक्र	17/05/2030	
26/05/2000	शुक्र	23/05/2016	सूर्य	06/03/2031	
शुक्र 28/11/2000	सूर्य	17/04/2017	चंद्र	05/07/2032	
सूर्य 05/04/2001	चंद्र	17/10/2018	मंगल	11/06/2033	
चंद्र 04/11/2001	मंगल	04/11/2019	राहु	04/11/2035	

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/11/2035		04/11/2054		04/11/2071	
04/11/2054		04/11/2071		04/11/2078	
शनि 07/11/2038	बुध	02/04/2057	केतु	01/04/2072	
बुध 17/07/2041	केतु	30/03/2058	शुक्र	01/06/2073	
केतु 26/08/2042	शुक्र	28/01/2061	सूर्य	07/10/2073	
शुक्र 26/10/2045	सूर्य	04/12/2061	चंद्र	08/05/2074	
सूर्य 08/10/2046	चंद्र	06/05/2063	मंगल	05/10/2074	
चंद्र 08/05/2048	मंगल	02/05/2064	राहु	23/10/2075	
मंगल 17/06/2049	राहु	19/11/2066	गुरु	28/09/2076	
राहु 23/04/2052	गुरु	24/02/2069	शनि	07/11/2077	
गुरु 04/11/2054	शनि	04/11/2071	बुध	04/11/2078	

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/11/2078		04/11/2098		04/11/2104	
04/11/2098		04/11/2104		05/11/2114	
शुक्र 05/03/2082	सूर्य	22/02/2099	चंद्र	05/09/2105	
सूर्य 06/03/2083	चंद्र	23/08/2099	मंगल	06/04/2106	
चंद्र 03/11/2084	मंगल	29/12/2099	राहु	06/10/2107	
मंगल 04/01/2086	राहु	23/11/2100	गुरु	04/02/2109	
राहु 03/01/2089	गुरु	11/09/2101	शनि	05/09/2110	
गुरु 04/09/2091	शनि	24/08/2102	बुध	05/02/2112	
शनि 04/11/2094	बुध	30/06/2103	केतु	05/09/2112	
बुध 04/09/2097	केतु	05/11/2103	शुक्र	06/05/2114	
केतु 04/11/2098	शुक्र	04/11/2104	सूर्य	05/11/2114	

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र	
16/04/2025		04/11/2027		21/11/2028	
04/11/2027		21/11/2028		22/11/2031	
बुध	26/08/2025	केतु	26/11/2027	शुक्र	23/05/2029
केतु	19/10/2025	शुक्र	29/01/2028	सूर्य	16/07/2029
शुक्र	24/03/2026	सूर्य	17/02/2028	चंद्र	16/10/2029
सूर्य	09/05/2026	चंद्र	20/03/2028	मंगल	19/12/2029
चंद्र	26/07/2026	मंगल	11/04/2028	राहु	01/06/2030
मंगल	18/09/2026	राहु	08/06/2028	गुरु	25/10/2030
राहु	05/02/2027	गुरु	29/07/2028	शनि	17/04/2031
गुरु	09/06/2027	शनि	28/09/2028	बुध	19/09/2031
शनि	04/11/2027	बुध	21/11/2028	केतु	22/11/2031

गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
05/07/2024		11/10/2026		16/09/2027	
11/10/2026		16/09/2027		17/05/2030	
बुध	30/10/2024	केतु	30/10/2026	शुक्र	26/02/2028
केतु	17/12/2024	शुक्र	26/12/2026	सूर्य	15/04/2028
शुक्र	04/05/2025	सूर्य	12/01/2027	चंद्र	05/07/2028
सूर्य	15/06/2025	चंद्र	10/02/2027	मंगल	31/08/2028
चंद्र	23/08/2025	मंगल	02/03/2027	राहु	24/01/2029
मंगल	10/10/2025	राहु	22/04/2027	गुरु	02/06/2029
राहु	11/02/2026	गुरु	06/06/2027	शनि	04/11/2029
गुरु	02/06/2026	शनि	30/07/2027	बुध	22/03/2030
शनि	11/10/2026	बुध	16/09/2027	केतु	17/05/2030

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
22/11/2031		16/10/2032		16/04/2034	
16/10/2032		16/04/2034		05/05/2035	
सूर्य	08/12/2031	चंद्र	30/11/2032	मंगल	09/05/2034
चंद्र	05/01/2032	मंगल	01/01/2033	राहु	05/07/2034
मंगल	24/01/2032	राहु	24/03/2033	गुरु	25/08/2034
राहु	13/03/2032	गुरु	05/06/2033	शनि	25/10/2034
गुरु	26/04/2032	शनि	31/08/2033	बुध	18/12/2034
शनि	17/06/2032	बुध	17/11/2033	केतु	10/01/2035
बुध	03/08/2032	केतु	19/12/2033	शुक्र	15/03/2035
केतु	22/08/2032	शुक्र	20/03/2034	सूर्य	03/04/2035
शुक्र	16/10/2032	सूर्य	16/04/2034	चंद्र	05/05/2035

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल	
17/05/2030		06/03/2031		05/07/2032	
06/03/2031		05/07/2032		11/06/2033	
सूर्य	01/06/2030	चंद्र	15/04/2031	मंगल	25/07/2032
चंद्र	25/06/2030	मंगल	14/05/2031	राहु	14/09/2032
मंगल	13/07/2030	राहु	26/07/2031	गुरु	29/10/2032
राहु	25/08/2030	गुरु	29/09/2031	शनि	22/12/2032
गुरु	03/10/2030	शनि	15/12/2031	बुध	08/02/2033
शनि	19/11/2030	बुध	22/02/2032	केतु	28/02/2033
बुध	30/12/2030	केतु	21/03/2032	शुक्र	26/04/2033
केतु	16/01/2031	शुक्र	10/06/2032	सूर्य	13/05/2033
शुक्र	06/03/2031	सूर्य	05/07/2032	चंद्र	11/06/2033

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध	
05/05/2035		22/06/2037		03/01/2040	
22/06/2037		03/01/2040		10/04/2042	
गुरु	17/08/2035	शनि	16/11/2037	बुध	30/04/2040
शनि	18/12/2035	बुध	27/03/2038	केतु	17/06/2040
बुध	07/04/2036	केतु	20/05/2038	शुक्र	02/11/2040
केतु	22/05/2036	शुक्र	21/10/2038	सूर्य	13/12/2040
शुक्र	29/09/2036	सूर्य	06/12/2038	चंद्र	20/02/2041
सूर्य	07/11/2036	चंद्र	21/02/2039	मंगल	10/04/2041
चंद्र	11/01/2037	मंगल	16/04/2039	राहु	12/08/2041
मंगल	25/02/2037	राहु	02/09/2039	गुरु	30/11/2041
राहु	22/06/2037	गुरु	03/01/2040	शनि	10/04/2042

गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
11/06/2033		04/11/2035		07/11/2038	
04/11/2035		07/11/2038		17/07/2041	
राहु	20/10/2033	शनि	26/04/2036	बुध	26/03/2039
गुरु	14/02/2034	बुध	29/09/2036	केतु	23/05/2039
शनि	03/07/2034	केतु	02/12/2036	शुक्र	02/11/2039
बुध	04/11/2034	शुक्र	03/06/2037	सूर्य	22/12/2039
केतु	25/12/2034	सूर्य	28/07/2037	चंद्र	13/03/2040
शुक्र	20/05/2035	चंद्र	28/10/2037	मंगल	09/05/2040
सूर्य	03/07/2035	मंगल	31/12/2037	राहु	03/10/2040
चंद्र	14/09/2035	राहु	13/06/2038	गुरु	11/02/2041
मंगल	04/11/2035	गुरु	07/11/2038	शनि	17/07/2041

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
10/04/2042		17/03/2043		15/11/2045	
17/03/2043		15/11/2045		03/09/2046	
केतु	30/04/2042	शुक्र	27/08/2043	सूर्य	30/11/2045
शुक्र	26/06/2042	सूर्य	14/10/2043	चंद्र	24/12/2045
सूर्य	13/07/2042	चंद्र	03/01/2044	मंगल	10/01/2046
चंद्र	10/08/2042	मंगल	29/02/2044	राहु	23/02/2046
मंगल	30/08/2042	राहु	24/07/2044	गुरु	03/04/2046
राहु	20/10/2042	गुरु	01/12/2044	शनि	19/05/2046
गुरु	05/12/2042	शनि	04/05/2045	बुध	30/06/2046
शनि	28/01/2043	बुध	19/09/2045	केतु	17/07/2046
बुध	17/03/2043	केतु	15/11/2045	शुक्र	03/09/2046

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
17/07/2041		26/08/2042		26/10/2045	
26/08/2042		26/10/2045		08/10/2046	
केतु	10/08/2041	शुक्र	07/03/2043	सूर्य	12/11/2045
शुक्र	16/10/2041	सूर्य	04/05/2043	चंद्र	11/12/2045
सूर्य	05/11/2041	चंद्र	08/08/2043	मंगल	31/12/2045
चंद्र	09/12/2041	मंगल	14/10/2043	राहु	21/02/2046
मंगल	02/01/2042	राहु	05/04/2044	गुरु	08/04/2046
राहु	04/03/2042	गुरु	06/09/2044	शनि	02/06/2046
गुरु	26/04/2042	शनि	08/03/2045	बुध	21/07/2046
शनि	30/06/2042	बुध	19/08/2045	केतु	11/08/2046
बुध	26/08/2042	केतु	26/10/2045	शुक्र	08/10/2046

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
03/09/2046		03/01/2048		09/12/2048	
03/01/2048		09/12/2048		05/05/2051	
चंद्र	14/10/2046	मंगल	23/01/2048	राहु	20/04/2049
मंगल	11/11/2046	राहु	14/03/2048	गुरु	15/08/2049
राहु	23/01/2047	गुरु	29/04/2048	शनि	31/12/2049
गुरु	29/03/2047	शनि	22/06/2048	बुध	05/05/2050
शनि	15/06/2047	बुध	09/08/2048	केतु	25/06/2050
बुध	22/08/2047	केतु	29/08/2048	शुक्र	18/11/2050
केतु	20/09/2047	शुक्र	25/10/2048	सूर्य	01/01/2051
शुक्र	10/12/2047	सूर्य	11/11/2048	चंद्र	15/03/2051
सूर्य	03/01/2048	चंद्र	09/12/2048	मंगल	05/05/2051

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु	
08/10/2046		08/05/2048		17/06/2049	
08/05/2048		17/06/2049		23/04/2052	
चंद्र	25/11/2046	मंगल	31/05/2048	राहु	20/11/2049
मंगल	28/12/2046	राहु	31/07/2048	गुरु	08/04/2050
राहु	25/03/2047	गुरु	23/09/2048	शनि	19/09/2050
गुरु	10/06/2047	शनि	26/11/2048	बुध	14/02/2051
शनि	10/09/2047	बुध	23/01/2049	केतु	16/04/2051
बुध	01/12/2047	केतु	15/02/2049	शुक्र	06/10/2051
केतु	04/01/2048	शुक्र	24/04/2049	सूर्य	27/11/2051
शुक्र	09/04/2048	सूर्य	14/05/2049	चंद्र	22/02/2052
सूर्य	08/05/2048	चंद्र	17/06/2049	मंगल	23/04/2052

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु	
05/05/2051		08/05/2054		15/01/2057	
08/05/2054		15/01/2057		24/02/2058	
शनि	26/10/2051	बुध	24/09/2054	केतु	07/02/2057
बुध	30/03/2052	केतु	20/11/2054	शुक्र	16/04/2057
केतु	02/06/2052	शुक्र	03/05/2055	सूर्य	06/05/2057
शुक्र	02/12/2052	सूर्य	21/06/2055	चंद्र	09/06/2057
सूर्य	26/01/2053	चंद्र	11/09/2055	मंगल	03/07/2057
चंद्र	27/04/2053	मंगल	08/11/2055	राहु	01/09/2057
मंगल	30/06/2053	राहु	03/04/2056	गुरु	25/10/2057
राहु	12/12/2053	गुरु	12/08/2056	शनि	28/12/2057
गुरु	08/05/2054	शनि	15/01/2057	बुध	24/02/2058

शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
23/04/2052		04/11/2054		02/04/2057	
04/11/2054		02/04/2057		30/03/2058	
गुरु	24/08/2052	बुध	09/03/2055	केतु	23/04/2057
शनि	18/01/2053	केतु	29/04/2055	शुक्र	22/06/2057
बुध	29/05/2053	शुक्र	22/09/2055	सूर्य	10/07/2057
केतु	22/07/2053	सूर्य	05/11/2055	चंद्र	09/08/2057
शुक्र	23/12/2053	चंद्र	18/01/2056	मंगल	31/08/2057
सूर्य	07/02/2054	मंगल	09/03/2056	राहु	24/10/2057
चंद्र	25/04/2054	राहु	19/07/2056	गुरु	11/12/2057
मंगल	18/06/2054	गुरु	13/11/2056	शनि	06/02/2058
राहु	04/11/2054	शनि	02/04/2057	बुध	30/03/2058

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

योगिनी दशा

उल्का 1 वर्ष 4 मास 4 दिन

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
30/12/1998		04/05/2000		05/05/2007	
04/05/2000		05/05/2007		05/05/2015	
	00/00/0000	सिद्ध	13/09/2001	संक	12/02/2009
	00/00/0000	संक	04/04/2003	मंग	04/05/2009
	00/00/0000	मंग	15/06/2003	पिंग	14/10/2009
	00/00/0000	पिंग	04/11/2003	धांय	14/06/2010
	00/00/0000	धांय	04/06/2004	भ्राम	05/05/2011
	30/12/1998	भ्राम	15/03/2005	भद्रि	14/06/2012
भ्राम	05/07/1999	भद्रि	05/03/2006	उल्क	14/10/2013
भद्रि	04/05/2000	उल्क	05/05/2007	सिद्ध	05/05/2015

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
05/05/2015		04/05/2016		05/05/2018	
04/05/2016		05/05/2018		04/05/2021	
मंग	15/05/2015	पिंग	14/06/2016	धांय	04/08/2018
पिंग	04/06/2015	धांय	14/08/2016	भ्राम	04/12/2018
धांय	05/07/2015	भ्राम	03/11/2016	भद्रि	05/05/2019
भ्राम	14/08/2015	भद्रि	12/02/2017	उल्क	04/11/2019
भद्रि	04/10/2015	उल्क	14/06/2017	सिद्ध	04/06/2020
उल्क	04/12/2015	सिद्ध	03/11/2017	संक	02/02/2021
सिद्ध	13/02/2016	संक	14/04/2018	मंग	05/03/2021
संक	04/05/2016	मंग	05/05/2018	पिंग	04/05/2021

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
04/05/2021		04/05/2025		05/05/2030	
04/05/2025		05/05/2030		04/05/2036	
भ्राम	14/10/2021	भद्रि	13/01/2026	उल्क	05/05/2031
भद्रि	05/05/2022	उल्क	13/11/2026	सिद्ध	04/07/2032
उल्क	03/01/2023	सिद्ध	04/11/2027	संक	03/11/2033
सिद्ध	14/10/2023	संक	13/12/2028	मंग	03/01/2034
संक	03/09/2024	मंग	02/02/2029	पिंग	05/05/2034
मंग	14/10/2024	पिंग	15/05/2029	धांय	03/11/2034
पिंग	03/01/2025	धांय	14/10/2029	भ्राम	05/07/2035
धांय	04/05/2025	भ्राम	05/05/2030	भद्रि	04/05/2036

पिंगला 0 वर्ष 4 मास 28 दिन

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
26/05/2000		23/10/2000		24/10/2003	
23/10/2000		24/10/2003		24/10/2007	
	00/00/0000	धांय	23/01/2001	भ्राम	03/04/2004
	00/00/0000	भ्राम	24/05/2001	भद्रि	23/10/2004
	00/00/0000	भद्रि	23/10/2001	उल्क	24/06/2005
	00/00/0000	उल्क	24/04/2002	सिद्ध	04/04/2006
	00/00/0000	सिद्ध	23/11/2002	संक	22/02/2007
	26/05/2000	संक	25/07/2003	मंग	04/04/2007
संक	03/10/2000	मंग	24/08/2003	पिंग	24/06/2007
मंग	23/10/2000	पिंग	24/10/2003	धांय	24/10/2007

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
24/10/2007		23/10/2012		24/10/2018	
23/10/2012		24/10/2018		23/10/2025	
भद्रि	04/07/2008	उल्क	23/10/2013	सिद्ध	04/03/2020
उल्क	04/05/2009	सिद्ध	24/12/2014	संक	23/09/2021
सिद्ध	24/04/2010	संक	24/04/2016	मंग	03/12/2021
संक	04/06/2011	मंग	23/06/2016	पिंग	24/04/2022
मंग	25/07/2011	पिंग	23/10/2016	धांय	23/11/2022
पिंग	03/11/2011	धांय	24/04/2017	भ्राम	03/09/2023
धांय	03/04/2012	भ्राम	23/12/2017	भद्रि	23/08/2024
भ्राम	23/10/2012	भद्रि	24/10/2018	उल्क	23/10/2025

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
23/10/2025		23/10/2033		24/10/2034	
23/10/2033		24/10/2034		23/10/2036	
संक	04/08/2027	मंग	03/11/2033	पिंग	03/12/2034
मंग	24/10/2027	पिंग	23/11/2033	धांय	02/02/2035
पिंग	03/04/2028	धांय	23/12/2033	भ्राम	24/04/2035
धांय	03/12/2028	भ्राम	02/02/2034	भद्रि	04/08/2035
भ्राम	23/10/2029	भद्रि	25/03/2034	उल्क	04/12/2035
भद्रि	03/12/2030	उल्क	25/05/2034	सिद्ध	24/04/2036
उल्क	03/04/2032	सिद्ध	04/08/2034	संक	03/10/2036
सिद्ध	23/10/2033	संक	24/10/2034	मंग	23/10/2036

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

योगिनी दशा

उल्का 1 वर्ष 4 मास 4 दिन

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
04/05/2036		05/05/2043		05/05/2051	
05/05/2043		05/05/2051		04/05/2052	
सिद्ध	13/09/2037	संक	12/02/2045	मंग	15/05/2051
संक	04/04/2039	मंग	04/05/2045	पिंग	04/06/2051
मंग	15/06/2039	पिंग	14/10/2045	धांय	05/07/2051
पिंग	04/11/2039	धांय	14/06/2046	भ्राम	14/08/2051
धांय	04/06/2040	भ्राम	05/05/2047	भद्रि	04/10/2051
भ्राम	15/03/2041	भद्रि	14/06/2048	उल्क	04/12/2051
भद्रि	05/03/2042	उल्क	14/10/2049	सिद्ध	13/02/2052
उल्क	05/05/2043	सिद्ध	05/05/2051	संक	04/05/2052

पिंगला 0 वर्ष 4 मास 28 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
23/10/2036		24/10/2039		24/10/2043	
24/10/2039		24/10/2043		23/10/2048	
धांय	23/01/2037	भ्राम	03/04/2040	भद्रि	04/07/2044
भ्राम	24/05/2037	भद्रि	23/10/2040	उल्क	04/05/2045
भद्रि	23/10/2037	उल्क	24/06/2041	सिद्ध	24/04/2046
उल्क	24/04/2038	सिद्ध	04/04/2042	संक	04/06/2047
सिद्ध	23/11/2038	संक	22/02/2043	मंग	25/07/2047
संक	25/07/2039	मंग	04/04/2043	पिंग	03/11/2047
मंग	24/08/2039	पिंग	24/06/2043	धांय	03/04/2048
पिंग	24/10/2039	धांय	24/10/2043	भ्राम	23/10/2048

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
04/05/2052		05/05/2054		04/05/2057	
05/05/2054		04/05/2057		04/05/2061	
पिंग	14/06/2052	धांय	04/08/2054	भ्राम	14/10/2057
धांय	14/08/2052	भ्राम	04/12/2054	भद्रि	05/05/2058
भ्राम	03/11/2052	भद्रि	05/05/2055	उल्क	03/01/2059
भद्रि	12/02/2053	उल्क	04/11/2055	सिद्ध	14/10/2059
उल्क	14/06/2053	सिद्ध	04/06/2056	संक	03/09/2060
सिद्ध	03/11/2053	संक	02/02/2057	मंग	14/10/2060
संक	14/04/2054	मंग	05/03/2057	पिंग	03/01/2061
मंग	05/05/2054	पिंग	04/05/2057	धांय	04/05/2061

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
23/10/2048		24/10/2054		23/10/2061	
24/10/2054		23/10/2061		23/10/2069	
उल्क	23/10/2049	सिद्ध	04/03/2056	संक	04/08/2063
सिद्ध	24/12/2050	संक	23/09/2057	मंग	24/10/2063
संक	24/04/2052	मंग	03/12/2057	पिंग	03/04/2064
मंग	23/06/2052	पिंग	24/04/2058	धांय	03/12/2064
पिंग	23/10/2052	धांय	23/11/2058	भ्राम	23/10/2065
धांय	24/04/2053	भ्राम	03/09/2059	भद्रि	03/12/2066
भ्राम	23/12/2053	भद्रि	23/08/2060	उल्क	03/04/2068
भद्रि	24/10/2054	उल्क	23/10/2061	सिद्ध	23/10/2069

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
04/05/2061		05/05/2066		04/05/2072	
05/05/2066		04/05/2072		05/05/2079	
भद्रि	13/01/2062	उल्क	05/05/2067	सिद्ध	13/09/2073
उल्क	13/11/2062	सिद्ध	04/07/2068	संक	04/04/2075
सिद्ध	04/11/2063	संक	03/11/2069	मंग	15/06/2075
संक	13/12/2064	मंग	03/01/2070	पिंग	04/11/2075
मंग	02/02/2065	पिंग	05/05/2070	धांय	04/06/2076
पिंग	15/05/2065	धांय	03/11/2070	भ्राम	15/03/2077
धांय	14/10/2065	भ्राम	05/07/2071	भद्रि	05/03/2078
भ्राम	05/05/2066	भद्रि	04/05/2072	उल्क	05/05/2079

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
23/10/2069		24/10/2070		23/10/2072	
24/10/2070		23/10/2072		24/10/2075	
मंग	03/11/2069	पिंग	03/12/2070	धांय	23/01/2073
पिंग	23/11/2069	धांय	02/02/2071	भ्राम	24/05/2073
धांय	23/12/2069	भ्राम	24/04/2071	भद्रि	23/10/2073
भ्राम	02/02/2070	भद्रि	04/08/2071	उल्क	24/04/2074
भद्रि	25/03/2070	उल्क	04/12/2071	सिद्ध	23/11/2074
उल्क	25/05/2070	सिद्ध	24/04/2072	संक	25/07/2075
सिद्ध	04/08/2070	संक	03/10/2072	मंग	24/08/2075
संक	24/10/2070	मंग	23/10/2072	पिंग	24/10/2075

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

3	मूलांक	8
6	भाग्यांक	6
3, 5, 7, 9, 6	मित्र अंक	1, 2, 8, 6
1, 4, 8	शत्रु अंक	3, 7, 9
21,30,39,48,57	शुभ वर्ष	26,35,44,53,62
गुरु, रवि, मंगल	शुभ दिन	सोम, मंगल, गुरु
गुरु, सूर्य, मंगल	शुभ ग्रह	चन्द्र, मंगल, गुरु
मकर, कुम्भ	मित्र राशि	वृष, तुला
कर्क, धनु, कुम्भ	मित्र लग्न	मिथुन, वृश्चिक, मकर
विष्णु	अनुकूल देवता	कुबेर
मूंगा	शुभ रत्न	पुखराज
संगमूंगी	शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
पुखराज	भाग्य रत्न	मूंगा
ताम्र	शुभ धातु	कांसा
रक्त	शुभ रंग	पीत
दक्षिण	शुभ दिशा	पूर्वोत्तर
सूर्योदय के बाद	शुभ समय	संध्या
केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन	दान पदार्थ	हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प
मल्का	दान अन्न	दाल चना
घी	दान द्रव्य	घी

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Mr.tanishq chauhan

जीवन रत्नः	मूंगा	शत्रु व रोग मुक्ति, स्वास्थ्य, दुर्घटना से बचाव
भाग्य रत्नः	पुखराज	धनार्जन, भाग्योदय, कम खर्च
कारक रत्नः	माणिक्य	भाग्योदय, सन्तति सुख

Miss. Rishika Songara

जीवन रत्नः	पुखराज	धन, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	मूंगा	पराक्रम, धन, भाग्योदय
कारक रत्नः	मोती	कम खर्च, सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	29/12/1998-05/06/2000
साढेसाती द्वितीय ढैया	05/06/2000-22/07/2002
साढेसाती तृतीय ढैया	22/07/2002-05/09/2004
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	01/11/2006-09/09/2009
अष्टम स्थानस्थ ढैया	19/01/2017-18/01/2020

द्वितीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती द्वितीय ढैया	11/04/2030-25/05/2032
साढेसाती तृतीय ढैया	25/05/2032-06/07/2034
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	20/08/2036-29/06/2039
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/11/2046-20/07/2049

तृतीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती द्वितीय ढैया	22/05/2059-05/07/2061
साढेसाती तृतीय ढैया	05/07/2061-15/02/2064
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	03/10/2065-21/08/2068
अष्टम स्थानस्थ ढैया	04/08/2076-03/01/2079

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	बुरा स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	पराक्रम
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	अशुभ	सन्तति कष्ट
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	भाग्योदय

प्रथम चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/06/2000-22/07/2002
अष्टम स्थानस्थ ढैया	09/09/2009-15/11/2011
साढेसाती प्रथम ढैया	18/01/2020-21/07/2022
साढेसाती द्वितीय ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढेसाती तृतीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027

द्वितीय चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	11/04/2030-25/05/2032
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/06/2039-06/03/2041
साढेसाती प्रथम ढैया	20/07/2049-17/02/2052
साढेसाती द्वितीय ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढेसाती तृतीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057

तृतीय चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/05/2059-05/07/2061
अष्टम स्थानस्थ ढैया	21/08/2068-25/10/2070
साढेसाती प्रथम ढैया	03/01/2079-18/08/2081
साढेसाती द्वितीय ढैया	18/08/2081-09/03/2084
साढेसाती तृतीय ढैया	09/03/2084-11/05/2086

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	पराक्रम
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	दम्पति
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	धनार्जन
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	कम खर्च
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	स्वास्थ्य

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Mr.tanishq chauhan

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Miss. Rishika Songara

आपकी जन्मकुण्डली में पद्म नामक काल सर्प योग है एवं राहु से केतु तक सभी भाव ग्रहों से पूर्ण है। फलस्वरूप विद्याध्ययन में रूकावट आती हैं और जातक को वंश वृद्धि की चिन्ता बनी रहती है। बिलम्ब से सन्तान प्राप्त होता है या फिर उसके होने में व्यवधान आते हैं। सन्तान अक्सर दूर देश में रहती है। परिणामस्वरूप सन्तान पक्ष से किसी भी प्रकार के सुख प्राप्त नहीं होते है।

इस योग के कारण वैवाहिक जीवन विशेष रूप से कष्टमय रहता है। परिवार के अन्य सदस्य जातक को अपयश दिलाने में सहायक होते हैं। जातक का मन अशान्त रहता है तथा घर में सुख शान्ति का अभाव रहता है। गुप्त रोग, गुप्तांग सम्बन्धी रोग जातक को विशेष रूप से कष्ट पहुँचाते रहते हैं। रोग व्याधि ठीक होना कठिन होता है। आय का अधिक भाग औषधियों पर खर्च होता रहता है।

इस योग के कारण जातक के मित्रगण स्वार्थी होते हैं। वे सब समय-समय पर नुकसान पहुँचाते रहते हैं। गुप्त शत्रु अत्यधिक पीड़ा पहुँचाते हैं। शत्रु गोपनीय रूप से इनके मध्य षड्यन्त्र रचता रहता है। फलतः जातक को अनेक प्रकार की क्षति मिलती है यहाँ तक कि कारावास की सजा भी मिल सकती है।

इस योग के प्रभाव से सट्टे में, जुए में रेस में एवं अशुभ कार्यों में जातक प्रवृत्त हो जाता है। उसमें भारी क्षति उठानी पड़ती है। जातक जिस किसी काम को करने का प्रयास करता है उसमें उसे केवल असफलता ही हाथ लगती है। अथवा कार्य विवादास्पद हो जाता है। आर्थिक स्थिति विशेष रूप से नाजुक होती है। जिस कारण जातक को निरन्तर चिन्ता परेशानी घेरे रहती है और जातक को अर्थ के लिए विशेष रूप से संघर्ष करना पड़ता है। यदि थोड़ा बहुत धन संचित हो भी जाता है तो उसे दूसरे लोग हरण कर लेते हैं। वृद्धावस्था कष्टमय व्यतीत होती है। इस अवस्था में सन्यास की ओर प्रवृत्ति होने की पूर्ण सम्भावना रहती है। लेकिन सब कुछ होने के बाद भी जातक को राजनीति में सफलता मिलती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ

मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. रसोई घर में बैठकर भोजन करें।
3. श्रद्धापूर्वक पितरों का प्रतिवर्ष श्राद्धपक्ष में श्राद्ध करें। कम से कम 7 वर्ष तक अवश्य करें।
4. पलाश के फूल गोमूत्र में कूटकर छांव में सुखावें। उसका चूर्ण बनाकर नित्य स्नान की बाल्टी में यह चूर्ण डालें। इस प्रकार 72 बुधवार (डेढ़ वर्ष) तक स्नान करें।
5. नवनाग स्तोत्र का प्रतिदिन पाठ करें।
6. हर पुष्य नक्षत्र को महादेव पर रूद्री से अभिषेक करें तथा जल दुग्ध समर्पित करें।
7. शुभ मुहूर्त्त में चाँदी का नाग बनाकर अंगुली में धारण करें।
8. इलाहाबाद (प्रयाग) में संगम पर नाग-नागिन का विधिवत पूजन कर दुग्ध के साथ, संगम में प्रवाहित करे एवं तीर्थराज प्रयाग संगम स्थल में तर्पण श्राद्ध भी एक बार करें।
9. सर्प के वैदिक मन्त्र. का जप करना या ब्राह्मण द्वारा कराना चाहिए। विधिवत नाग की पूजोपरान्त मन्त्र का जप करें। मन्त्र है-

ऊँ नमोऽस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु।
ये ऽअन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्यो नमः।।

इस मन्त्र का 31,000 (इकत्तीस हजार) जप करें। परन्तु कलियुग में सवालाख जप का विधान है। जप के उपरान्त होम आदि के तदनन्तर सर्प को जल में प्रवाहित करें।
10. सरस्वती जी की एक वर्ष तक विधिवत उपासना करें।
11. शुभ मुहूर्त्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वास्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
12. गोमेद, सीसा, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कंबल आदि समय-समय पर दान करें।
13. शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठे) शनिवार से यह व्रत आरंभ करना चाहिए। यह व्रत 18 करें। काला वस्त्र धारण करके 18 या 3 बीज मन्त्र की माला जपें। तदन्तर एक बर्तन में जल, दूर्वा और कुश लेकर पीपल की जड़ में डालें। भोजन में मीठा चूरमा, मीठी रोटी समयानुसार रेवड़ी, भुग्गा, तिल के बने मीठे पदार्थ सेवन करें और यही दान में भी दें। रात को घी का दीपक जलाकर पीपल की जड़ में रख दें।
14. श्रीमद् भागवत के दशमस्कन्ध के षोडश अध्याय (16) में आये श्लोकों का 108 बार पाठ करें।
15. मंगलवार एवं शनिवार के रामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड का 108 बार पाठ श्रद्धापूर्वक करें।
16. शुभ मुहूर्त में सर्वतो भद्रमण्डल यन्त्र को पूजित कर धारण करें।

स्त्री जातक के लिए विशेष - अश्वत्थ (वट) के वृक्ष से नित्य 108 प्रदक्षिणा (फेरे) करें। तीन सौ दिन में जब 28,000 प्रदक्षिणा पूरी होगी तो दोष दूर होकर स्वतः ही सन्तति की प्राप्ति होगी।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से

किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

कुल : **30.5 / 36**

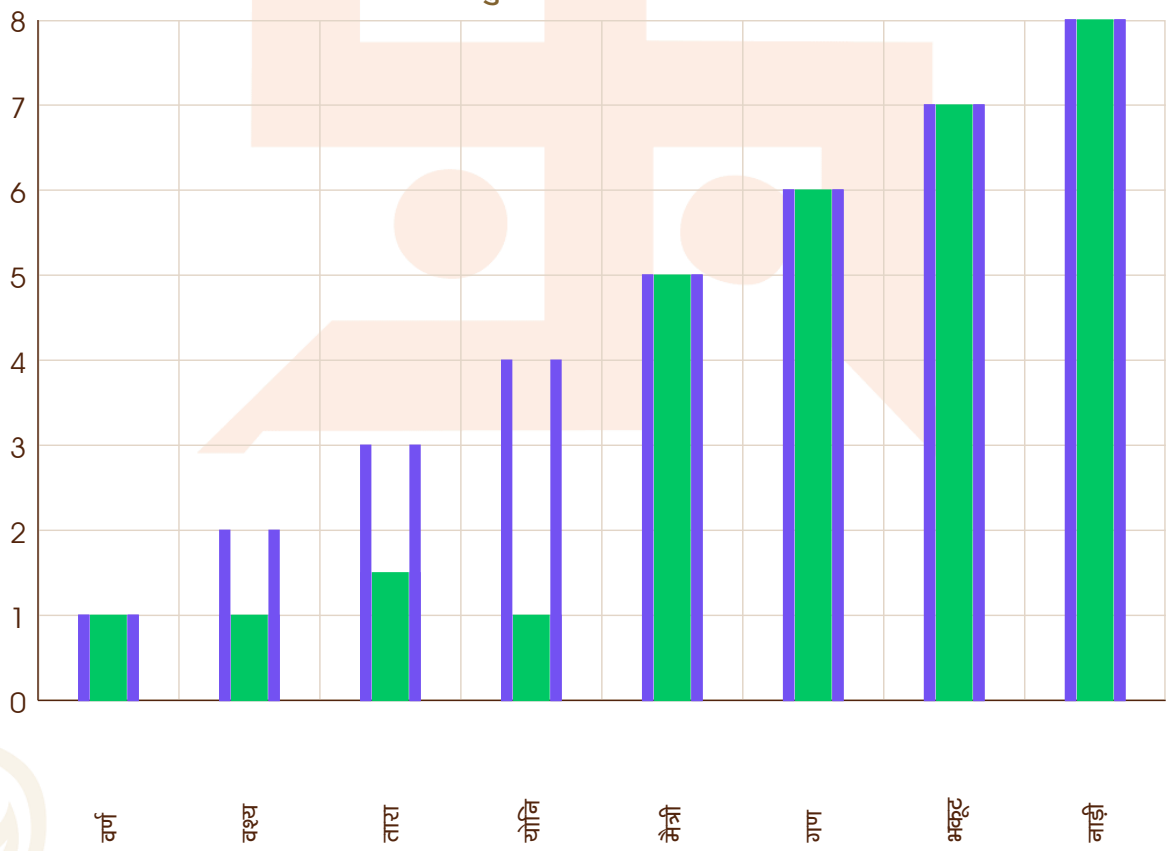

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Mr.tanishq chauhan का वर्ग गरूड़ है तथा Miss. Rishika Songara का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.tanishq chauhan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Miss. Rishika Songara मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr.tanishq chauhan तथा Miss. Rishika Songara में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.tanishq chauhan का वर्ण वैश्य है तथा Miss. Rishika Songara का वर्ण शूद्र है। इसमें Miss. Rishika Songara का वर्ण Mr.tanishq chauhan के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Miss. Rishika Songara अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Miss. Rishika Songara हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Mr.tanishq chauhan का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Miss. Rishika Songara का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Mr.tanishq chauhan एवं Miss. Rishika Songara एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Miss. Rishika Songara क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Mr.tanishq chauhan की तारा मित्र तथा Miss. Rishika Songara की तारा विपत है। Miss. Rishika Songara की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.tanishq chauhan एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Miss. Rishika Songara का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.tanishq chauhan की योनि मेष है तथा Miss. Rishika Songara की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.tanishq chauhan एवं Miss. Rishika Songara दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.tanishq chauhan एवं Miss. Rishika Songara के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.tanishq chauhan एवं Miss. Rishika Songara जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.tanishq chauhan का गण राक्षस है तथा Miss. Rishika Songara का गण भी राक्षस है। अर्थात Miss. Rishika Songara का गण Mr.tanishq chauhan के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Mr.tanishq chauhan एवं Miss. Rishika Songara दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Mr.tanishq chauhan से Miss. Rishika Songara की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Miss. Rishika Songara से Mr.tanishq chauhan की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.tanishq chauhan एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Miss. Rishika Songara को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Miss. Rishika Songara हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.tanishq chauhan की नाड़ी अन्त्य है तथा Miss. Rishika Songara की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य,

सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.tanishq chauhan की राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Miss. Rishika Songara की राशि वायुतत्व युक्त है। भूमितत्व एवं वायुतत्व में यद्यपि असमानताएं अधिक होती है तथापि अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृति के कारण ये न्यूनाधिक मात्रा में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहते है।

Mr.tanishq chauhan का राशि स्वामी शुक्र तथा Miss. Rishika Songara का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता का भाव रखते है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव होगा। जिससे दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता तथा शांति बनी रहेगी एवं एक दूसरे के सुख सहयोग का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा परस्पर भावनाओं का आदर करके उन्हें पूर्ण करने में तत्पर रहेंगे।

Mr.tanishq chauhan तथा Miss. Rishika Songara की राशि परस्पर चतुर्थदशम में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य जीवन में सुख संसाधनों एवं मधुर संबधों में वृद्धि होगी। Mr.tanishq chauhan के भावनात्मक संकेत से ही अंतर्मन में Miss. Rishika Songara को उनके प्रति आकर्षण के लिए प्रवृत करेंगी। साथ ही दोनों एक दूसरे के गुणों से प्रभावित होंगे तथा सम्मान भी करेंगे। इस प्रकार Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara का जीवन सुख एवं समृद्धि से युक्त व्यतीत होगा।

Mr.tanishq chauhan का वश्य चतुष्पद तथा Miss. Rishika Songara का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सनतुषट रखने मे असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता मे न्यूनता आएगी।

Mr.tanishq chauhan का वर्ण वैश्य तथा Miss. Rishika Songara का वर्ण शूद्र है। Mr.tanishq chauhan की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वाणिज्य बुद्धि से कार्यों में प्रवृत रहेगे लेकिन Miss. Rishika Songara की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी से सम्पन्न करने में रहेगी। अतः Mr.tanishq chauhan की बुद्धि एवं Miss. Rishika Songara के परिश्रम से कार्य क्षेत्र मे उन्नति के कारण आर्थिक रूप से ये सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं

होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.tanishq chauhan की नाड़ी अन्त्य तथा Miss. Rishika Songara की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Miss. Rishika Songara के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Miss. Rishika Songara को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.tanishq chauhan और Miss. Rishika Songara का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Miss. Rishika Songara के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Miss. Rishika Songara के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष

समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Miss. Rishika Songara अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Miss. Rishika Songara के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.tanishq chauhan तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr.tanishq chauhan तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.tanishq chauhan के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr.tanishq chauhan को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr.tanishq chauhan समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr.tanishq chauhan के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

अंक ज्योतिष फल

Mr.tanishq chauhan

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड़ ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर व्यक्ति के रूप में चर्चित रहेंगे। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगे। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रूझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगे। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगे। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगे। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगे तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगे एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगे। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय के वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य व्यक्ति के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

Miss. Rishika Songara

आपका जन्म दिनांक 26 है। दो और छः के योग से आपका मूलांक आठ होता है। मूलांक 8 का स्वामी शनि ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक छः का शुक्र है। अतः आपके जीवन में अंक दो, छः एवं आठ के स्वामी ग्रह चन्द्र, शुक्र एवं शनि का विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक 8 के स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके प्रत्येक कार्य में रुकावटें अवश्य आयेंगी। लेकिन आप इनसे बिना विचलित हुए अपनी सफलता का मार्ग स्वयं के कठिन परिश्रम तथा बुद्धि विवेक एवं ज्ञान के द्वारा प्राप्त करेंगी। आलस्य आपके अन्दर अवगुण के रूप में रहेगा। इसी कारण कई बार आप सफलता प्राप्त करते-करते ऐसी चूक कर देंगी जिसका बाद में पछतावा होगा। शनि ग्रह के प्रभाव से आप अपने जीवन मे कई महत्वपूर्ण एवं स्थायी उपलब्धियां अर्जित करेंगी। जिससे आपका सामाजिक स्तर ऊँचा होगा और आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आपके कार्य करने का ढ़ंग कुछ इस प्रकार का रहेगा कि आप अपने विरोधी, आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

आप दिखावा पसन्द नहीं करेंगी। इससे आपको रूखा, शुष्क एवं कठोर हृदय

महिला समझा जायेगा। जबकि आप अन्दर से भावुक एवं दयालु हृदय की होंगी। आपकी रुचि अपने काम तक ही सीमित रहेगी एवं कठिन से कठिन कार्य को भी आप अंजाम देने की क्षमता रखेंगी। इससे आपके सहयोगी आपके आलोचक बन जायेंगे। आप श्रमशील, त्यागी महिला के रूप में जानी जायेंगी एवं आपकी प्रगति में आने वाली रुकावटों को आप आपनी इच्छा शक्ति के बलबूते पर दूर करने में सफल रहेंगी।

अंक दो का स्वामी चन्द्र आपको विभिन्न क्षेत्रों में असफलता देगा लेकिन अंक छः का स्वामी शुक्र आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि करेगा जो कि आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगा।

Mr.tanishq chauhan

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Miss. Rishika Songara

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

लग्न फल

Mr.tanishq chauhan

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि

आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।

Miss. Rishika Songara

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकती हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगी तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगी। आप सदैव चाहती हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् पुरुषों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझती हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा

रोमांचित कार्य में लगाना चाहती हैं। आप पति के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाले कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगी तब आप और भी अच्छा कर सकती हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकती हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब की सदस्य होंगी एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगी। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि की द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाती हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देती हैं। आप एक चिंतनशील भावना की प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में सोचती रहती है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालती है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करती हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकती हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं

गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

आप कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पैदा हुए हैं अतः आपकी जन्मराशि वृष तथा राशिस्वामी शुक्र होगा। नक्षत्रानुसार आपका राक्षस गण, अन्त्य नाड़ी, गरूड़ वर्ग, वैश्य वर्ण तथा मेष योनि होगी। चतुर्थ चरण के अनुसार आपके जन्म का आद्याक्षर "ए" अक्षर से प्रारम्भ होगा। यथा एकनाथ, एकेश्वर आदि।

कृतिका नक्षत्र मैं जन्म लेने के कारण आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह से युक्त होगी। आप अपने कार्यों से कभी कभी स्वयं दुःखी रहेंगे तथा अन्य लोग भी कष्ट का अनुभव करेंगे। नींद आपको अधिक आयेगी फलतः किसी भी कार्य को करने में आपका मन नहीं लगेगा। इसी आलस्य के फलस्वरूप आप कभी कभी भूख से व्याकुल रहेंगे। अतः आलस्य की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथा सक्रिय होकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

कृपणः पापकर्माश्च क्षुधालुर्नित्य पीड़ितः।
अकर्म कुरूते नित्यं कृतिका संभवेन्नरः।।
मानसागरी

भोजन को आप अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे तथा किसी की भी बात को सहने में सर्वथा असमर्थ रहेंगे। आप तेजस्वी तथा अपने क्षेत्र में विख्यात पुरूष रहेंगे ।

बहुभुक् परदारतस्तेजस्वी कृतिकासु विख्यातः।।
बृहज्जातकम्

विद्या को प्राप्त करने में आप अवश्य सफलता प्राप्त करेंगे तथा विद्या द्वारा ही अपनी आजीविका का अर्जन करेंगे। आप एक श्रेष्ठ विद्वान तथा उच्चधिकार प्राप्त पद पर आसीन हो सकते हैं।

तेजस्वी बहुलोद्भव प्रभुसमोडमूर्खश्च विद्याधनी।
जातक परिजातः

सत्य का पालन आप अपने जीवन में समयानुसार करते रहेंगे। व्यर्थ इधर उधर भ्रमण करना आपकी स्वाभाविक प्रवृत्ति होगी । कटु शब्दों का भी आप कभी कभी अधिक प्रयोग करेंगे जिससे श्रोता का मन अत्यन्त विकल एवं दुःखी होगा। आप अपने कर्तव्य पालन की भी उपेक्षा करेंगे फलस्वरूप घर वाले आपकी इस प्रवृति से अप्रसन्न रहेंगे। अतः यत्नपूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए जिससे अन्य जन आपसे प्रसन्न रह सकें तथा कोई अनावश्यक समस्या उत्पन्न न हों।

क्षुधाधिकः सत्यधनैर्विहीना वृथाटनोत्पन्नमतिकृतध्नः।
कठोरवाग्गहितकर्म कृत्स्याचेत्कृतिका जन्मनि यस्य जन्तो।।
जातकाभरणम्

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Miss. Rishika Songara

आप धनिष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पैदा हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि कुम्भ तथा राशि स्वामी शनि होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण शूद्र, गण राक्षस, नाड़ी मध्य, योनि सिंह तथा वर्ग मार्जार होगा। नक्षत्र के चतुर्थ चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "गे" अक्षर से होगा।

आपका चालचलन अच्छा रहेगा तथा सामान्यतया सदाचार का आप यत्नपूर्वक अनुपालन करते रहेंगे। व्यवहार कुशलता की आपमें प्रधानता रहेगी तथा अपनी बातों से अन्यजनों सहमत करवाने में भी आप को सफलता मिलेगी। अतः समाज में आप एक सम्माननीय तथा आदरणीय व्यक्ति समझे जाएंगे। धनवैभव से आप सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे तथा धनाढ्य पुरूष के रूप में प्रसिद्ध रहेंगे साथ ही आपके अर्न्तमन में दया एवं करूणा की भावना भी विद्यमान रहेगी जिसका आप जीवन में अनुपालन भी करते रहेंगे। इस प्रवृति से आपको समाज में दूर दूर तक ख्याति भी प्राप्त होगी। साथ ही आप एक प्रतिष्ठित तथा प्रभावशाली व्यक्ति भी होंगे एवं समाज के सभी वर्गों में आपका पूर्ण प्रभाव स्थापित रहेगा।

आचारदातादरचारूशीलो धनाधिशाली बलवान् कृपालुः।
यस्य प्रसूतौ च भवेद्धनिष्ठा महाप्रतिष्ठो सहितः नरः स्यात्।।
जातकाभरणम्

आप स्वभाविक रूप से आशावादी व्यक्ति होंगे तथा निराशा की भावना से सर्वदा दूर ही रहेंगे। अतः आप अल्प मात्रा में मानसिक कष्टों की प्राप्ति करेंगे। साथ ही जीवन में समस्त प्रकार के सुख संसाधनों से सुसम्पन्न रहकर उनका उपभोग भी करेंगे।

आशालुर्वसुमान वसूद्भुजनिः पीनोरूकंठः सुखी।
जातक परिजातः

संगीत शास्त्र के प्रति आपकी स्वभाविक रूचि रहेगी एवं इसका आप परिश्रमपूर्वक विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे एवं संगीत के क्षेत्र में विशेष सफलता एवं ख्याति अर्जित करेंगे। आप अपने परिवार तथा बन्धुवर्ग में भी विशेष आदरणीय रहेंगे एवं अन्य सभी लोग आपको यथोचित स्नेह प्रदान करेंगे। साथ ही नाना प्रकार के सोने के गहनों तथा अन्य बहुमूल्य रत्नादि से भी आप सुसम्पन्न हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त कई लोगों के ऊपर आपका प्रभाव रहेगा एवं इनके मध्य आप परम सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

गीतप्रियो बन्धुमान्यो हेमरत्नैरलंकृतः।
जातो नरो धनिष्ठायाम् शतैकस्यपतिर्भवेत।।
मानसागरी

आप प्रारम्भ से ही दानशील प्रवृति से भी युक्त रहेंगे तथा समाज में जरूरतमन्द लोगों के लिए इस प्रवृति का पालन भी करते रहेंगे। आप में शौर्य गुणों की भी प्रधानता रहेगी तथा साहस एवं निर्भय होकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। धन के प्रति भी आप का

स्वभाव लालची रहेगा जिससे आप को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना भी करना पड़ेगा।

दाता आढ्यः शूरोगीतप्रियो धनिष्ठासु धन लुब्धः।
बृहज्जातकम्

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

राशिफल

Mr.tanishq chauhan

आप वृषराशि में उत्पन्न हुए हैं अतः आपका लालिमायुक्त गौरवर्ण तथा स्थूल गाल होंगे। आपके नेत्र बड़े बड़े तथा मोटे होंगे। नैसर्गिक रूप से आलस्य का समावेश आपके स्वभाव में रहेगा। कुलीन लोगों के प्रति आपके मन में श्रद्धा तथा सेवा भाव रहेगा। ब्राह्मण तथा गुरूजनों के आप सच्चे सेवक तथा आज्ञाकारी होंगे। उनकी प्रत्येक बात को शिरोधार्य करना आप अपना परम कर्तव्य मानेंगे। बुद्धि आपकी अच्छी होगी तथा प्रकृति वात एवं कफ से युक्त रहेगी। आपके बाल घुँघराले होंगे तथा मन में दानशीलता की भावना भी होगी।

पृथुकगलकशोणः स्थूलनेत्रः प्रमादी।
कुलजनपरिसेवी प्रायशः सौख्य मेधी।।
द्विजगुरूजनभक्तः श्लेष्मवातस्वभावः।।
सितकुटिलचाग्रो दानशीलो वृषेजः।।
जातकदीपिका

जीवन में आप सर्वप्रकार के भौतिक सुखों का उपभोग करने वाले होंगे। आप शुद्ध तथा सफाई पसन्द व्यक्ति होंगे। आप समर्थवान पुरूष होंगे अतः प्रत्येक कार्य आपके द्वारा सम्पन्न होगा। बुद्धि तथा बल का आपके पास अभाव नहीं होगा। धनार्जन पूर्णरूपेण होगा। अतः आपकी प्रकृति विलासी हो जायेगी। समस्त प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति पर आप उन्मुक्त भाव से व्यय करेंगे। चेहरे पर तेजस्विता बनी रहेगी तथा आपके सारे मित्र अच्छे गुण एवं स्वभाव वाले होंगे।

भोगीदाताशुचिर्दक्षो महासत्वो महामतिः।
धनी विलासी तेजस्वी सुमित्रश्च वृषे भवेत।।
मानसागरी

आपका चेहरा तथा जानु दीर्घाकार होंगे। आपके जीवन के प्रथम दो भाग कष्टपूर्वक तथा अन्तिम दो भाग सुखपूर्वक व्यतीत होंगे। त्याग की भावना भी आपके अन्दर होगी। इसका जीवन में कई बार अन्य लोग भी अनुभव करेंगे। आपकी प्रवृति क्षमाशील होगी तथा सामान्य दोषी व्यक्तियों को आप सहर्ष क्षमा कर देंगे। प्रारम्भ में आपको सामान्य रूप से कष्ट सहने पड़ेंगे तथा कठोर परिश्रम भी करना पड़ेगा। पीठ, चेहरे पर या बगल में आपके तिल मस्सा या व्रण का निशान हो सकता है।

पृथूरूवक्त्रः कृषिकर्मकृत्स्यात्।
मध्यान्ते सौख्यः प्रमदाप्रियश्च।।
त्यागी क्षमी क्लेशसहश्च गोमान।
पृष्ठास्यपार्श्वेङ्कयुतो वृषोत्थः।।
फलदीपिका

आपकी सन्तति में कन्या सन्तति की बहुलता रहेगी। आचरण आपका उत्तम होगा। आप जीवन भर धन का उपभोग करेंगे तथा दूर दूर तक आपकी कीर्ति फैलेगी।

दाताकान्त यशोधनोरूचरणः कन्या प्रजो गोपतौ।
जातकपरिजातः

आपका वक्षस्थल विशाल तथा बाल घने तथा घुँघराले होंगे। आपका यश चारों तरफ फैलेगा। आपकी बुद्धि दूध को दूध और पानी को पानी करने वाली होगी। अर्थात् आप न्यायप्रिय तथा विवेक अविवेक का भेद रखने वाले होंगे। आपकी चाल दर्शनीय एवं शरीर के सारे अंग सुडौल एवं दीर्घ होंगे।

व्यूढारस्कोडतदाता धनकुटिलकचः कामुकः कीर्तिशाली
कान्तः कन्या प्रजावान वृषसमनयनो हंसलीला प्रचारः
मध्यान्ते भोग भागी पृथूकटिचरणस्कन्धे जान्वस्यजङ्घः
साकः पार्श्वास्यपृष्ठे ककुदशुभगति क्षान्तियुक्तौ गवीन्दौ।।
सारावली

आप शनैः शनैः चलना पसन्द करेंगे तथा अपने सम्पूर्ण कार्यो को चतुराईपूर्वक सम्पन्न करेंगे। परोपकार की भावना भी आपके अन्तर्मन में व्याप्त रहेगी जिसे आप समय समय पर पूर्ण करने का यत्न करेंगे तथा इसी प्रकार सत्कार्यों एवं पुण्य कार्यों से सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

स्थिरगति सुमति कमनीयतां कुशलता हि नृणामुपभोगताम्।
वृषगतो हिमगुर्भृशमादिशेत सुकृतिः कृतितश्च सुखानि च।।
जातकभरणम्

आपका स्वरूप सुन्दर एवं दर्शनीय होगा तथा आप सविलास गमनप्रिय व्यक्ति होंगे। सामान्य रूप से कष्ट सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान होगी। आप उच्चाधिकार युक्त पद को भी प्राप्त कर सकेंगे। धन एवं ऐश्वर्य से आप आजीवन समृद्ध रहेंगे। आपके अन्दर जठराग्नि की भी प्रबलता रहेगी। स्त्रीवर्ग में आप काफी प्रिय होंगे तथा युवा एवं वृद्धावस्था में सुख प्राप्त कर आनन्द से रहेंगे। ऊसके अतिरिक्त आप सुस्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा विष्णु एवं शंकर भगवान की आराधना करने वाले होंगे।

कान्तः खेलगतिः पृथूरुवदनः पृष्ठास्यपार्श्वाङ्कितः।
त्यागी क्लेश सहः प्रभु ककुदवान कन्याप्रजः श्लेष्मलः।।
पूर्वैबन्धुद्यूनात्मजैर्विरहितः सौभाग्ययुक्तः क्षमी।
दीपाग्नि प्रमदाप्रियः स्थिर सुहृन्मध्यान्त सौख्यो गवि।।
बृहज्जातकम्

आपके लिए मार्गशीर्ष मास पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तथा अमावस्या तिथियाँ, हस्त नक्षत्र, सुकर्मा योग, शकुनिकरण, शनिवार, चतुर्थ प्रहर तथा कन्या राशि में स्थित चन्द्रमा

अशुभफल देने वाला है, अतः आप 15 नवम्बर से 14 दिसम्बर के मध्य 5,10,15 तथा अमावस्या तिथियों, हस्त नक्षत्र, सुकर्मा योग तथा शकुनिकरण में कोई भी शुभकार्य, व्यापार प्रारम्भ नवगृह निर्माण, लेन देन आदि कार्य न करें अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि ही होगी। इसके साथ ही शनिवार, चतुर्थ प्रहर तथा कन्या राशि के चन्द्रमा को शुभकार्यों में प्रयुक्त न करें। इन दिनों पर शारीरिक सुरक्षा का भी पूर्ण ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय प्रतिकूल चल रहा हो, शारीरिक व्याधियां हो रहीं हों तथा व्यापार हानि या नौकरी या प्रोन्नति में व्यवधान उत्पन्न हो रहा हो तो आपको नियमित रूप से शुक्रवार के उपवास करने चाहिए तथा श्वेतवस्त्र, चावल, शहद, श्वेत मोती, श्वेत पुष्प, कपूर आदि पदार्थों का भी दान करना चाहिए। इससे अशुभ फलों में भी कमी होगी। इसके अतिरिक्त शुभ फलों के प्राप्ति हेतु शुक्र के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 20 हजार जप किसी विद्वान के द्वारा सम्पन्न कराने चाहिए। श्रद्धानुसार आप शिव या विष्णु भगवान की आराधना भी कर सकते हैं।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
मंत्र- ॐ ह्रीं श्रीं शुकाय नमः।

Miss. Rishika Songara

कुम्भ राशि में उत्पन्न होने के कारण आपकी नासिका उन्नत रहेगी तथा ललाट एवं मुख भाग विस्तृताकार का होगा। साथ ही हाथ, पैर व कमर में भी स्थूलता रहेगी। आपके शरीर में अल्प मात्रा में रूक्षता विद्यमान रहेगी तथापि शारीरिक सौन्दर्य का आकर्षण पूर्ण रूप से विद्य मान रहेगा। आपके स्वभाव में कभी कभी उग्रता का भाव भी रहेगा एवं यदा कदा आप के अन्दर विद्रोह की भावना भी उत्पन्न हो जाएगी। धार्मिक वृति का भी आप पालन करती रहेंगी। आप में आलस्य की भी प्रधानता रहेगी। शिल्प या चित्रकारी में आप विशेष रूचिशील रहेंगी तथा इस क्षेत्र में विशेष उन्नति तथा ख्याति अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त यदा कदा आप मानसिक रूप से व्याकुल रहेगी।

उद्घोणो रूक्षदेहः पृथुकरचरणो मद्यपान प्रसक्तः।
सद्द्वेष्यो धर्महीनः परसुतजनकः स्थूलमूर्धाकुनेत्रः।।
शाठ्यालस्याभिभूतो विपुलमुखकटिः शिल्पविद्या समेते।
दुःशीलो दुःखतप्तो घटभमुपगते रात्रिनाथे दरिद्रः।।
सारावली

विविध प्रकार के शास्त्रों का आप विस्तृत रूप से ज्ञानार्जन करने में सफल रहेंगी तथा एक विदुषी के रूप में समाज में आप ख्याति प्राप्त करेंगी। साथ ही नाना प्रकार के कार्यों को करने में भी आप रूचिशील रहेंगी एवं इनमें दक्षता भी प्राप्त करेंगी। आप में हिंसक प्रवृति का अभाव रहेगा एवं प्रारम्भ से ही आपका स्वभाव शान्त होगा एवं शान्ति पूर्वक ही आप रहना पसन्द करेंगी। इसके अतिरिक्त शत्रुओं को पराजित करने में आप नित्य सफल रहेंगी तथा वे भी आपसे भयभीत रहेंगे।

अलसता सहितोनयसुतप्रियः कुशलताकलितोळति विचक्षणः।
कलशगामिनि शीतकरे नरः प्रशमितः शमितोरूरिपुव्रजः।।
जातकाभरणम्

कभी कभी आप कठोर कार्यों को करने की ओर भी अग्रसर रहेंगी तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कठोर कार्यों को करने में अपना सहयोग भी प्रदान करेंगी। यात्रा करने तथा घूमने फिरने में भी आपकी रूचि रहेगी तथा अपना अधिकांश समय इसी पर व्यतीत भी करेंगी। धन के प्रति आपके मन में लोलुपता की भावना रहेगी अतः कई बार इस प्रवृति से आपको व्याकुलता की भी अनुभूति होगी। दूसरे के धन को प्राप्त करने की इच्छा भी आप में रहेगी तथा इसको प्राप्त करने के लिए आप प्रयत्न शील भी रहेंगी। आपकी आर्थिक स्थिति विषम रहेगी एवं इसमें उतार चढाव आते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुगन्धित द्रव्यों के अनुलेपन तथा पुष्पों के श्रृंगार आदि करने में भी आप सतत रूचिशील एवं प्रयत्नशील रहेंगी।

प्रच्छन्नपापो घटतुल्य देहो विघातदक्षोळध्वसहो डवित्तः।
लुब्धः परार्थी क्षयवृद्धि युक्तो घटोद्भवः स्यात्प्रियगन्धपुष्पः।।
फलदीपिका

आप एक श्रेष्ठ एवं ख्याति प्राप्त विदुषी होंगी तथा समाज में पूर्ण सम्मान अर्जित करेंगी परन्तु अन्य विद्वानों को आप के द्वारा यथोचित मान सम्मान अल्प मात्रा में ही प्राप्त होग। आपका व्यवहार सुशीलता से भी युक्त रहेगा जिससे अन्य

कुम्भस्थे गतशीलवान बुधजनद्वेषी च विद्याधिको।
जातक परिजातः

आपको जीवन में अधिकांश विजय तथा सफलताएं प्राप्त होती रहेगी जो अन्य जनों के लिए अनुकरणनीय रहेंगे। धनैश्वर्य से आप प्रायः सम्पन्न रहेंगी गुरूजनों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव रहेगा एवं अवसरानुकूल उनकी सेवा के लिए भी सर्वदा आप तत्पर रहेंगी। आपका परिवार भी विशाल रहेगा तथा जाति के लोगों के इष्ट कार्य के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी एवं उनको हमेशा अपना यथाशक्ति सहयोग प्रदान करती रहेंगी फलतः जाति या वर्ग में आप सम्माननीया तथा आदरणीया समझी जाएंगी। इसके अतिरिक्त समाज में पुरूषवर्ग में भी आपका प्रभुत्व व्याप्त रहेगा साथ ही सर्वप्रकार के सद्गुणों से आप सुशोभित होकर जीवन में उनका पालन करके प्रसन्नानुभूति प्राप्त करेंगी।

भुवनविजययुक्तः सुन्दरः सच्चरित्रः।
स्थिरधन गुरूभक्तो मानिनी चित्तरक्तः।।
बहुजनपरिवारो ज्ञातिवर्गेष्ट कर्ता।
सकलगुणसमेतः कुम्भराशि र्मनुष्यः।।
जातक दीपिका

आपकी गरदन सामान्य से लम्बी रहेगी तथा नसे भी शरीर से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगी इसके अतिरिक्त समय समय पर आप अन्य शारीरिक रोगों से मित्रों कै प्रीत

आपके मन में विशेष स्नेह तथा श्रद्धा का भाव रहेगा तथा इनको सहयोग प्रदान करने के लिए आप तत्पर रहेंगी।

करभगलः शिरालुः खरलोमशदीर्घतनुः।
पृथुचरणोरूपृष्ठ जघनास्य कटिर्जरठः।।
परवनितार्थ पापनिरतः क्षयवृद्धियुतः।
प्रियकुसुमानुलेपन सुहृदघटजो ऊध्वसहः।।
वृहज्जातकम्

आप में नैसर्गिक रूप से दानशीलता का भाव रहेगा अतः यथा शक्ति आप दीन दुःखियों तथा जरूरतमन्द लोगों को अपनी इस प्रवृति से कृतार्थ करती रहेंगी साथ ही अन्य जनों के कल्याणकारी कार्यों में भी आप पूर्ण रूपेण अपना सहयोग अर्पण करेंगी। अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर आप उनका उपकार स्वीकार करेंगी। आपकी इस कृतज्ञता के भाव से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप अपने जीवन में विभिन्न प्रकार के वाहन साधनों से भी सुसम्पन्न रहेंगी एवं सुखपूर्वक उनका उपभोग भी करेंगी। आपकी आखें अत्यन्त ही सुन्दर होगी तथा आपकी बुद्धि छल प्रपंच से रहित सरलता के गुण से युक्त रहेगी। धन एवं विद्या का अर्जन करने के लिए आप हमेशा परिश्रमशील रहेंगी तथा अपने सत्कार्यों एवं स्नेहशील व्यवहार के द्वारा समाज में सम्मान तथा ख्याति दोनों को अर्जित कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त आप स्वपरिश्रम से धनार्जनभी करेंगी एवं साहसपूर्वक जीवन यापन करेंगी।

दातालसः कृतज्ञश्च गजवाजिधनैश्वरः।
शुभदृष्टिः सदासौम्यो धनविद्याकृतोद्यमः।।
पुण्याढ्यः स्नेहकीर्तिश्च धनभोगी स्वशक्तः।
शालूरकुक्षिर्निर्भीतः कुम्भे जातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आपके लिए चैत्र मास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी तिथियां, आर्दा नक्षत्र, वणिजकरण, गुरूवार, तृतीय प्रहर तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा प्रायः अशुभ फल देने वाले ही होगे अतः आप 15 मार्च से 14 अप्रैल के मध्य 3,8,13 तिथियों, आर्द्रा नक्षत्र, गंड योग, वणिज करण में कोई भी शुभ कार्य प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी साथ ही गुरूवार, तृतीय प्रहर तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सावधानी रखें।

यदि आपके लिए समय ठीक नहीं चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में व्यवधान तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में असफलता मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट कुबेर जी की उपासना करनी चाहिए तथा शनिवार के नियमित रूप से उपवास करने चाहिए। साथ ही सोना, नीलम, पंच धातु, लोहा, तिल, तेल कम्बल तथा चर्मपादुकाएं आदि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त शनि के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 19000 जप किसी योग्य विद्वान से कम्पन्न करवाने चाहिए। ऐसा करने से आपकी मानसिक चिन्ताएं दूर होगी एवं शारीरिक

स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा साथ ही अशुभ फलों का प्रभाव समाप्त होकर शुभ फलों की वृद्धि होगी एवं अन्यत्र लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
मंत्र- ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

पाया विचार

Mr.tanishq chauhan

आप का जन्म रजत पाद में हुआ है। अतः धन सम्पति से आप सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में आपके पास इसका अभाव नहीं रहेगा। साथ ही समस्त भौतिक सुखसंसाधनों को आप प्राप्त करेंगे एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा दानशीलता की प्रवृति भी आपके मन में नित्य विद्यमान रहेगी। साथ ही सहनशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगे। आप अपने सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रायः सफलता ही अर्जित करेंगे। आप की शारीरिक कान्ति दर्शनीय रहेगी तथा मुखाकृति सुन्दर एवं आकर्षक होगी। समाज में आप एक आदरणीय एवं श्रद्धेय पुरूष समझें जाएंगे। आप विस्तृत परिवार के भी स्वामी होंगे। अपने सम्भाषण में आप नित्य प्रिय एवं मधुर वाणी का उपयोग करेंगे तथा सभी प्रकार के सांसारिक सुखों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। विद्याध्ययन में आप रूचिशील रहेंगे तथा एक विद्वान के रूप में भी आप ख्याति प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही आप अल्प मात्रा में बोलना पसन्द करेंगे।

Miss. Rishika Songara

आप लौहपाद में पैदा हुई हैं। यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक जीवन में विभिन्न प्रकार से रोगी, दुःखी, धन एवं सुखसंसाधनों से हीन रहकर जीवन यापन करता है परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभ राशि में स्थित है। अतः आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फलों की ही प्राप्ति अधिक मात्रा में होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा सामान्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। आप एक दानशील प्रवृति की महिला होंगी तथा नित्य प्रति अपनी इस प्रवृति का अनुपालन करती रहेंगी। आप हमेशा सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी जिससे अन्य लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आप शुभ एवं अच्छे कार्यों में अधिक व्यय करेंगी अनावश्यक या गलत कार्यों पर आप कभी भी व्यय नहीं करेंगी। इसके अतिरिक्त जीवन में विभिन्न प्रकार के भौतिक सुखसंसाधनों तथा विलासमय वस्तुओं से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

गण फलादेश

Mr.tanishq chauhan

आपका जन्म राक्षसगण में हुआ है अतः आपकी प्रकृति कभी कभी अधिक बातें बोलने की होगी। आपके हृदय में करूणा का भाव रहेगा। छोटी छोटी बातों पर शीघ्र उत्तेजित होना तथा क्रोधित होना आपकी प्रवृति होगी। साथ ही अपने कार्य की सिद्धि के लिए किसी भी कार्य करने को तैयार रहेंगे बाद में चाहे उसका परिणाम कुछ भी क्यों न हो। बल का आप में अभाव नहीं रहेगा अर्थात् शक्तिशाली होंगे। बात बात पर प्रत्येक से वाद विवाद करना आपकी आदत होगी तथा बात बात पर लोगों से उलझना एवं बेतुके तर्क प्रस्तुत करने से अधिकांश लोगों का आपस में विरोध तथा शत्रुता का भाव रहेगा। अतः अन्य जनों से आप विन्रमता पूर्वक वार्तालाप करें तथा मधुर संबंध रखने के लिए यत्नशील रहें।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

आप उन्माद प्रमेह रोग से भी ग्रस्त हो सकते हैं। देखने में चेहरा भी सामान्य सुन्दर होगा लेकिन वाणी अत्यन्त ही कटु होगी। जो सुनने में अच्छी नहीं लगेगी। अतः अपनी वाणी में मधुरता का समावेश करें तथा यत्नपूर्वक इसी का अपने सम्भाषण में उपयोग करें।

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदाकलहप्रियः।
पुरूषोदुस्सहब्रूते प्रमेही राक्षणे गणे।।
मानसागरी

Miss. Rishika Songara

राक्षस गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी प्रवृति कभी कभी अधिक बोलने की रहेगी। आप के मन में दया एवं करूणा की भी न्यूनता रहेगी परन्तु साहसी प्रवृति होने के कारण अपने अधिकांश कार्यो को साहस पूर्वक सम्पन्न करेंगी। आप शीघ्र ही क्रोधित होने वाली भी रहेंगी। आपकी प्रवृति अन्य जनों से विवाद आदि करने की भी होगी तथा शारीरिक बल का भी आप में अभाव नहीं रहेगा।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

जीवन में आप कभी कभी प्रमेह ओर उन्माद रोग से दुःखानुभूति भी कर सकती हैं। आपका शारीरिक सौन्दर्य का आकर्षण भी मध्यम ही रहेगा। इसके साथ ही आप कई बार कठोर शब्दों का भी उपयोग करेंगी अतः श्रोता एवं अन्य जन आपसे अप्रसन्न ही रहेंगे। अतः यत्नपूर्वक अपने वार्तालाप में मधुर शब्दों का प्रयोग करें।

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदाकलहप्रियः।
पुरुषोदुस्सहब्रूते प्रमेही राक्षणे गणे।।
मानसागरी

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

योनी फलादेश

Mr.tanishq chauhan

मेष योनि में जन्म लेने के कारण आप उत्साह से सम्पन्न होंगे। जो भी कार्य करेंगे सोत्साह उसे पूर्ण करेंगे। आपका प्रभाव प्रत्येक आदमी स्वीकार करेगा तथा युद्ध विद्या में भी आप निपुण होंगे। अपने सम्पूर्ण जीवन में आप धन ऐश्वर्य एवं वैभव तथा अन्य भौतिक सुखों का पूर्णरूप से उपभोग करेंगे। आपके अन्तर्मन में परोपकार की पवित्र भावना निहित होगी तथा आजीवन आप दूसरे की भलाई के लिए यथाशक्ति प्रयास करते रहेंगे।

महोत्साही महायोद्धा विक्रमीविभवेश्वरः।
नित्य परोपकारी च मेषयोनौ भवेन्नरः।
मानसागरी

Miss. Rishika Songara

सिंह योनि में उत्पन्न होने के कारण आप धार्मिक वृति की महिला होंगी तथा धर्म का निष्ठा तथा श्रद्धापूर्वक अनुपालन करेंगी। साथ ही अच्छे कार्यों के करने में भी आपकी नित्य रूचि रहेगी एवं परिश्रम तथा यत्नपूर्वक इनको करने में तत्पर रहेंगी। आपके सद्गुणों से अन्य सामाजिक जन भी लाभ उठाएंगे तथा आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। आप नाना प्रकार के सद्गुणों से सुशोभित रहेंगी तथा यत्पूर्वक इनका जीवन में अनुपालन करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त कुल या परिवार की उन्नति एवं समृद्धि के लिए आप सर्वदा उद्यत रहेंगी एवं इस कार्य में आशातीत रूप से सफलता भी अर्जित करेंगी।

स्वधर्मे तु सदाचारसत्क्रियासद्गुणान्वितः।
कुटुम्बस्य समुद्धर्ता सिंहयोनिभवो नरः।।
मानसागरी

Mr.tanishq chauhan

नवमभाव में सूर्य होतो जातक साहसी, ज्योतिषी, नेता सदाचारी, तपस्वीयोगी, वाहनसुख, भृत्यसुख एवं पिता के लिए अशुभ होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

Miss. Rishika Songara

तृतीय भाव में सूर्य हो तो जातक, सरकार से सम्मान प्राप्त, कवि, भाई और सम्बन्धियों के कारण दुःखी, पराक्रमी, प्रतापशाली, लब्धप्रतिष्ठ एवं बलवान् होता है।

वृष राशि में रवि हो तो जातक शान्त, व्यवहार कुशल, पाप भीरु, स्वाभिमानी मुखरोगी एवं स्त्रीद्वेषी होता है।

आपके जन्मकाल में सूर्य तृतीय भाव में हैं अतः आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा एवं शारीरिक अस्वस्थता अल्प मात्रा में ही रहेगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह का भाव रहेगा तथा जीवन में शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको अपना पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। आपके शक्ति साहस एवं पराक्रम में वृद्धि करने के लिए वे नित्य आपको प्रोत्साहित करते रहेंगे। धन सम्पत्ति का भी उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही वांछित आर्थिक सहायता भी आप उनसे प्राप्त करती रहेंगी।

आपके हृदय में भी उनके प्रति सम्मान का भाव रहेगा तथा अवसरानुकूल आप उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। आपके परस्पर संबंध अच्छे रहेंगे परन्तु कभी कभी मतभेद के कारण संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा। इसके साथ ही जीवन में पूर्ण रूप से उनकी सेवा तथा सहयोग करना आप अपना कर्तव्य समझेंगी एवं

सुख दुःख में उनका पूर्ण साथ देंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

द्वितीयभाव में चन्द्रमा हो तो जातक परदेशवासी, भोगी, सुन्दर मधुरभाषी, भाग्यवान्, सहनशील एवं शान्तिप्रिय होता है।

वृष राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सुन्दर प्रसन्नचित्तवाला, कामी, दान करने वाला, अधिक कन्या सन्तति वाला, शान्त, कफरोगी, सुखी, कुशा बुद्धिवाला, सुगठित शरीरवाला, धनी, सन्तोषी, चंचलमन, परलिंगी के प्रति आकर्षण, खाने-पीने का शौकीन एवं लोकप्रिय होता है।

आपके जन्भ काल में चन्द्रमा द्वितीय भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं कोई विशेष शारीरिक रूग्णता नहीं रहेगी। वे आपको हमेशा धनार्जन एवं विद्याध्ययन संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आपकी पारिवारिक उन्नति एवं पालन करने में भी उनकी मुख्य भूमिका रहेगी यदा कदा वे आपको नैतिक शिक्षा भी देंगी तथा आपके प्रति उनके हृदय में पूर्ण वात्सल्य का भाव रहेगा। इसके साथ ही जीवन में कई महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि आप उनके सहयोग से ही करेंगे।

आप की भी माता के प्रति हादिक श्रद्धा रहेगी एवं उनकी आज्ञा पालन करने में आप गौरव की अनुभूति करेंगे। साथ ही जीवन में सर्वप्रकार से उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा समयानुसार उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते रहेंगे। अतः आपकी परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं जीवन में एक दूसरें की सहायता एवं सहयोग का आदान प्रदान करके सुखानुभूति करेंगे।

Miss. Rishika Songara

बारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक मृदुभाषी, चिन्ताशील, एकात्तप्रिय, कोधी, कफरोगी, चंचल, नेत्ररोगी एवं अधिक व्यय करने वाला होता है।,

कुम्भ राशि में चन्द्रमा हो तो जातक, उन्मत, सूक्ष्मदेही, शिल्पी, नीति दक्ष, दूरदर्शी, विद्वान्, गुप्तविद्याओं में रुचि, अच्छा अन्तर्ज्ञान, साधना करने वाला, धार्मिक प्रवृत्ति वाला एवं मध्यावस्था में संन्यास के प्रति झुकाव होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा द्वादश भाव में है। अतः आपकी माता का शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति करती रहेंगी। आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य का भाव भी विद्यमान रहेगा। साथ ही जीवन के सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको सहयोग तथा निर्देश देती रहेंगी। दान पुण्य संबंधी कार्य में भी आप उन्हीं का अनुसरण करेंगी।

आपका भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं प्रायः उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी परन्तु आपके परस्पर संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा यदा कदा किसी न किसी बात पर विवाद होता रहेगा परन्तु ये सामान्य मतभेद स्वतः समाप्त हो जाएंगे एवं

सामान्य संबंध बने रहेंगे। समय ही उन्हें हमेशा अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

कन्या राशि में मंगल हो तो जातक सुखी, शिल्पज्ञ, पापभीरु, लोकमान्य एवं व्यवहार कुशल होता है।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

Miss. Rishika Songara

तृतीयभाव में मंगल हो तो जातक कटुभाष, भ्रतृकष्टकारक, प्रदीप्त जठराग्निवाला, बलवान्, बन्धुहीन, सर्वगुणी, साहसी, धैर्यवान् प्रसिद्ध एवं शूरवीर होता है।

वृष राशि में मंगल हो तो जातक अत्यन्त कामुक, अनैतिक आचरण, पुत्रद्वेषी, प्रवासी, सुखहीन, लड़ाकू प्रकृति, वंचक, सिद्धान्त रहित, स्वार्थी एवं क्रूर होता है।

आपके जन्म के समय में मंगल की स्थिति तृतीय भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा शक्त, साहस एवं पराक्रम का भाव उनमें विद्यमान रहेगा। साथ ही यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की भी उनको अनुभूति होगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में समस्त शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य क्षेत्र में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख के समय में भी आप उनसे पूर्ण सहायता प्राप्त करेंगी।

आप भी उनके प्रति हमेशा स्नेह का भाव रखेंगी एवं उनकी अवसरानुकूल सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण इसमें तनिक कटुता या तनाव भी आयेगा लेकिन कुछ समय के उपरान्त सब

कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप उनके सुख दुःख की सहयोगी रहेंगी एवं यथाशक्ति उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग देती रहेंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

अष्टमभाव में बुध हो तो जातक दीर्घायु, अभिमानी, राजमान्य, कृषक, लब्धप्रतिष्ठ, मानसिक दुखी, कवि, वक्ता, न्यायाधीश, मनस्वी, धनवान् एवं धर्मात्मा होता है।

वृश्चिक राशि में बुध हो तो जातक व्यसनी, दुराचारी, मुर्ख, ऋणी भिक्षुक, अनैतिक चरित्र, रतिक्रिया की अति करने वाला, गुप्तांगों के रोगों से पीड़ित, स्वार्थी एवं अपशब्द बोलने वाला होता है।

Miss. Rishika Songara

तृतीयभाव में बुध हो तो जातक सद्गुणी, कार्यदक्ष, परिश्रमी, मित्रप्रेमी, भीरू, धर्मात्मा, यात्राशील, व्यवसायी, चंचल, अल्पभ्रातृवान्, विलासी, सन्ततिवान्, कवि, सम्पादक, सामुद्रिकशास्त्र का ज्ञाता एवं लेखक होता है।

वृष राशि में बुध हो तो जातक कुशाबुद्धिवाला, उच्चपद पर आसीन, सुगठित शरीर, दिखावा पसन्द करने वाला, शास्त्रज्ञ, व्यायामप्रिय, धनवान्, गम्भीर, मधुरभाषी, विलासी एवं रतिशास्त्रज्ञ होता है।

Mr.tanishq chauhan

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

कुम्भ राशि में गुरु होतो जातक विद्वान परन्तु धनहीन, लोकप्रिय, मिलनसार, स्वप्नों के जगत में विचार करने वाला डरपोक प्रवासी, कपटी एवं रोगी होता है।

Miss. Rishika Songara

द्वितीयभाव में गुरु हो तो जातक मधुरभाषी, सम्पत्ति और सन्ततिवान्, सुन्दरशरीर, सदाचारी, पुण्यात्मा, सुकार्यरत, लोकमान्य, राज्यमान्य, व्यवसायी, दीर्घायु, शत्रुनाशक एवं भाग्यवान् होता है।

मेष राशि में गुरु हो तो जातक ऐश्वर्यशाली, तेजस्वी, वकील, वादी, प्रसिद्ध, कीर्तिमान, विजयी, उस्वभाव, धनी, विद्वान, प्रचुर सन्तान, उदार, नम्रभाषी परन्तु अपने आपको दूसरों से उच्च समझने वाला, सुखी विवाहित जीवन एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

Mr.tanishq chauhan

नवम भाव में शुक्र हो तो जातक धर्मात्मा, राजप्रिय, पवित्रतीर्थ यात्राओं का कर्ता, दयालु, प्रेमी, गृहसुखी, गुणी, चतुर एवं आस्तिक होता है।

धनु राशि में शुक्र हो तो जातक धनी, बलशाली, स्वोपार्जित द्रव्य द्वारा पुण्य करने वाला, विद्वान, सुन्दर, लोकमान्य, राज्यमान्य, सुखी घरेलू जीवन, उच्चपद की प्राप्ति एवं प्रभावशाली होता है।

Miss. Rishika Songara

तृतीय भाव में शुक्र हो तो जातक विद्वान्, कलाकार, आलसी, कृपण, धनी, सुखी, पराक्रमी, भाग्यवान्, बहने भाईयों से अधिक एवं पर्यटनशील होता है।

वृष राशि में शुक्र हो तो जातक सुन्दर, ऐश्वर्यवान्, दानी, सदाचारी, सात्त्विक, परोपकारी, अनेक शास्त्रज्ञ, दृढ़, स्वतन्त्रकामुक, शौकीन तबीयत, संगीत-नृत्य तथा अन्य कलाओं में रुचि एवं आलसी होता है।

ग्रह फल – शनि

Mr.tanishq chauhan

लग्न (प्रथम) में शनि मकर, कुम्भ तथा तुला का हो तो धनाढ्य, सुखी, धनु और मीन राशियों में हो तो अत्यन्त धनवान् और सम्मानित एवं अन्य राशियों का हो तो अशुभ होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

Miss. Rishika Songara

द्वितीय भाव में शनि हो तो जातक कटुभाषी, साधुद्वेषी, मुखरोगी, और कुम्भ या तुला का शनि हो तो धनी, लाभवान् एवं कुटुम्ब तथा भ्रातृवियोगी होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

ग्रह फल – राहु

Mr.tanishq chauhan

चतुर्थभाव में राहु हो तो जातक असन्तोषी, दुखी, अल्पभाषी, मिथ्याचारी, उदरव्याधियुक्त, कपटी, मातृक्लेशयुक्त एवं क्रूर होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

Miss. Rishika Songara

पंचम भाव में राहु हो तो जातक शास्त्रप्रिय, कार्यकर्ता, भाग्यवान्, उदररोगी, मतिमन्द, कुल धननाशक, धनहीन, नीतिदक्ष एवं सन्तान के लिए अशुभ होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

ग्रह फल – केतु

Mr.tanishq chauhan

दशम भाव में केतु हो तो जातक अभिमानी, परिश्रमशील मूर्ख, पितृद्वेषी, दुर्भागी, संन्यास लेना एवं योगी होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

Miss. Rishika Songara

ग्यारहवें भाव में केतु हो तो जातक बुद्धिहीन, निजका हानिकर्त्ता, अरिष्टनाशक एवं वातरोगी होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में लग्न में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। सामान्यतया मेष लग्न में उत्पन्न जातक साहसी पराक्रमी तेजस्वी तथा परिश्रमी होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में वांछित मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। ये अत्याधिक सक्रिय एवं क्रियाशील होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में इच्छित उन्नति प्राप्त करते है।

अतः इस लग्न के प्रभाव से आप साहसी परिश्रमी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम एवं निर्भयता से सम्पन्न करेंगे। आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा स्वपरिश्रम तथा योग्यता से जीवन में मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे।

आपके स्वभाव में प्रारंभ से ही तेजस्विता का भाव विद्यमान रहेगा फलतः यदा कदा आप अनावश्यक क्रोध एवं चंचलता का प्रदर्शन करेंगे। जीवन में आपको जन्म भूमि के अतिरिक्त अन्य स्थान में सफलता एवं उन्नति प्राप्त होगी तथा वहीं आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही सांसारिक सुखोपभोग के साधनों को भी आप परिश्रम पूर्वक अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे।

लग्न में शनि की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा समय समय पर मानसिक व्याकुलता भी बनी रहेगी। यद्यपि आपको जीवन में काफी समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा परन्तु अपने परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प शक्ति के द्वारा आप इनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ होंगे। आपकी प्रवृति में उदारता तथा सहिष्णुता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों को आप अपना सहयोग प्रदान करेंगे। जिससे आपके प्रति लोगों के मन में आदर का भाव उत्पन्न होगा।

आपके सांसारिक कार्य यद्यपि विलम्ब से सिद्ध होंगे परन्तु गौरव एवं सम्मान बना रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपको परिश्रम से उन्नति प्राप्त होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य भी समय समय पर मान सम्मान मिलता रहेगा। आपको अपनी प्रवृति का अन्य जनों के समक्ष सादगी पूर्ण प्रदर्शन करना चाहिए तथा इसमें अनावश्यक दिखावे का समावेश नहीं होना चाहिए। इस प्रकार से जीवन में आपको इच्छित सुखैश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति होगी।

इस प्रकार आप एक परिश्रमी, तेजस्वी, कार्य निकालने में चतुर परन्तु मन्द गति से कार्य करने वाले होंगे तथा जीवन में आवश्यक सुखों का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में लग्न में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी

बृहस्पति है। सामान्यतया मीन लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा सरलता एवं समानता का इनको प्रतीक माना जाता है। इनके मुख मंडल पर सौम्यता की छाप हमेशा विद्यमान रहती है। ये विद्वान एवं बुद्धिमान होते हैं तथा नवीन विचारों का सृजन करने में समर्थ रहते हैं। इनके विचारों से सामाजिक लोग प्रभावित तथा आकर्षित रहते हैं। भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने की इनकी प्रबल इच्छा रहती है तथा इससे इन्हें प्रसन्नता की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य से ये युक्त रहते हैं एवं विभिन्न स्रोतों से धनार्जन करने आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहते हैं। साथ ही चिन्तन एवं मननशीलता का भाव भी इनमें रहता है।

प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन करके इनको शांति एवं सन्तुष्टि की प्राप्ति होती है। प्रेम के क्षेत्र में ये सरल एवं भावुक रहते हैं परन्तु व्यवहार कुशल होते हैं। अतः सांसारिक कार्यों में उचित सफलता अर्जित करके अपने उन्नति मार्ग प्रशस्त करने में सफल रहते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्तुओं के उत्पादन आदि में इनकी रूचि रहती है तथा इस क्षेत्र में इनका प्रमुख योगदान रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं बलवान रहेंगी तथा व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे अन्य जन आपसे प्रभावित होंगे। आपकी बुद्धि अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी अतः विभिन्न शास्त्रीय विषयों का ज्ञानार्जन करके आप एक विदुषी के रूप में समाज में अपनी प्रतिष्ठा एवं आदर बढ़ाने में समर्थ होंगी। एक विचारक के रूप में भी आप सम्मानीया होंगी। यद्यपि ब्रह्मादि के विषय में चिन्तनशील रहेंगी परन्तु भौतिकता के प्रति भी आकर्षण रहेगा।

लग्न में लग्नेश बृहस्पति की राशि के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी शांति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। आपका स्वरूप दर्शनीय एवं व्यक्तित्व आकर्षक होगा फलतः अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे। लेखन के प्रति आपके रूचि होगी तथा इस क्षेत्र में आप आदर एवं प्रतिष्ठा भी अर्जित कर सकती हैं। अभिमान के भाव की आप में अल्पता होगी तथा सबके साथ विनम्रता का व्यवहार करेंगी। आप सरकार या समाज में सम्मान प्राप्त करने में सफल होंगी। आप में दयालुता का भाव भी विद्यमान होगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों की सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर होंगी। इसके अतिरिक्त साहित्य एवं कला के प्रति भी आपकी अभिरूचि रहेगी।

पिता के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव होगा तथा उनकी सेवा करने में तत्पर होंगी। बाल्यावस्था में आपको संघर्ष करना पड़ेगा परन्तु युवावस्था के बाद आप सुखैश्वर्य एवं धन वैभव तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख एवं शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। पुत्र संतति से आप युक्त रहेंगी तथा इनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा होगी तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगी। इससे आपको आत्मिक शांति की प्राप्ति होगी। साथ ही बन्धु एवं मित्र वर्ग में भी आप प्रिय एवं आदरणीय होंगी तथा इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। इस प्रकार आप धनैश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगी।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त सांसारिक सुखों तथा धनऐश्वर्य का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे साथ ही किसी संबंधी की सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त कर सकते है क्योंकि अपने नजदीक के संबंधियों के प्रति आपके मन में हमेशा सद्भावना रहेगी तथा सुख दुख में आप उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। बागवानी के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा समय समय पर आप इस रूचि का प्रदर्शन करते रहेंगे।

आपका पारिवारिक सुख उत्तम रहेगा तथा शान्ति एवं आनन्द पूर्वक परिवार के मध्य आपका समय व्यतीत होगा। सामाजिक जनों के मध्य भी आप एक सम्माननीय पुरूष रहेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप स्वभाव से उदार तथा भावुक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा मिष्ठान भक्षण के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। साथ ही अपने सम्भाषण में हमेशा मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन तथा बहुमूल्य रत्नों को भी आप जीवन में प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप भावनात्मक रूप से परिवार से जुड़ी रहेंगी तथा उनके प्रति पूर्ण चिन्तित रहेंगी। साथ ही उनकी खुशहाली एवं प्रसन्नता के लिए यत्न पूर्वक सुख साधनों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगी परन्तु अपनी कोई व्यक्तिगत इच्छा को पारिवारिक सुख से श्रेष्ठ समझेंगी तथा अवसरानुकूल पहले अपनी ही इच्छा पूर्ण करेंगी। घर की सुन्दरता एवं आकर्षण के प्रति आपकी रूचि रहेगी तथा यत्न पूर्वक इसके लिए रूचिशील रहेंगी। आपका व्यक्तिव भी आकर्षक रहेगा तथा मित्र वर्ग भी गुणवान एवं शिक्षित रहेगा ।

आप विभिन्न प्रकार के स्वादों के आस्वादन करने की इच्छुक रहेंगी परन्तु नमकीन एवं मिष्ठान विशेष प्रिय रहेंगे तथा सामान्यतया स्वादिष्ट भोजन करना ही पसंद करेंगी। धन के प्रति आपके मन में पूर्ण लालसा रहेगी तथा परिश्रम एवं यत्नपूर्वक धनार्जन में तत्पर रहेंगी। साथ ही बहुमूल्य रत्न एवं आभूषणों से भी युक्त रहेंगी। आपकी वाणी में सामान्यतया ओजस्विता का भाव रहेगा लेकिन मधुरता में न्यूनता रहेगी। आप समय समय पर घर में धार्मिक कार्य कलापों या उत्सवों आदि का आयोजन करेंगी। साथ ही अन्यत्र आमंत्रित उत्सवों में भी अवश्य शामिल होंगी इसके अतिरिक्त नीति की आप ज्ञाता होंगी तथा घर वाहन तथा पुत्रों से युक्त होकर अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगी।

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी वस्तु को एक बार देखकर या सुनकर आप चिरकाल तक उसे नहीं भूलेंगे। साथ ही आप शीघ्र ही किसी कार्य प्रणाली को हृदयगम कर सकते है। आप उच्च शिक्षा, नीति, शास्त्र आदि में सफलता प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा लेखन आदि क्षेत्र में भी ख्याति प्राप्त कर सकते है। आपके भाई बहिनों से मधुर संबंध रहेंगे तथा उनको सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

आप एक बुद्धिजीवी प्राणी होंगे तथा शारीरिक बल की अपेक्षा बौद्धिक कार्य ही अधिक सम्पन्न करेंगे। अतः समाज में एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में आपकी पहचान बनी रहेगी। आप एक बहादुर एवं साहसी पुरूष होंगे तथा कलम की ताकत भी आपके पास रहेगी। अतः किसी उच्च अधिकारी या नेता के विरूद्ध आप साहस पूर्वक कुछ भी लिख सकते है। आप एक स्पष्टवादी पुरूष होंगे तथा स्पष्ट रूप से अपनी राय अन्य जनों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। संचार के सभी साधनों से आप युक्त रहेंगे तथा सूचना केन्द्रों में आप कार्यरत भी हो सकते है। जैसे डाकखाना, दूर भाष केंद्र , दूर संचार विभाग। आप संगीत प्रिय होंगे तथा वाद्य यंत्रों के उपयोग से आपको आनन्द प्राप्त होगा। समीपस्थ यात्राओं से आपको लाभ होगा तथा ऐसी यात्राओं से आपको महत्वपूर्ण स्मृतियां भी प्राप्त हो सकती हैं। कला के क्षेत्र में भी आपकी इच्छा रहेगी परन्तु समाचार पत्र के संपादक या संवाद दाता के रूप में कार्य करना आपके लिए अधिक लाभदायक रहेगा। इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि से युक्त रहेंगे तथा पत्नी के प्रति आपके मन में निश्चल प्रेमभावना रहेगी। साथ ही हृदय में उदारता रहेगी एवं सत्य का आप पालन करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने कुल में प्रधान रहेंगे तथा सज्जन लोगों से सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आप सतर्क सक्रिय तथा वौद्धिक प्रवृति की महिला होंगी। साथ ही स्मरण शक्ति भी उत्तम रहेगी तथा किसी भी विषय या वस्तु को आसानी से सीखने या याद रखने में समर्थ रहेंगी। भाई बहिनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा वे भी पूर्ण साहसी पराक्रमी तथा बुद्धिमान रहेंगे तथा आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। वे महत्वाकांक्षी भी होंगे तथा आपके पूर्ण विश्वास पात्र तथा आज्ञाकारी रहेंगे। पारिवारिक शान्ति तथा परस्पर सौहार्दता के भाव को रखने के लिए आप एक दूसरे की कमियों तथा गलतियों की उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में तनाव तथा मतभेद समाप्त होंगे।

आप नेतृत्व के गुणों से सम्पन्न रहेंगी तथा अन्य सभी लोग आपकी संगठन शक्ति

से प्रभावित रहेंगे तथा आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आप स्वच्छन्द प्रवृति की महिला होंगी। साथ ही दार्शनिक स्वभाव ईमानदारी तथा स्पष्टवादिता का गुण आप में विद्यमान रहेगे। अतः इनके प्रभाव से उन्नति के मार्ग पर सदैव अग्रसर रहेंगी। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, टेलीविजन वाहन तथा अन्य उपकरणों से आप युक्त रहेंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। संगीत साहित्य एवं कला के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा अवसरानुकूल इस पर अपना समय व्यतीत करेंगी। जीवन में दूर समीप की यात्राओं आदि से भी आपको लाभ एवं ख्याति प्राप्त होगी तथा यात्रा के मध्य मित्र भी बनेंगे। ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के अध्ययन में भी आप रूचिशील रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप उच्चाधिकारी वर्ग की मित्र, आतिथ्य सत्कार करने वाली, दानी, यशस्वी तथा सद्विचारों से हमेशा युक्त रहेंगी।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा राहु भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में सुख संसाधनों से आप युक्त होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से इन्हें अर्जित करेंगे। यद्यपि इनको अर्जित करने में आपको कई बार समस्याओं एवं परेशानियों का भी सामना करना पड सकता है एवं इनकी प्राप्ति में विलम्ब भी हो सकता है क्योंकि सुख भाव में राहु लग्नेश की राशि में स्थिति है। अतः आधुनिक भौतिक सुख साधनों एवं ऐश्वर्य का आप अवश्य उपभोग करेंगे भले ही इसमें आपको विलम्ब का सामना करना पड़े।

राहु की स्थिति चन्द्रमा की राशि में चतुर्थ भाव में होने के कारण जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे परंतु इसमें न्यूनाधिक विलम्ब की संभावना होगी। लेकिन आप परिश्रमी व्यक्ति है। अतः स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे। लेकिन आपको विवादित सम्पत्ति से हमेशा दूर ही रहना चाहिए क्योंकि इसके क्रय-विक्रय से आपका ऐसी सम्पत्ति से संबंधित होने पर अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

जीवन में आपका अपने घर विलम्ब से ही होगा परंतु सुख सामान्यता अच्छा रहेगा तथा अच्छे मकान में निवास करेगे चाहे वह किराये का ही क्यों न हो। आप किसी धनाढ्य क्षेत्र में मकान को निर्माण करेंगे तथा आपके पडोसी या कालोनी के लोग धनाढ्य एवं शिक्षित होंगे लेकिन आपसी संबंधों में औपचारिकता का भाव ही अधिक होगा। साथ ही वाहन सुख भी अवसरानुकूल प्राप्त होगा।

आपकी माता जी तेजस्वी स्वभाव की शिक्षित महिला होंगी तथा आधुनिक एवं पाश्चात्य संस्कृति की पक्षधर होंगी। पारिवारिक जनों के प्रति उनका दृष्टिकोण अनुकूल होगा तथा अपना नियंत्रण रखेगी। आपके प्रति भी उनका वात्सल्य पूर्ण दृष्टिकोण होगा एवं उनसे नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव रखेंगे तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे परंतु आप दोनो के मध्य वैचारिक भिन्नता रहेगी जिससे यदा कदा संबंधो में मधुरता में कमी आएगी। अतः ऐसी स्थिति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

शिक्षा के क्षेत्र में परीक्षाएं आप परिश्रम से ही उतीर्ण करेंगे तथापि प्रारंभिक कक्षाओं में आपको अच्छी सफलता मिलेगी लेकिन अन्य कक्षाओं में प्रतिशत अंकमें कमी आ सकती है जिससे स्नातक परीक्षा आप अत्यधिक परिश्रम से उतीर्ण करेंगे लेकिन तकनीकी शिक्षा आपके लिए लाभदायक होगी। अतः स्नातक की अपेक्षा यदि आप तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ही अध्ययन करें तो आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा आपका परिश्रम भी रंग लाएगा एवं मानसिक असंतुष्टि से भी सुरक्षित होंगे।

चतुर्थभाव मनुष्य की कुंडली में हृदय का स्थान माना गया है। इस भाव में नैसर्गिक पाप ग्रह राहु की स्थिति के प्रभाव से आयु में वृद्धि के साथ साथ आपको हृदय संबंधी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही रक्त चाप की भी संभावना है। अतः युवावस्था से ही आपको खान पान पर नियंत्रण रखना चाहिए जिससे भविष्य में आपको अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में चतुर्थभाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी तथा आधुनिक एवं भौतिक उपकरणों से भी युक्त रहेंगी तथा आनन्दपूर्वक इसका उपभोग करेंगी। आप एक वैभव तथा ऐश्वर्यशाली महिला होंगी तथा समाज में आपका उच्च स्तर बना रहेगा।

आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को प्राप्त करेंगी। आपको किसी श्रेष्ठ एवं वृद्ध व्यक्ति की भी चल अथवा अचल सम्पत्ति मिलेगी। इससे आपके ऐश्वर्य एवं वैभव में वृद्धि होगी तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। आप अपनी योग्यता एवं बुद्धिमता से भी धन एवं सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगी। इसके अतिरिक्त आपको अचल की अपेक्षा चल सम्पत्ति से विशेष लाभ होगा। अतः वांछित लाभ अर्जित करने के लिए आप चल सम्पत्ति पर निवेश कर सकती हैं।

जीवन में आपको उत्तम आवास की प्राप्ति होगी। आपका घर विशाल, सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से परिपूर्ण होगा। यह भौतिक उपकरणों से भी सुसज्जित रहेगा। घर की सुन्दरता का आप विशेष ध्यान रखेंगी तथा अन्य जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसियों से संबंधों में मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तमवाहन से भी आप युक्त होंगी तथा सुखपूर्वक इसका उपभोग करेंगी।

आपकी माताजी सुन्दर, सुशील, बुद्धिमान एवं शिक्षित महिला होंगी तथा उनका स्वभाव भी सरल होगा। कर्तव्यपरायणता का भाव भी उनमें विद्यमान होगा तथा अपनी व्यवहार कुशलता से वे परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि करेंगी। सभी पारिवारिक जन उनको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करेंगी। आपकी चहुंमुखी उन्नति में उनका प्रमुख योगदान होगा। आप भी उनके प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रखेंगी तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। इस प्रकार आप एक दूसरे के पूर्ण शुभचिन्तक होंगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी पूर्ण रूचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक प्राप्त करके सफलताएं अर्जित करेंगी। आप स्नातक परीक्षा अच्छे अंको से उतीर्ण करेंगी। इससे आपके उज्ज्वल भविष्य के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा मन में आत्मविश्वास के भाव में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में

उच्चशिक्षा या डिग्री भी अर्जित कर सकती है।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी बुद्धिमता से समस्त सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इससे आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर तो होंगे ही साथ ही सामाजिक जनो में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा वे आपकी बुद्धिमता का आदर करेंगे। आपकी बुद्धि व्यावहारिक होगी तथा शीघ्र एवं व्यावहारिक रूप से किसी भी समस्या का समाधान करने में समर्थ होंगे। वैदिक शास्त्रों एवं साहित्य में आपकी रूचि कम होगी परंतु आधुनिक शास्त्रों के प्रति विशेष लगाव होगा तथा इसके ज्ञानार्जन में तत्पर होंगे जिससे आपकी विद्वता समाज में दूर दूर तक व्याप्त होगी।

पंचमभाव में सिंह राशि के प्रभाव से आप एक व्यावहारिक व्यक्ति होंगे तथा भावुकता के भाव की आप में न्यूनता होगी। प्रेम प्रसंगों में आपकी विशेष रूचि कम ही होगी तथापि यदि कोई प्रसंग चला भी तो इसमें आप आदर्शवादिता एवं मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखेंगे क्यों कि आप स्वाभिमानी एवं आदर्शवादी व्यक्ति है। इससे आपका प्रेम प्रसंग विवाह में भी परिवर्तित हो सकता है लेकिन प्रेम में भावुकता को कोई स्थान नहीं देंगे।

जीवन में आपको सन्तति का सुख अवश्य प्राप्त होगा तथा पुत्र की भी विलंब से परंतु निश्चित प्राप्ति होगी। आपकी संतति संख्या अल्प ही होगी तथा सभी योग्य कुशल परिश्रमी एवं बुद्धिमान होंगे। माता की अपेक्षा पिता से बच्चों का अधिक लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए पिता पर अधिक निर्भर होंगे तथापि दोंनो को पूर्ण सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता पिता की अवश्य सलाह लेंगे। अतः बच्चों से आप सुखी एवं संतुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अध्ययन के प्रति बच्चों की प्रारंभ से ही रूचि होगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में वे वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। वे तेजस्वी बुद्धिमान एवं व्यावहारिक होंगे तथा अन्य सामाजिक जनों, समीपरस्थ संबंधियों एवं मित्रवर्ग के मध्य अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे जिससे वे सबके स्नेह एवं आदर के पात्र होंगे। बच्चों के इनगुणों से आप भी अभिभूत होंगे तथा स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा राहु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप चंचल बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा इसी प्रवृति से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। आप में शीघ्र एवं

सटीक निर्णय लेने की क्षमता भी अल्प मात्रा में ही होगी जिससे जीवन में उपलब्ध सुअवसरों का लाभ उठाने में समर्थ होंगी तथापि सफलता अर्जित करने के लिए आप परिश्रम पूर्वक तत्पर रहेंगी। वैदिक साहित्य एवं दर्शन के प्रति आपकी रुचि कम ही होगी परन्तु आधुनिक विज्ञान, इतिहास एवं कला में आप विशेष रुचिशील होंगी तथा इनके ज्ञानार्जन में तत्पर रहेंगी। आपकी पाश्चात्य साहित्य एवं भाषाओं के प्रति पूर्ण रुचि होगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करके समाज में एक विदुषी के रूप में अपनी छवि स्थापित करने में समर्थ होंगी।

पंचमभाव में राहु की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में भी आप काफी रुचिशील होंगी तथा एक से अधिक प्रसंग आपके एक साथ चल सकते है। ऐसे प्रसंगों से आपको मानसिक सन्तुष्टि की प्राप्ति होगी तथापि न्यूनाधिक रूप से भावनात्मक लगाव भी होगा लेकिन इस क्षेत्र में आपको मर्यादा एवं नैतिकता का यत्न पूर्वक पालन करना चाहिए अन्यथा आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशीनयों का सामना करना पड़ेगा तथा सामाजिक छवि भी प्रभावित होगी। अतः ऐसी स्थितियों की उपेक्षा ही करें।

संतति भाव में राहु के प्रभाव से आपको संतति प्राप्ति में विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन संतति अवश्य होगी। आपकी संतति तेजस्वी, पराक्रमी, परिश्रमी एवं व्यवहारिक होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में सम्मान आदर एवं श्रद्धा का भाव होगा तथा स्वच्छन्द प्रवृति के होने के कारण महत्वपूर्ण कार्य-कलापों को अपनी ही बुद्धि एवं मर्जी से सम्पन्न करेंगे। इसी परिपेक्ष्य में वे माता-पिता की आज्ञा का उल्लंधन भी कर सकते है लेकिन इसकी आपको चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा उन्हं स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देना चाहिए। इससे आपके परस्पर सदभाव एवं विश्वास में वृद्धि होगी। लेकिन वृद्धावस्था में संतति से अपेक्षा कम ही रखनी चाहिए तथा यथोचित मात्रा में धन संचय करके रखना चाहिए जिससे वृद्धावस्था में होने वाली समस्याओं से छुटकारा मिलेगा तथा आपका समय सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

विद्याध्ययन के क्षेत्र में आपकी संतति की उन्नति सामान्य सन्तोष प्रद होगी तथा परिश्रम पूर्वक ही वे वांछित सफलताएं अर्जित करने में समर्थ होंगी। यद्यपि आप भी उनकी शिक्षा का यथोचित प्रबन्ध करेंगी तथा अपनी ओर से किसी प्रकार की कमी नहीं करेंगी। इसके अतिरिक्त वे उग्र स्वभाव के भी होंगे जिससे समय-समय पर उनका अन्य जनों से विवाद भी होता रहेगा। इससे आपको परेशानी होगी परन्तु अपनी व्यवहार कुशलता से आप स्थिति को सम्भालने में समर्थ होंगी। इस प्रकार आपका संतति सुख मध्यम ही होगा।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी बुध है चूंकि यह भाव रोग का प्रतिनिधित्व करता है। अतः इसके प्रभाव से आप नाक कान तथा गले आदि के कष्ट से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही आप में सहन शक्ति के भाव की भी यदा कदा अल्पता रहेगी एवं चर्म रोगों से आपको परेशानी होगी ।

आपको क्रोध एवं उत्तेजना पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहिए अन्यथा इसके दुष्प्रभाव से आपके मित्रों की संख्या में कमी आएगी तथा विरोधी पक्ष में वृद्धि होगी। साथ ही बन्धु वर्ग तथा अन्य संबन्धी आप के लिए छिपकर षडयंत्र भी कर सकते हैं। सरकार या पड़ोसियों से भी आपको शत्रुता का सामना करना पड़ सकता है। अतः आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें तथा किसी अन्य की अनावश्यक आलोचना न करें एवं सहनशीलता बनाएं रखें। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको जीवन में अनावश्यक शत्रुओं एवं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

आपके लिए धन सम्बन्धी झगड़े या मुकद्दमे अनुकूल नहीं रहेंगे। अतः ऐसे मामलों की यत्न पूर्वक उपेक्षा ही करें। सेवक वर्ग की आपको प्रबल आवश्यकता रहेगी लेकिन इनसे आपको समय समय पर धन एवं अन्य प्रकार से हानि होती रहेगी अतः नौकरों का अत्यधिक सावधानी से चयन करें। साथ ही ऋण आदि लेने की भी आपको उपेक्षा करनी चाहिए यदि आपकी प्रवृत्ति इस ओर रही तो आप काफी समय तक ऋण के भार से दबे रहेंगे। बचपन में मामा तथा मामी से आपको सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त खान पान में तेज मसालों आदि का भी परहेज रखना चाहिए अन्यथा इससे उदर या गुर्दे सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग का आप दमन करेंगे परन्तु स्त्रियों के प्रति आसक्ति में आपका धन व्यय हो सकता है अतः सतर्क रहें।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप रक्त सम्बन्धियों से समय समय पर विरोध का सामना करेंगी साथ ही इनसे आपको अनुकूल सहयोग भी नहीं मिलेगा। आपके उत्कृष्ट कार्यकलापों से उनके मन में ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी। साथ ही उच्च या वरिष्ठ अधिकारियों के विरोध के कारण भी कार्य क्षेत्र में आपको किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है। आपके शत्रु अधिकार प्राप्त व्यक्ति होंगे तथा समाज या सरकार के विभिन्न क्षेत्रों से रहेंगे तथा वे हमेशा आपके मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए कुछ न कुछ अवश्य करते रहेंगे। लेकिन आप अपनी बुद्धिमता, चतुराई शक्ति तथा गुप्त सूत्रों से उनका सामना करने तथा उन्हें प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी। नौकर चाकरों से आप युक्त रहेंगी तथा उनके बिना दैनिक कार्य पूर्ण नहीं होंगे। वे भी अच्छे होंगे तथा आपकी इच्छा से ही समस्त कार्य करेंगे लेकिन यदा कदा वे आपकी गुप्त बातों को

अन्य जनों के समक्ष कह देंगे जिससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता हो सकती है तथा चोरी आदि भी कर सकते हैं। अतः कीमती वस्तुओं को सेवकों से दूर रखनी चाहिए।

आप अपने उच्च स्तर को बनाने के लिए व्ययशील रहेंगी तथा यदा कदा यह व्यय आय से अधिक हो जाएगा अतः ऐसी परिस्थिति में आपको ऋण आदि के भार से दबना पड़ सकता है। अतः ऐसी स्थितियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। मामा मामी से आपको समय समय पर यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही वे पूर्ण रूप से आपकी सहायता करते रहेंगे परन्तु यदा कदा वे स्वार्थवश आपकी विशेष मदद कर सकते है जिससे आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंचेगी। मुकद्दमों आदि में भी आप सामान्यतया धन एवं समय को अधिक मात्रा में बर्बाद करेंगी लेकिन यदि नियमानुसार इन कार्यो को सम्पन्न करेंगी तो मुकद्दमे आदि में आपको लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकती है। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए उचित खान पान का ध्यान रखें तथा गर्म पदार्थों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

परिवार, विवाह एवं साझेदार

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है सामान्यतया तुला राशि चंचल, भ्रमण प्रिय, प्रियवक्ता तथा माता पिता एवं गुरू जनों पर श्रद्धा रखने वाली होती है। यह वायुतत्व राशि है जिससे जातक सौम्य एवं गंभीर स्वभाव का होता है। लेकिन मंगल नैसर्गिक रूप से तेजस्वी पराक्रमी साहसी एवं अग्नितत्व ग्रह है तथा तुला राशि में स्थित होने के कारण जातक की प्रबल कामेच्छा रहती है।

अतः इनके प्रभाव से आपकी पत्नी का स्वभाव सौम्यता के साथ साथ तेजस्वी भी होगा तथा अवसरानुकूल वे इस भाव का प्रदर्शन करेंगी। साथ ही साहस एवं पराक्रम का भाव भी उनमें विद्यमान रहेगा। सांसारिक कार्यो में वह दक्ष होंगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी। पाक शास्त्र के प्रति उनकी विशेष रूचि रहेगी तथा उनके द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजन सबको प्रिय लगेंगे।

आपकी पत्नी लालिमा लिए गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा तुला राशि के प्रभाव से उनके सौंदर्य में प्रबल आकर्षण रहेगा तथा इसमें वृद्धि करने के लिए वह आधुनिक सौंदर्य प्रसाधनों का भी उपयोग करेंगी। साथ ही शारीरिक स्वस्थता एवं अंगों की पुष्टता के लिए वे व्यायाम या यौगिक क्रियाएं भी सम्पन्न करेंगी। अग्नि तत्व ग्रह मंगल के प्रभाव से उनकी शारीरिक संरचना में पतलापन रहेगा परन्तु आकर्षण में कोई कमी नहीं आएगी।

सप्तम भाव में तुला राशि के प्रभाव से आपका विवाह यथा समय सम्पन्न होगा। आपका विवाह विज्ञापन या किसी समीपी संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देंगे। इससे जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह समृद्ध परिवार में होगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनऐश्वर्य से सुसम्पन्न होंगे । तथा समय समय पर उनसे आर्थिक एवं नैतिक सहयोग मिलता रहेगा आपके आपसी संबंधों में विशेष मधुरता रहेगी ।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा एवं सम्मान का भाव होगा तथा बहू के रूप में जितनी सेवा या सुख उन्हें देना चाहिए देंगी जिससे उनसे संबंधों में मधुरता रहेगी साथ ही देवर एवं ननदों से भी मधुर स्वभाव के कारण मैत्री पूर्ण संबंध बनेंगे।

व्यापार या अन्य योजनाओं में साझेदारी की दृष्टि से आप के लिए स्थिति अनुकूल होगी तथा इससे आपको लाभ एवं उन्नति मिलेगी। अतः साझेदारी के कार्यो को आप सम्पन्न कर सकते है।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है सामान्यतया सप्तम भाव में कन्या राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी प्रियवक्ता स्वच्छता प्रिय सौभाग्यशाली एवं विविध कार्यो में दक्ष होता है साथ ही वह शिक्षित विद्वान प्रसिद्ध सांसारिक कार्यो में दक्ष एवं कर्तव्य परायण होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशील स्वभाव के विनम्र एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपने संभाषण हमेशा मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगे साथ ही वह स्वच्छता प्रिय होंगे एवं सफाई के प्रति विशेष सजग होंगे। सांसारिक कार्य कलापों को करने में वह चतुर होंगे। उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी होगा एवं समाज तथा परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

आपके पति सुंदर आकर्षक एवं गौर वर्ण के व्यक्ति होंगे तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर भी पुष्ट एवं बलिष्ठ होगा जिससे उनके सौन्दर्य में वृद्धि होगी तथा शरीर भी आकर्षक रहेगा। लेकिन आयु के साथ साथ उनमें किंचित स्थूलता आ सकती है। साहित्य संगीत एवं कला के प्रति भी उनकी रूचि होगी तथा सुंदर एवं कलात्मक वस्तुओं के संग्रह में तत्पर रहेंगे।

सप्तम भाव में कन्या राशि के प्रभाव से आपका विवाह किसी रिश्तेदार के माध्यम से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में एक दूसरे के प्रति सम्मान आकर्षण एवं प्रेम की भावना होगी। सांसारिक महत्व के कार्यो को आप परस्पर सलाह एवं सहमति से पूर्ण करेंगे जिससे आपस में विश्वास एवं समानता का भाव उत्पन्न होगा। इससे दाम्पत्यों संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी शिक्षित एवं प्रतिष्ठित परिवार में होगा तथा समाज में वे आदरणीय होंगे। विवाह के बाद सास ससुर से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह मिलेगा। साथ ही आप भी उन्हें पूर्ण सम्मान देंगी एवं महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी भी सलाह लेंगी जिससे आपस में विश्वसनीयता बनी रहेगी।

सास ससुर के प्रति आपके पति का हार्दिक सेवा भाव रहेगा तथा सुख दुख में उनकी माता पिता के समान सेवा करेंगे। साले एवं सालियों को भी वह अपने सद्व्यवहार से प्रसन्न रखेंगे जिससे परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा इससे आपको वांछित लाभ होगा। यदि अपनी आयु से अधिक आयु के समीपस्थ संबंधी से साझेदारी की जाए तो इससे शुभ फल प्राप्त होंगे एवं परस्पर विश्वसनीयता भी बनी रहेगी ।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप एक व्यवहारिक व्यक्ति होंगे तथा ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि पर आपका विश्वास अल्प ही रहेगा तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप भाग्यशाली रहेंगे तथा जमीन जायदाद मुकद्दमे या अन्य किसी भी प्रकार से आपको विशिष्ट लाभ होता रहेगा। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या किसी समीपस्थ संबन्धी के द्वारा भी आपकी जायदाद में वृद्धि होने की संभावना रहेगी। साझेदार या पत्नी के द्वारा भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। आप यद्यपि घर से पूर्ण सुसम्पन्न व्यक्ति होंगे तथापि शादी के समय भी आप दहेज नकदी या आभूषण आदि को भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।

जीवन में आपके घर में चोरी आदि की संभावनाएं अल्प रहेंगी यदि कोई ऐसी घटना घटेगी तो यह सामान्य रहेगी अतः इसके विषय में आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि सावधानी वश आपको अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को किसी सुरक्षित स्थान में रखना चाहिए। आपको अपने घर या कार आदि का बीमा अवश्य कराना चाहिए क्योंकि इनसे आपको पूर्ण लाभ होने की संभावना रहेगी। दीर्घावधि बीमा की अपेक्षा लधु अवधि बीमा कराने से अधिक लाभ होगा। सामान्यतया आप उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे परन्तु वाहन चलाते समय आपको गति पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए तथा ध्यान से सवारी चलानी चाहिए अन्यथा सामान्य दुर्घटना घट सकती है। इसके अतिरिक्त आप की आयु अच्छी रहेगी तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप जीवन व्यतीत करेंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म ज्यौतिष या तंत्र मंत्र पर श्रद्धा रखेंगी। साथ ही परिश्रम पूर्वक इनका न्यूनाधिक ज्ञान अर्जित करने में भी समर्थ होंगी। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी अतः आपके पूर्वाभास या भविष्य वाणियां प्रायः सत्य ही सिद्ध होंगी। आध्यात्म या ज्योतिष शास्त्र संबंधी विषयों पर आप अवसरानुकूल शोध कार्य भी सम्पन्न कर सकती हैं जिससे लाभार्जन के साथ साथ आपको ख्याति भी प्राप्त हो सकती है। इसी परिपेक्ष्य में कई आध्यात्मवादयों से आपकी मित्रता भी होगी जिनसे अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

जीवन में पैतृक सम्पत्ति अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी तथा इससे प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। साथ ही जायदाद संबन्धी कार्यो से काफी लाभ होगा एवं आपके कार्य से अन्य लोग प्रभावित रहेंगे फलतः आपको कई बार इच्छित कीमत की प्राप्ति होगी जिससे आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता रहेगी। आपका ससुराल पक्ष भी एक सम्पन्न परिवार रहेगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से वे युक्त रहेंगे फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं

प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। बीमे आदि से भी समय समय पर आपको लाभ होता रहेगा अतः न्यूनाधिक रूप से आपको बीमा अवश्य करवाने चाहिए चाहे वह स्वयं का हो या अपनी किसी वस्तु का। चोरी या दुर्घटना के अवसरों की आपकी कुंडली में न्यूनता है तथापि यदि कोई घटना होती भी है तो उससे कोई हानि या परेशानी नहीं होगी। इसके अतिरिक्त आपकी आयु अच्छी रहेगी एवं प्रसन्नता पूर्वक आप सुखी जीवन को व्यतीत करेंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करते रहंगे। साथ ही तीर्थ स्थानों की यात्रा करने की भी आपके मन में रूचि बनी रहेगी। आप प्रतिदिन न्यूनाधिक समय दैनिक पूजापाठ पर अवश्य व्यतीत करेंगे। समाज में धर्म के क्षेत्र में आप कई कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मोपदेशक के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। ईश्वर के प्रति आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा आपके विचार से बिना उसकी इच्छा के कुछ भी कार्य होना असम्भव सा है। साथ ही आप कर्म की अपेक्षा भाग्य पर अधिक विश्वास करने वाले व्यक्ति होंगे।

आपके पास अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी विद्यमान रहेगी। अतः अपने विषय में आपको पूर्वाभास हो सकता है। आप धार्मिक क्षेत्र में उच्च शिक्षा अर्जित करने के भी इच्छुक रहेंगे साथ ही लम्बी तीर्थ यात्राओं को भी जीवन में सम्पन्न करेंगे। अपने जीवन में आपको सामाजिक तथा कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं ख्याति प्राप्त होगी तथा लोग आपसे प्रभावित रहेंगे तथा आपको इच्छित मान प्रदान करेंगे। आपके विचार से जीवन में मनुष्य को जो भी शुभ या अशुभ फल प्राप्त होते है वे सब पूर्व जन्म में किए गए कार्यो का फल है अतः आंतरिक रूप से आपकी सन्तुष्टि बनी रहेगी पौत्रों से आपको इच्छित सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। साथ ही ज्योतिष या तंत्र मंत्र में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसका ज्ञान भी रहेगा। इसके अतिरिक्त आप धर्मानुपालन में तत्पर, देवता एवं ब्राह्मणों के सेवक महात्माओं की आज्ञा का पालन करने वाले तथा परम्परागत धर्म से समाज में प्रसिद्धि प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से प्रारंभ में धर्म के प्रति आपके मन में कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी लेकिन आयु के साथ साथ आप मन्दिर या अन्यत्र तीर्थ स्थानों में जाकर धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही दैनिक पूजा पाठ करने के लिए भी उद्यत होंगी। आपके भाग्य की प्रबलता हमेशा बनी रहेगी तथा लम्बी दूरी की यात्राओं को करने के लिए हमेशा रूचिशील रहेंगी। साथ ही आध्यात्म या ज्यौतिष आदि के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा इसका न्यूनाधिक ज्ञान भी अर्जित करेंगी। आप अपने निवास स्थान में पूजास्थल का निर्माण भी कर सकती है जीवन में अन्य जनों की भलाई के कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी तथा भगवान के प्रति पूर्ण श्रद्धा रखेंगी।

युवावस्था में आप योगादि क्रियाओं में रूचिशील होंगी तथा आध्यात्म संबधी पवित्र ग्रंथों का श्रद्धा पूर्वक अध्ययन करके उनका ज्ञान प्राप्त करेंगी। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी अतः पूर्वाभास या भविष्य संबंधी जानकारियां आपको हो सकती हैं। साथ ही जीवन में

निश्चित रूप से कोई धर्म या पुण्य संबंधी शुभ कार्य को करने में सफल रहेंगी तथा दान आदि कार्य भी समय समय पर करती रहेगी। प्रारंभिक अवस्था में आपको लम्बी दूरी की यात्राएं करनी पड़ेंगी। यह शिक्षा व्यवसाय या धर्म से संबंधित यात्राएं होंगी तथा इनसे आपको इच्छित लाभ सम्मान एवं ख्याति मिलेगी तथा समाज में सत्कर्मों के द्वारा पहचान बनी रहेगी। वृद्धा वस्था में पौत्र आदि से आपको आनन्द एवं सुख प्राप्त होगा तथा अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के प्रभाव से आप इस जीवन में समस्त सुख ऐश्वर्य एवं वैभव का उपभोग करती हुई अपना समय व्यतीत करेंगी।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में दशम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। साथ ही केतु भी दशम भाव में ही स्थित है। भूमि तत्व मकर राशि एवं वायुत्व केतु के प्रभाव से आपका व्यवसाय श्रमसाध्य होगा तथापि बौद्धिकता भी उसमें विद्यमान होगी। साथ ही वायुत्व केतु के प्रभाव से आप स्वंतत्र व्यवसाय को करना विशेष श्रेयकर समझेंगे तथा कार्यक्षेत्र में अवसरानुकूल परिवर्तन भी करते रहेंगे तथा ऐसे सामयिक परिवर्तनों से आपको लाभ होगा।

जीविका की दृष्टि से आपके लिए वायुसेना, एअर लाइन्स, एअर ट्रैवल एजेन्सी, खनिज एवं खान विभाग, रासायनिक क्षेत्र, राजनीति, उद्यमों में कार्य, फैक्टरी कर्मचारी, सन्देश वाहक (दूत) तथा पेट्रोलियम विभाग अनुकूल रहेगा। इन क्षेत्रों में यदि आप अपनी आजीविका क्षेत्र का चयन करेंगे तो जीवन में आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा तथा इच्छित उन्नति एवं सफलता भी प्राप्त होगी एवं उन्नति में अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना भी करना पड़ेगा। अतः यत्नपूर्वक आपको इन्ही विभागों में कार्य करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में उन्नति में एवं लाभ अर्जित करने के लिए आपको खनिज पदार्थ, शराब, ट्रैवल एजेन्सी, लोहे का उत्पादन, फैक्टरी, पेट्रोल पम्प, खेती बागवानी एवं भारी उद्योग का क्षेत्र अनुकूल रहेगा। यदि आप अपना व्यवसाय इन क्षेत्रों में करेंगे आपको इच्छित धन अर्जित होगा तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही प्रगति में किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आपको यत्नपूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में व्यापारिक कार्य प्रारम्भ करना चाहिए।

मकर राशि में दशम भावस्थ केतु के प्रभाव से जीवन में आप उच्चपद एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही किसी सार्वजनिक संस्था या सामाजिक परोपकार संबंधी संस्थाओं के भी आप किसी सम्मानित पदाधिकारी के रूप में मनोनीत किए जा सकते है। लेकिन उचित मान सम्मान एवं पद प्राप्त करने में आपको किंचित विलम्ब का सामना करना पड़ सकता है एवं इसमें अनावश्यक समस्याएं एवं व्यवधान भी उत्पन्न हो सकते हैं। परन्तु इससे आपको निराश नहीं होना चाहिए तथा ईमानदारी एवं परिश्रमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

आपके पिता तेजस्वी पराक्रमी एवं उग्रस्वभाव के व्यक्ति होंगे परन्तु उनका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जन उनसे पूर्ण रूप से प्रभावित रहेंगे। साथ ही सभी लोग उनके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं शिक्षा के स्तर के प्रति पूर्ण सचेत दौरान आपकी- अध्ययन पर काफी व्यय करेंगे। आपका कार्यक्षेत्र भी उन्हीं के प्रभाव से प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होगा। आपका भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान एवं श्रद्धा का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन में तत्पर होंगे परन्तु नैसर्गिक पाप ग्रह केतु के प्रभाव से संबंधों में यदा कदा मतभेद एवं तनाव उत्पन्न होंगे। अतः यदि ऐसी स्थिति की यत्नपूर्वक उपेक्षा

की जाए तो आपके परस्पर संबंधो में अनुकूलता आएगी तथा जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में दशमभाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है धनु राशि अग्नितत्व तत्व राशि है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान के साथ साथ श्रमसाध्य भी होगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी। साथ ही परिश्रमी स्वभाव होने के साथ आप किसी स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय में अच्छी सफलता प्राप्त करने में समर्थ होंगी।

आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र लिपिकीय कार्य, लेखाकार, लेखन, साहित्य, चित्रकारी, जिल्दसाजी, शिक्षक, ज्योतषी, पुस्तक विक्रेता सम्पादक, संशोधक, अनुवादक, संदेश वाहक तथा टेलिफोन आपरेटर आदि कार्य शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको उन्नति मार्ग सदैव प्रशस्त होंगे तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का आपको सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आपको अपनी चहुँमुखी उन्नति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए उपरोक्त विभागों में ही अपनी अजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए एजैंसी, दलाली, पुस्तक विक्रेता या प्रकाशन कार्य, अगरबत्ती, पुष्पमालाएं, कागज के खिलौने,आदि से इच्छित लाभ एवं धन अर्जित होगा। साथ ही चित्रकारी, कला आदि के स्वतंत्र व्यवसाय से भी आप लाभ एवं उन्नति प्राप्त कर सकती हैं। अतः आप व्यापार करने के इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही आपको अपने कार्य का प्रारम्भ करना चाहिए जिससे बिना किसी बाधा के आप उन्नति कर सकेंगे।

जीवन में आपको मानसम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा अपनी बुद्धिमता एवं बिद्वता से आप किसी सामाजिक पद को भी अर्जित करने में समर्थ होंगी। समाज में आप आदरणीय एवं प्रभावशाली महिला होंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि होगी। आप किसी सामाजिक, सांस्कृतिक या धार्मिक संस्था में सम्मानित पदाधिकारी या सदस्या भी हो सकती हैं जिससे आपके सम्मान एवं प्रभाव में वृद्धि होगी तथा जीवन में अर्जित उपलब्धियों से आप सन्तुष्ट होंगी।

आपके पिता बुद्धिमान विद्वान एवं अच्छे स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा समाज में उनका पूर्ण प्रभाव होगा। आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य का भाव होगा तथा उच्चशिक्षा का वे यथोचित प्रबंध करेंगे तथा आपको एक योग्य पुत्री के रूप में देखना चाहेंगे। आपको कार्यक्षेत्र की प्रारभिक उन्नति एवं सफलता में उनका प्रमुख योगदान होगा। साथ ही आप भी योग्य एवं परिश्रमी महिला होंगी तथा अपने पराक्रम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगी तथा पिता के सम्मान में वृद्धि करेंगी। आपके आपसी संबंधो में भी मधुरता होगी तथाा वैचारिक एवं सैद्धांतिक समानता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप में आज्ञाकारिकता का भाव भी होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आपसी सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से आप सौभाग्य से युक्त रहेंगे तथा आपकी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूर्ण होती रहेंगी। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा आपकी कई इच्छाएं मन में विद्यमान रहेंगी तथा अन्य जनों की अपेक्षा आप की महत्वाकांक्षाएं यथा समय पूर्ण होंगी। आपके आय स्रोतों में स्वतः वृद्धि होती रहेगी तथा इनमें आपको अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ेगा। अतिरिक्त आय स्रोतों के लिए आप मूल संबन्धी व्यापार लकड़ी या पेट्रोलियम पदार्थों के कार्य से इच्छित लाभ अर्जित कर सकते है।

आपकी मित्रता स्थाई रहेगी तथा मित्रों की संख्या भी अल्प ही रहेगी जिसमें आपको हार्दिक प्रसन्नता मिलेगी एवं उनसे भी यथा समय यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। अपने से अधिक आयु के लोगों से मित्रता आदि संबंध स्थापित करने से आपको इच्छित लाभ होगा क्योंकि अपनी आयु की अपेक्षा अधिक आयु के लोगों को समझना आपके लिए आसान रहेगा। प्रौढ़ या वृद्धावस्था में मित्रों के मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा वे सभी आपको अपना पथ प्रदर्शक समझेंगे।

आपके अंदर सामाजिकता की भावना हमेशा विद्यमान रहेगी तथा सामूहिक मनोरंजन में आपको मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त होगी। समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा आदरणीय पुरूष समझें जाएंगे तथा कोई भी व्यक्ति आपके विरूद्ध सत्य असत्य बात कहने के लिए तैयार नहीं होगा तथा आपके सभी आभारी रहेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग सामान्य मात्रा में ही प्राप्त होगा परन्तु बहिनों से यदा कदा विशिष्ट लाभ या सहयोग मिल सकता है। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपके बाऐं कान में कोई परेशानी होगी परन्तु इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से आप किसी भी कार्य को सोच समझकर व्यापारिक दृष्टि से सम्पन्न करेंगी। आपकी मानसिक शक्ति भी प्रबल रहेगी तथा प्रबन्ध एवं संगठन क्षमता भी विद्यमान रहेगी। आप एक पराक्रमी परिश्रमी तथा योग्य महिला होंगी अतः अपनी अधिकांश इच्छाओं तथा आकांक्षाओं को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही दूरदर्शी तथा महत्वाकांक्षी महिला भी होगी। जीवन में धन ऐश्वर्य एवं ख्याति अर्जित करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी तथा जीवन में उन्नति तथा धनार्जन संबंधी कोई भी अवसर नहीं छोड़ेगी फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में नित्य वृद्धि होगी। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में आप किसी भी प्रकार का खतरा नहीं उठाएंगी। लकड़ी लोहे या खनिज पदार्थो संबंधी व्यापार या विभागों से आप धन लाभ अर्जित करेंगी यदि स्वयं कार्यरत नहीं है तो उपरोक्त योग आपके पति

पर घटित होंगे।

आपको बड़े भाइयों की अपेक्षा बहिनों से विशिष्ट लाभ सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। साथ ही समय समय पर वे आपको निर्देश भी देते रहेंगे। आप स्थाई मित्रता करने की इच्छुक रहेंगी फलतः आपकी मित्रता का क्षेत्र विस्तृत नहीं होगा। साथ ही मित्रों के मध्य प्रतिष्ठित एवं आदरणीया रहेगी। आपका सामाजिक स्तर अच्छा रहेगा तथा सामाजिक जनों की सेवा तथा सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगी जिससे अपने क्षेत्र में ख्याति प्राप्त एक आदरणीया महिला होंगी। जीवन में परिश्रम पूर्वक आप किंचित मान सम्मान भी अर्जित कर सकती है। लेकिन बाएं कान संबंधी परेशानी यदा कदा होगी परन्तु सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Mr.tanishq chauhan

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक मामलों में प्रारंभ से ही भाग्यशाली रहेंगे लेकिन समय के साथ ही आप बिना सोचे समझे कई बार मुक्त हाथों से व्यय करेंगे इससे आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप बुद्धिमता पूर्वक योजना बनाकर व्यय करेंगे तो आप आर्थिक परेशानियों से सुरक्षित रह सकते है।

आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे अतः धार्मिक कार्य कलापों तीर्थ यात्राओं मन्दिर निमार्ण आदि कार्यो या परोपकार संबंधी कार्यो पर समय समय पर व्यय करते रहेंगे। बच्चों की आप पूर्ण चिन्ता करेंगे तथा उनके रहन सहन पठन पाठन का विशेष ध्यान रखेंगे तथा उन पर यथोचित व्यय करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप उन्हें अच्छे स्कूलों तथा कालेजों में प्रवेश दिलाने के परम इच्छुक रहेंगे। साथ ही आपके मित्र एवं संबंधी भी अधिक होंगे। अतः समय समय पर इन पर भी आपका व्यय होता रहेगा। साथ ही घर की साज सज्जा की वस्तुओं यथा फर्नीचर टेलीफोन आदि भौतिक उपकरणों पर भी आपका समय समय पर व्यय होता रहेगा लेकिन आप व्यय पहले करेंगे बाद में अपना आर्थिक बजट देखेंगे इससे यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आप कर्ज आदि ले सकते है लेकिन इससे कोई परेशानी नहीं होगी तथा आप आसानी से कर्ज वापस कर देंगे।

आप नवीन विचारों की खोज में हमेशा मननशील रहेंगे तथा जीवन में नवीन आयाम भी प्राप्त करेंगे। साथ ही यात्रादि से भी आपकी इस क्षेत्र में उन्नति होगी आप शिक्षा, सरकारी अथवा कम्पनी के कार्य से विदेश यात्रा भी कर सकते है तथा इन यात्राओं से आपको भविष्य में पूर्ण लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आप विदेश में लम्बी अवधि तक प्रवास भी कर सकते है जो आर्थिक एवं सामाजिक स्तर बढ़ाने के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। इससे आपके रहन-सहन, खान पान एवं अन्य क्षेत्रों में उन्नति कारक परिवर्तन दृष्टिगोचर होंगे।

Miss. Rishika Songara

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी व्यापारिक क्षमता अच्छी रहेगी तथा धन एवं पराक्रम से हमेशा युक्त रहेंगी। आप दूरदर्शी महिला होंगी तथा वृद्धावस्था में किसी पर निर्भर नहीं रहेगी तथा पहले से ही इसके लिए उचित प्रबन्ध करेंगी तथा प्रचुर मात्रा में धन आपके पास रहेगा। अन्य जनों के प्रति भी आपके मन में सहानुभूति का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक उनकी आर्थिक तथा अन्य रूप से सहायता करती रहेंगी।

आपको मध्यमवस्था में पूर्ण धन मान एवं सम्मान की प्राप्ति होगी। साथ ही धन का आप हमेशा बुद्धिमता तथा सावधानी से उपयोग करेंगी इस प्रकार आर्थिक स्थिति प्रायः

अच्छी रहेगी। परिवार के लिए आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेगी तथा उनकी सुख सुविधा, खान पान, एवं रहन सहन का उच्च स्तर पर रखने के लिए प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगी। सांसारिक सुख संसाधनों तथा भौतिक उपकरणों के प्रति भी आपके मन में लालसा रहेगी तथा इन पर भी समय समय पर प्रचुर मात्रा में व्यय करती रहेंगी। साथ ही घर की साज सज्जा तथा सुदंरता पर भी निरन्तर व्ययशील रहेंगी परन्तु उपरोक्त व्यय आप तभी करेंगी जब धनार्जन उत्तम रहेगी तथा सीमित रूप से ही धन का ऐसे मामलों में उपयोग करेंगी। इसके अतिरिक्त दान या धार्मिक कार्य कलापों पर भी आपका समय समय पर व्यय होता रहेगा।

यात्राओं के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा समय समय पर व्यवसाय या भ्रमण संबंधी यात्राएं होती रहेंगी। इनसे आपको भविष्य में सम्मान एवं लाभ की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त इन्हीं संदर्भो में आप विदेश संबंधी यात्राएं भी सम्पन्न कर सकती है तथा कुछ समय तक वहां प्रवास भी हो सकता है।

दशा विश्लेषण

Mr.tanishq chauhan

महादशा :- राहु
(04/05/2017 - 05/05/2035)

राहु की महादशा 04/05/2017 को आरम्भ होकर 05/05/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्म कुण्डली में राहु चतुर्थ भाव में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि दशम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको यश, ख्याति, जीविका में प्रगति और समृद्धि की प्राप्ति होगी। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति और लाभ की प्राप्ति, अचल सम्पत्ति तथा सुख में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली होंगे। एक सन्तुलित जीवन के फलस्वरूप आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मौसम में परिवर्तन के फलस्वरूप चर्मरोग, पाचन-समस्या, हृदय संबंधी समस्या, विषाणुजन्य संक्रामक रोग आदि हो सकता है। थोड़ी सावधानी से इन रोगों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको सभी भौतिक सुख मिलेंगे। आपको माता से लाभ मिल सकता है। आपको जहाँ तक सम्भव हो सट्टे से बचना चाहिए। व्यावसायिक उपार्जन, व्यापार से आय अच्छी होगी। जीविका तथा व्यवसाय के लिए विधि के क्षेत्र, विमान उड्डयन, विमान-चालन, कला, सम्पर्क-कार्य, कम्प्यूटर, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, व्यापार आदि का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, दवा, चमड़ा, एण्टी-बायोटिक दवा, प्लास्टिक, रबड़ आदि का व्यापार लाभप्रद हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि, सम्मान, वरिष्ठ कर्मचारियों के अनुग्रह तथा वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होगी। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को साझेदारों से लाभ, व्यापार में सफलता, विदेश यात्रा, आय में वृद्धि और उपार्जन होगा। जीविका में प्राप्ति के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

इस दशा के दौरान आपको सभी भौतिक समृद्धि मिलेगी और सुखों में वृद्धि होगी। आप अपना आवास परिवर्तित कर सकते हैं। इस दशा में आपको चल सम्पत्ति, जमीन-जायदाद की प्राप्ति हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आपकी छोटी व दूर की यात्रा होगी। छोटी यात्रा में सम्भावित नुकसान से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

शिक्षा :

आपकी बुनियादी शिक्षा उत्तम होगी। उच्च शिक्षा के लिए आप अपनी संस्था में परिवर्तन कर सकते हैं। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आप कठिन परिश्रम करेंगे। दशा की प्रगति के साथ स्थिति में सुधार आएगा। विज्ञान, कला, कम्प्यूटर-विज्ञान, व्यापार आदि में आपकी रुचि

हो सकती है। आपकी इच्छा शक्ति मजबूत है, आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे।

परिवार :

आपके बच्चों के जीवन में कुछ परिवर्तन होगा और उन्हें आपकी सहायता तथा मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है। आपका आपके जीवनसाथी के साथ संबंध सन्तोषजनक रहेगा। आपकी माता की सम्पत्ति में वृद्धि होगी, आर्थिक-समृद्धि की प्राप्ति होगी और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी होगी। आपके पिता की यात्रा, अचानक लाभ की प्राप्ति तथा आध्यात्मिक विकास होगा। आपके छोटे भाई-बहनों को अचानक धन-लाभ और जीवन का सुख मिलेगा जबकि बड़े भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वियों पर विजय और भौतिक समृद्धि की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सुख, अचल सम्पत्ति की प्राप्ति तथा लाभ मिलेगा। गुरु की अन्तर्दशा भाग्यशाली सिद्ध होगी यद्यपि प्रतिद्वन्द्वियों के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शनि की अन्तर्दशा कष्टकारक सिद्ध हो सकती है किन्तु, भौतिक कला व यात्रा का अवसर प्रदान करेगी। बुध की अन्तर्दशा छोटे भाई-बहनों के लिए सहायक होगी और इसके फलस्वरूप उनको यात्रा और व्यय होगा। केतु की अन्तर्दशा में कुछ समस्याएं हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर दशा के फलस्रूप लाभ और सम्पत्ति में वृद्धि होगी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण पारिवारिक सुख मिलेगा और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी जबकि योगकारक मंगल के कारण सुख की प्राप्ति, बच्चे का जन्म और जीविका में प्रगति होगी।

Miss. Rishika Songara

महादशा :- गुरु
(04/11/2019 - 04/11/2035)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 04/11/2019 को आरम्भ तथा 04/11/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि सोलह वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में गुरु द्वितीय भाव में स्थित है। इस तरह वह भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है। द्वितीय भाव सम्पत्ति, भाग्य, दायीं आँख, स्मरणशक्ति, कल्पना, जिह्वा, दाँत, दाढ़ी और पारिवारिक सदस्यों का द्योतक है। गुरु एक शुभ ग्रह है जो आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। इसकी छठे, आठवे और दसवें भाव पर दृष्टि है और इन भावों पर इसका शुभ प्रभाव है। अतः 16 वर्षों की यह दशा सुखमय और समृद्धिशाली होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी गुरु की द्वितीय भाव में स्थिति और वहाँ से (दशम भाव के अतिरिक्त) छठे तथा 8वें भावों अर्थात् रोग और शत्रु के भावों तथा दीर्घायु के भावों पर इसकी

दृष्टि के कारण आपको कोई गम्भीर बीमारी नहीं होगी और आप इस दशा के दौरान स्वस्थ रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

गुरु की द्वितीय भाव में स्थिति और दसवें भाव (6ठे तथा 8वें भावों के अतिरिक्त) पर इसकी दृष्टि के कारण इस दशा के दौरान आप चल-अचल सम्पत्ति प्राप्त करेंगे और आराम तथा विलासिता की वस्तुओं पर व्यय करेंगे।

व्यवसाय :

गुरु की द्वितीय अर्थात धन-सम्पत्ति के भाव में स्थिति और वहाँ से (6ठे तथा 8वें भावों के अतिरिक्त) दसवें अर्थात् व्यवसाय तथा जीवन चर्चा के भाव पर इसकी दृष्टि के कारण आप अपने व्यवसाय में प्रतिष्ठित होंगे। आप कवि, महान् लेखक, ज्योतिषी अथवा वैज्ञानिक हो सकते हैं। आप सफल, प्रतिष्ठित और भाग्यशाली होंगे। आप किसी से झगड़ा नहीं करेंगे।

पारिवारिक जीवन :

गुरु के कारण आपका पारिवारिक जीवन सुखमय और सद्भावपूर्ण रहेगा। आपके जीवनसाथी आपके सहयोगी और सहायक होंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी और सुशील होंगे। 16 वर्ष की इस दशा के दौरान आपको कोई पारिवारिक समस्या नहीं होगी और आप पारिवारिक जीवन का आनन्द उठाएंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

ज्ञान की भूख के कारण आप विभिन्न साहित्यों के अध्ययन में रत रहेंगे।

दशा विश्लेषण

Mr.tanishq chauhan

महादशा :- गुरु
(05/05/2035 - 05/05/2051)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा को 05/05/2035 शुरू तथा 05/05/2051 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्र, समुदाय, लक्ष्य, इच्छा और उसकी पूर्ति, आमदनी, लाभ, समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ और भाग्योदय तथा टखनों का द्योतक है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जिसकी स्थिति आपकी कुण्डली में एकादश भाव में है तथा तृतीय, पंचम एवं सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि है और इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह साल की यह अवधि आपके लिए साहस एवं समृद्धि की होगी।

स्वास्थ्य :

महादशेश गुरु एकादश भाव में स्थित होकर तृतीय भाव को (पंचम एवं सप्तम भावों के अतिरिक्त) देख रहा है जिसके फल स्वरूप आप हिम्मत, बहादुरी तथा मजबूती के साथ सभी समस्याओं को झेल पाएंगे और कोई बड़ी घटना या दुर्घटना आपको या आपके स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं कर पाएगी और आपको सामान्य कार्य करने में असुविधा नहीं होगी।

अर्थ-संपत्ति :

गुरु एकादश भाव अर्थात आय भाव में स्थित है तथा अपने ही भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है जिसके फलस्वरूप आप इस दशा काल में चल या अचल संपत्ति अर्जित नहीं कर पाएँगे और भोग विलास की वस्तुओं पर खर्च करते हुए एक सामान्य जीवन का आनन्द लेंगे।

व्यवसाय :

यदि आप नौकरी में हैं तो आपको उन्नति तथा आय एवं धन में वृद्धि मिलेगी। व्यवसाय के प्रति अनेक नये विचार आपके दिमाग में आएंगे जिससे आप अपने व्यवसाय में नाम और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। अपके मित्र व्यवसाय में उन्नति करने की आपको प्रेरणा देंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे और आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय तथा उत्साहपूर्ण बनाएँगे। गुरु की एकादश भाव से सप्तम अर्थात जीवन साथी के भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके जीवन साथी हमेशा आपकी परेशानी में हाथ बँटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपके बड़े भाई तथा मित्र भी आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाने में सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आप साहित्यिक तथा धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन जारी रखेंगे।

Miss. Rishika Songara

महादशा :- शनि
(04/11/2035 - 04/11/2054)

आपकी जन्मकुण्डली में शनि की महादशा 04/11/2035 को आरम्भ और 04/11/2054 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 19 वर्ष है।

शनि आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है और लोग बहुधा इससे डरते हैं। लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग में यह विलम्ब और बाधाएं उत्पन्न करता है। फल प्राप्ति की दिशा में जातक को कठिन परिश्रम के लिये प्रेरित कर यह उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि चौथे, आठवें और ग्यारहवें भाव पर है और इन भावों के कारकत्व पर इसका प्रभाव है। द्वितीय भाव, जिसमें यह स्थित है, सम्पत्ति, लाभ, सांसारिक सुख, दायीं आँख, कल्पनाशक्ति, जिह्वा, दाँत तथा पारिवारिक सदस्यों का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

द्वितीय भाव, जो पारिवारिक सदस्यों का भाव है, में स्थित महादशा स्वामी शनि भाव को प्रबलित कर रहा है। इस दशा के दौरान आपको स्वास्थ्य की कोई गम्भीर समस्या अथवा दुर्घटना नहीं होगी और आप प्रसन्न रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

द्वितीय भाव स्थित शनि अपने भाव को प्रबलित कर रहा है। इस दशा के दौरान आपके संसाधनों और चल-अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सम्पत्ति का लाभ उठांएगे और अनीति का सहारा भी लेंगे।

व्यवसाय :

आप नौकरीपेशा हों अथवा व्यवसायी, सम्पत्ति तथा साहस के स्वामी शनि की द्वितीय भाव में स्थिति के कारण व्यावसायिक दृष्टि से सुदृढ़ होंगे। सम्पत्ति का भाव आपको पर्याप्त धन और धनोपार्जन के स्रोत प्रदान करेगा। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आप की पदोन्नति के अनेक मार्ग खुलेंगे और यदि व्यवसाय से जुड़े हैं तो अनेक नये उद्यम आपके मस्तिष्क में उभरेंगे और आप पर्याप्त धन अर्जित करेंगे।

पारिवारिक जीवन :

यह दशा आपके पारिवारिक जीवन के लिए बहुत अनुकूल नहीं है। आपके पारिवारिक जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। आपको पारिवारिक सुख नहीं मिलेगा क्योंकि आपका दूसरी स्त्रियों की ओर झुकाव है और आप दूसरों की सम्पत्ति हड़पना चाहेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा तथा साहित्यिक वृत्ति में विकास के लिए यह दशा अनुकूल नहीं है।

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

दशा विश्लेषण

Mr.tanishq chauhan

महादशा :- शनि
(05/05/2051 - 05/05/2070)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 05/05/2051 को आरम्भ और 05/05/2070 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि प्रथम भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है जो जातक के दिमाग में भय उत्पन्न करता है। लक्ष्य प्राप्ति में यह बाधा और विलम्ब करता है। यह जातक की परीक्षा लेता है और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसे कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। किन्तु जातक को अन्ततः लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

जन्मकुण्डली में प्रथम भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि तृतीय, सप्तम तथा दशम भाव पर है और यह इन भावों के 'कारकत्व' पर प्रभाव डाल रहा है। प्रथम भाव, जिसमें यह स्थित है, शरीर की लम्बाई, बनावट, स्वास्थ्य, जीवन-शक्ति, व्यक्तित्व, जीवन संघर्ष, प्रतिष्ठा, सामान्य तन्दुरुस्ती, और जीवन-संरचना के प्रति विचार का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शनि लग्न में स्थित होने के फलस्वरूप इस दशा के दौरान कोई गम्भीर बीमारी या दुर्घटना नहीं होगी। इस दशा में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपना कार्य नियमित रूप से करेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

इस दशा के दौरान शनि के कारण आपको अर्थ-सम्पत्ति में वृद्धि करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आपको धन अर्जन के अनेक अवसर मिलेंगे और इस दशा में आपके संसाधनों में वृद्धि और 'सुधार' होगा। आप आराम और विलास की वस्तुओं पर व्यय करने में सक्षम होंगे।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आप सुदृढ़ होंगे और अपनी बुद्धिमत्ता तथा शिक्षा के बल पर स्वयं धनोपार्जन करेंगे। आपमे स्वनियोजित होने की संभावना है। आप उपदेशक या नेता भी हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति भी मिल सकती है।

पारिवारिक जीवन :

प्रथम भाव से सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि के फलस्वरूप आपको आपके जीवनसाभी से सहयोग मिलेगा और वह आपके परिवार को सुचारु रूप से चलाने में आपकी सहायता करेंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी तथा सहयोगी होंगे और आपके दैनिक जीवन में आपका सहयोग करेंगे। आपको उनसे संतोष मिलेगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा और साहित्यिक वृत्ति में वृद्धि की दृष्टि से यह दशा आपके अनुकूल होगी।

Miss. Rishika Songara

महादशा :- बुध
(04/11/2054 - 04/11/2071)

बुध की महादशा 04/11/2054 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 04/11/2071 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध तृतीय भाव में स्थित है। बुध की दृष्टि नवम भाव पर है। इसके पहले आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। उस दशा के दौरान कुछ मामूली वाधाओं को छोड़ जीविका में प्रगति तथा धन की प्राप्ति हुई होगी। बुध की वर्तमान दशा के दौरान आपकी छोटी यात्राएं होंगी तथा पराक्रम और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपमें शक्ति तथा स्फूर्ति प्रचुर मात्रा में होगी। फिर भी आप सतर्क होंगे और जरुरत से अधिक परिश्रम नहीं करेंगे। गले की समस्या, ब्रोंकाइटिस, स्नायविक समस्या तथा गठिया आदि बीमारियों को छोड़कर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किन्तु, आवश्यक उपाय कर इन व्याधियों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आप अपने ही प्रयासों से धनोपार्जन करेंगे। आपको आर्थिक सफलता मिलेगी और आपको किसी लाभदायक सरकारी पद की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपने शत्रुओं तथा विरोधियों से लाभ मिलेगा और मुकदमों में विजय मिलेगी। आपको संचार-माध्यमों के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। जीविका-व्यवसाय के लिये लेखा, पत्रकारिता, सेल्समैन, शिक्षण, ट्रेवेल एजेण्ट, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, वैमानिकी, चिकित्सक तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, पुस्तक, लेखन सामग्री, कम्प्यूटर, इस्तनिर्भित आदि वस्तुओं का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता तथा सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा आप अपनी बौद्धिक उपलब्धि, समस्या-समाधान की क्षमता तथा कठिन परिश्रम के कारण पुरस्कृत किए जाएंगे। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी, आय और लाभ में वृद्धि होगी तथा यश और ख्याति की प्राप्ति होगी। कार्यों में सफलता और विरोधियों पर विजय के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

चन्द्र की अन्तर्दशा में आपको जीवन का सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आपको वाहन की प्राप्ति भी हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आप अपना पुराना वाहन बेच सकते हैं। बुध की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा तथा गुरु की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा से लाभ होगा। मंगल की अन्तर्दशा में जमीन-जायदाद के मामले लाभदायक होंगे जबकि बुध की अन्तर्दशा के दौरान कुछ

मामूली नुकसान हो सकता है।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा अति उत्तम होगी। आप उस दशा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा के माध्यम से आपको कुछ आर्थिक लाभ होगा। गणित, विज्ञान, विधि, ललितकला, संचार-माध्यम, पत्रकारिता, लेखन तथा साहित्य में आपकी रुचि हो सकती है। आप हस्तकला तथा वाकपटुता में कुशल होंगे।। आप तेज, कूटनीतिक, बहुमुखी एवं विज्ञान में रुचि रखने वाले हैं।

परिवार :

आपके बच्चों के लिये समय समृद्धि-दायक रहेगा और उनके लाभ तथा सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवन साथी की यात्रा होगी, विदेशी स्रोतों से लाभ मिलेगा तथा उनकी आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी। आपका आपके जीवन साथी के साथ सम्बन्ध बहुत अच्छा रहेगा। आपकी माता की कुछ यात्रा, व्यय तथा स्वास्थ्य संबंधी मामूली समस्या होगी जबकि आपके पिता को व्यापार में तथा साझेदार से लाभ मिलेगा। आपके छोटे भाई-बहनों को यश और ख्याति मिलेगी, उनकी शिक्षा उत्तम होगी और जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी जबकि बड़ों को सट्टे में सफलता तथा लाभ मिलेगा। आपका उनके साथ सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी। आप सामाजिक व लोकप्रिय होंगे।

अन्तर्दशा :

बुध की दशा में बुध की अन्तर्दशा में आपको संचार-माध्यम से लाभ और भाइयों से सुख मिलेगा जबकि केतु के कारण कुछ मानसिक तनाव हो सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप व्यापार में लाभ और विवाद होगा जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण सट्टे से लाभ तथा बच्चों से सुख मिल सकता है। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आराम मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति होगी और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। राहु की अन्तर्दशा कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकती है जबकि बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप यात्रा होगी और समृद्धि की प्राप्ति होगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान जीवन-वृत्ति में उन्नति होगी तथा लाभ मिलेगा।

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2026

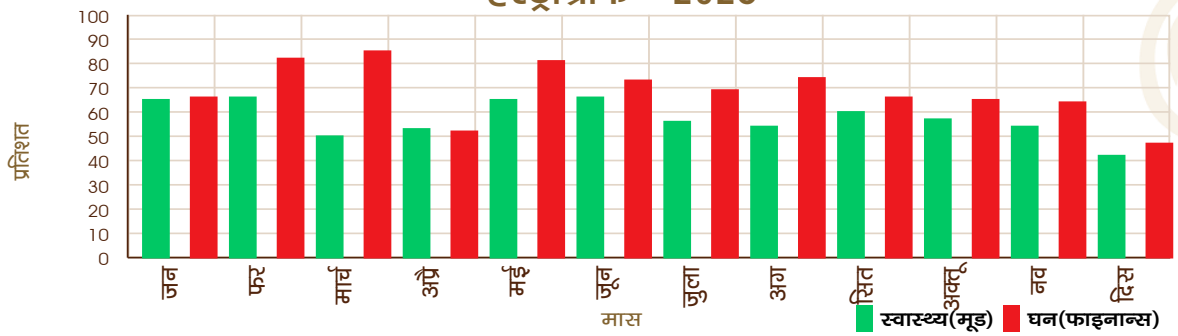

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2026

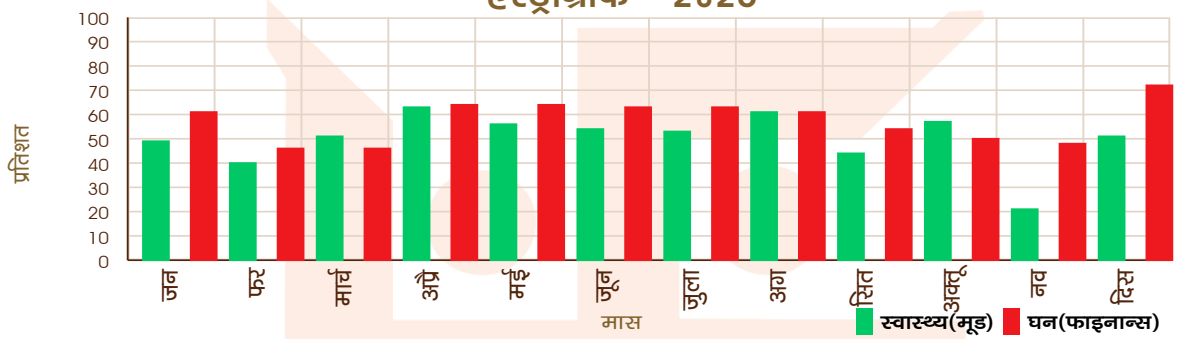

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2027

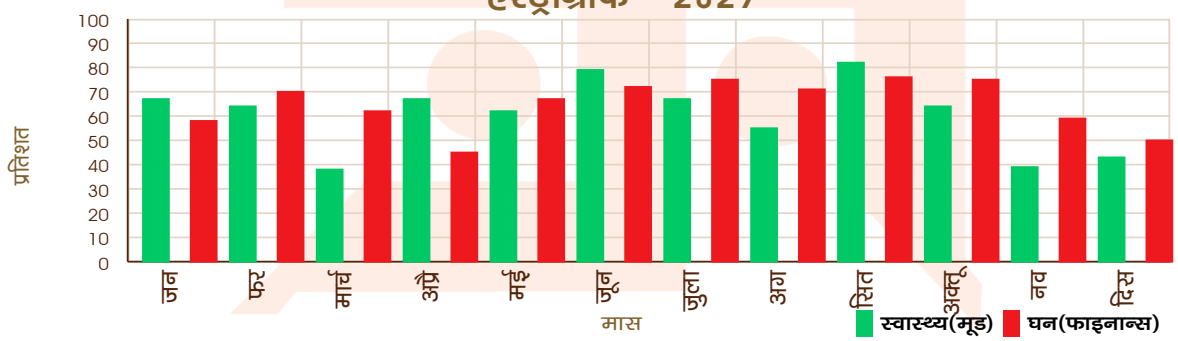

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2027

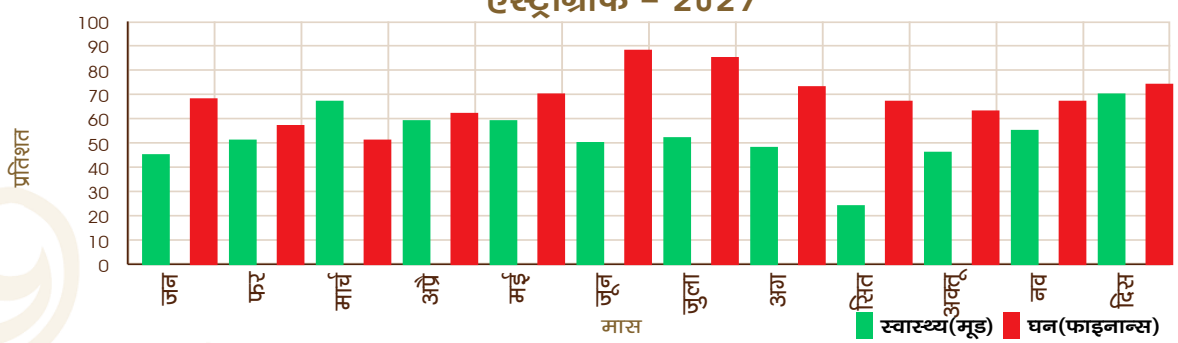

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2028

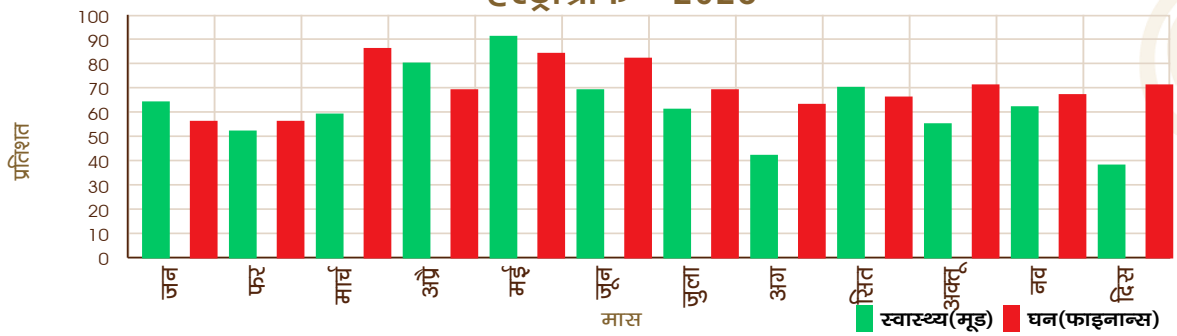

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2028

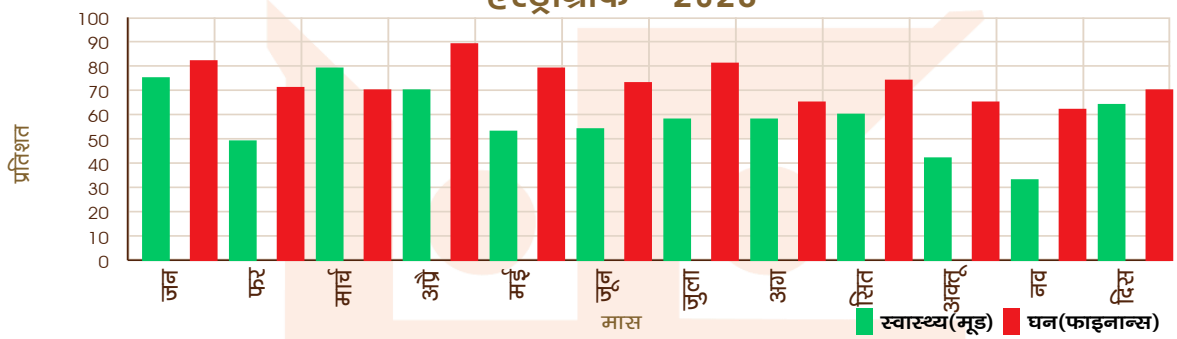

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2029

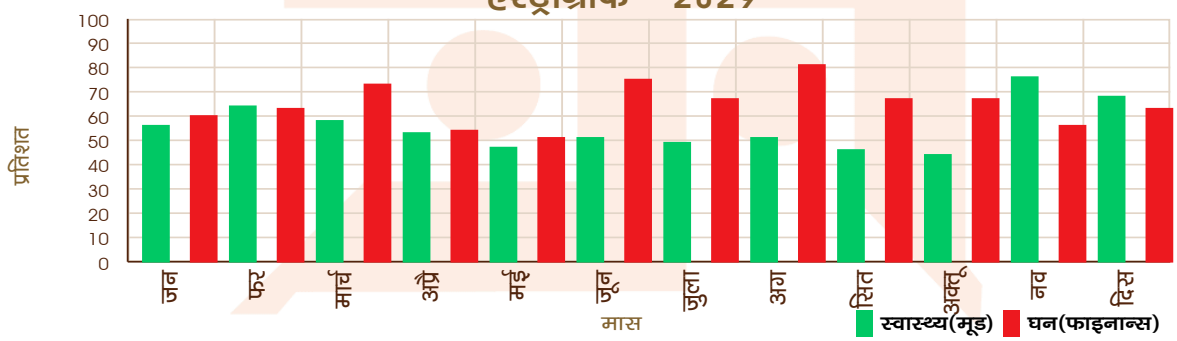

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2029

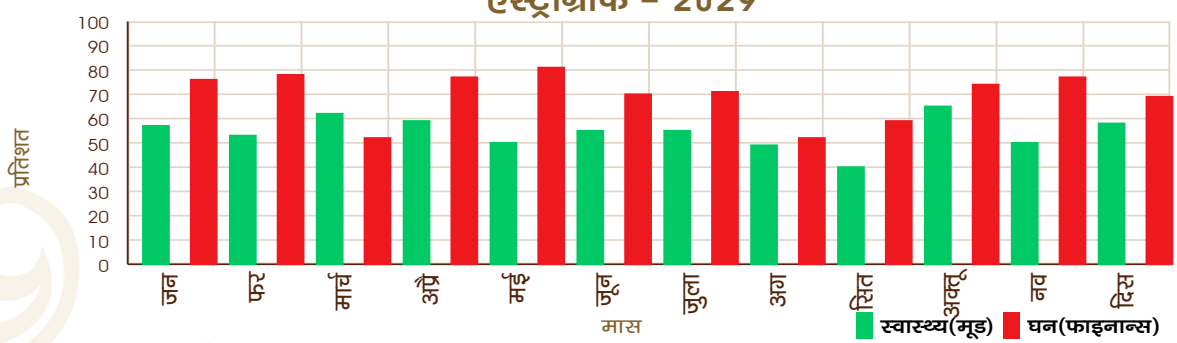

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2030

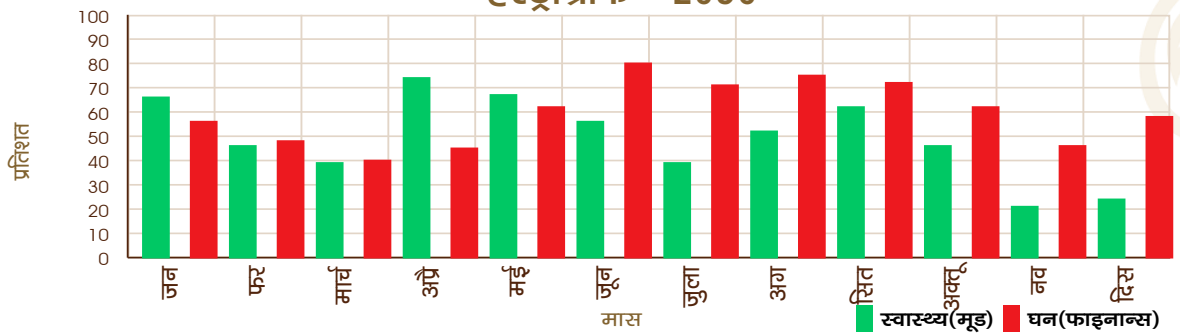

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2030

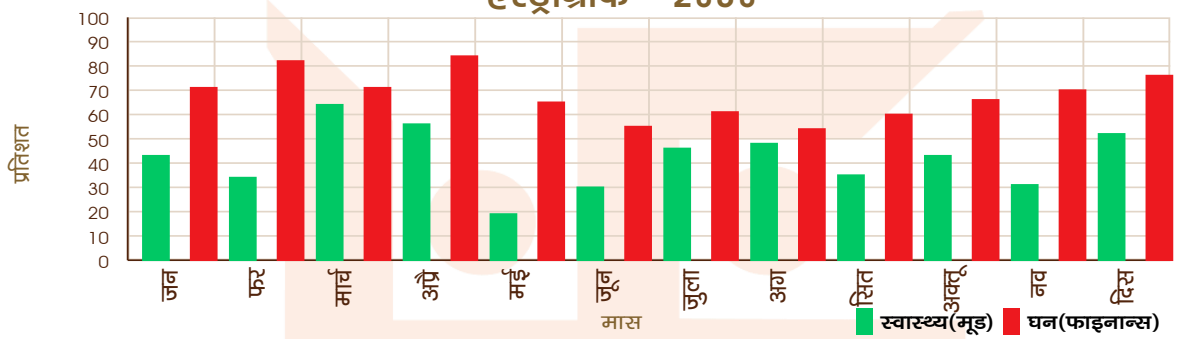

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2031

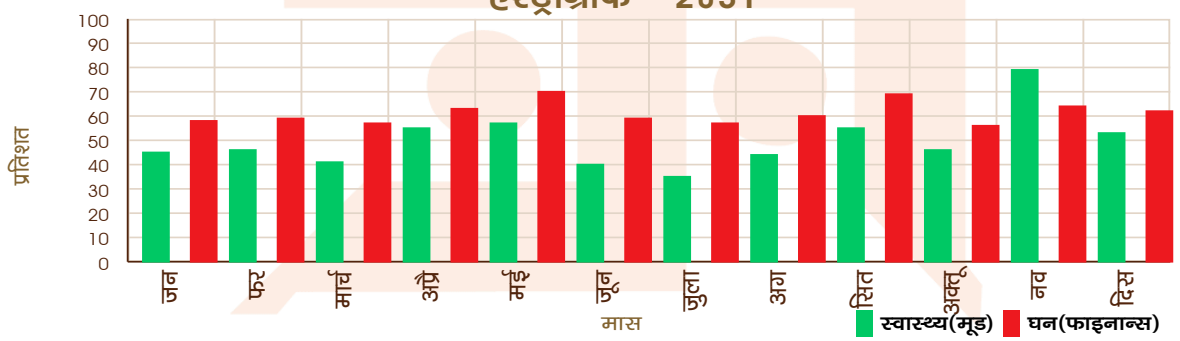

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2031

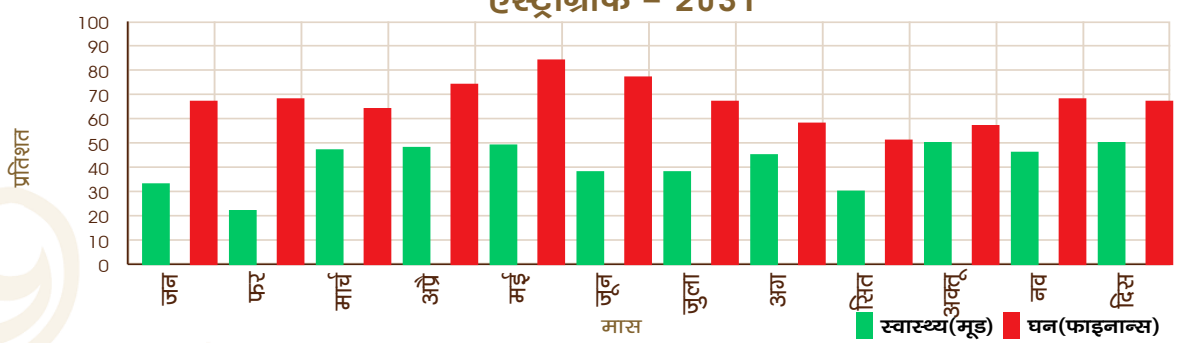

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2032

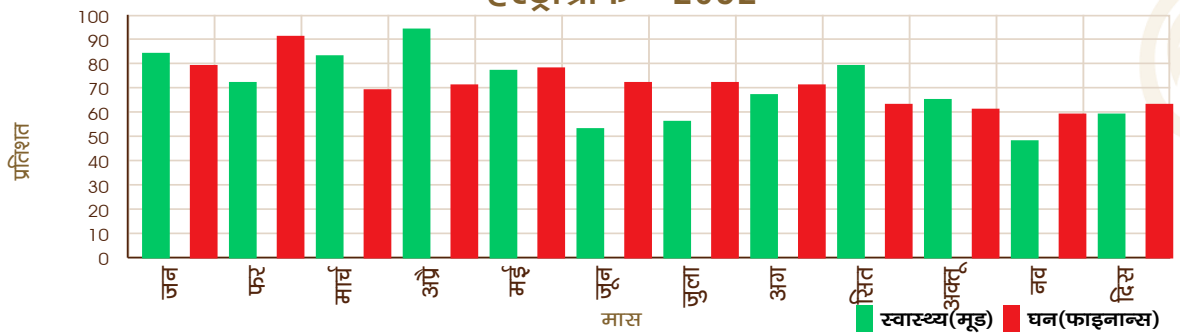

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2032

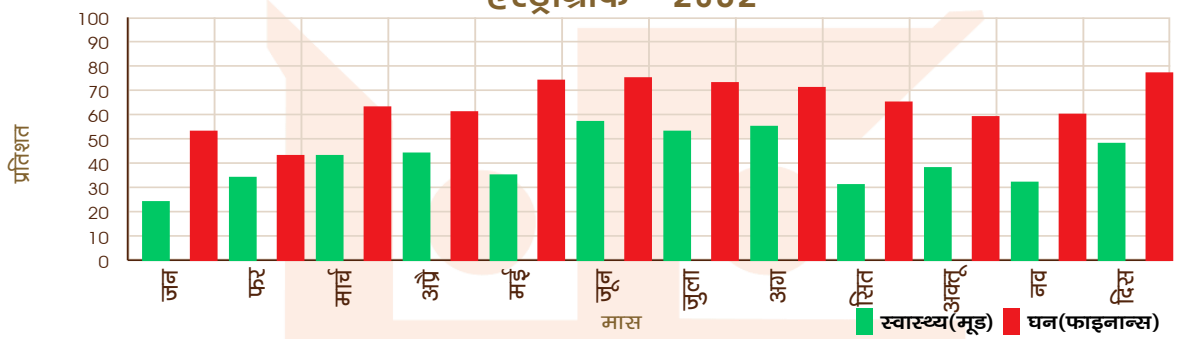

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2033

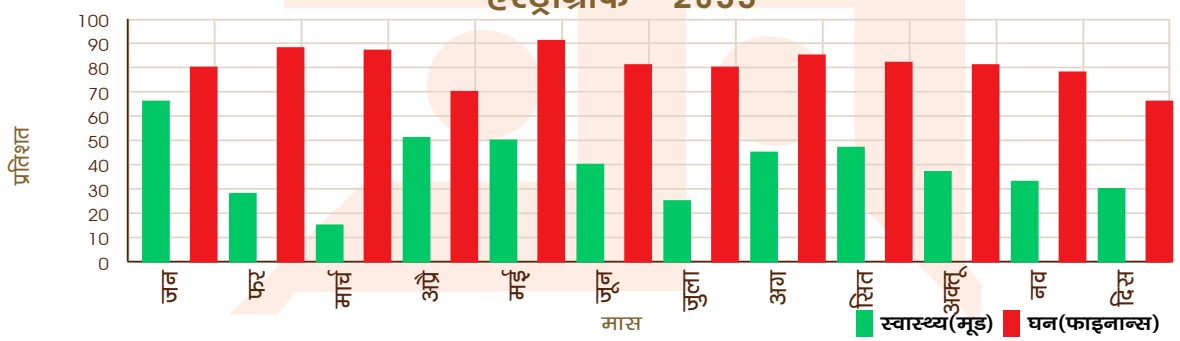

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2033

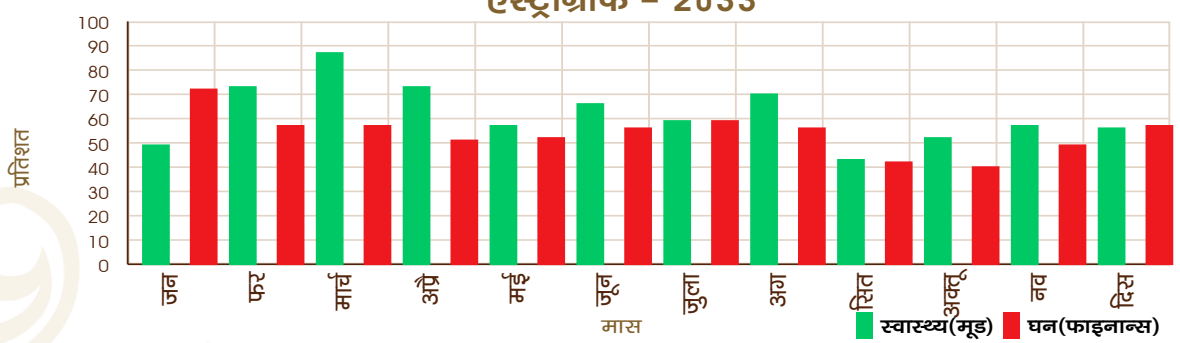

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2034

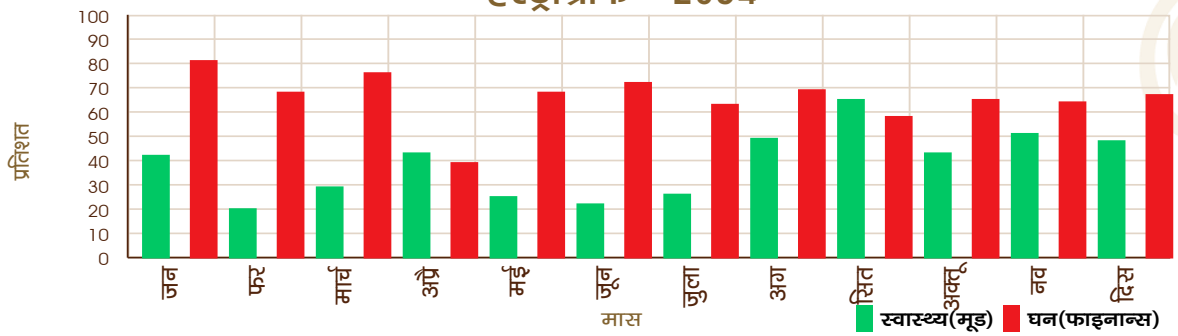

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2034

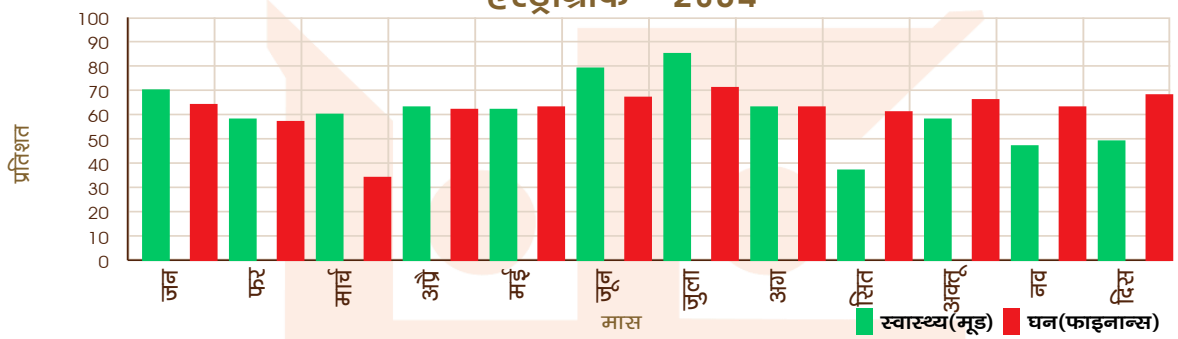

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2035

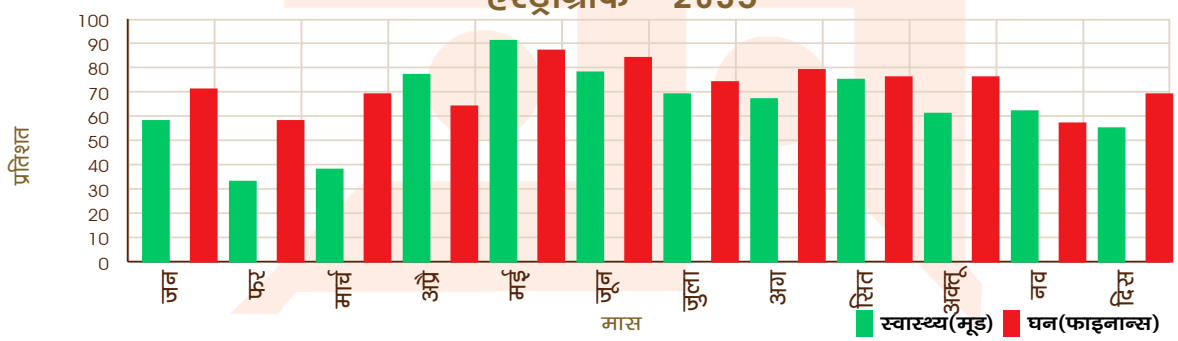

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2035

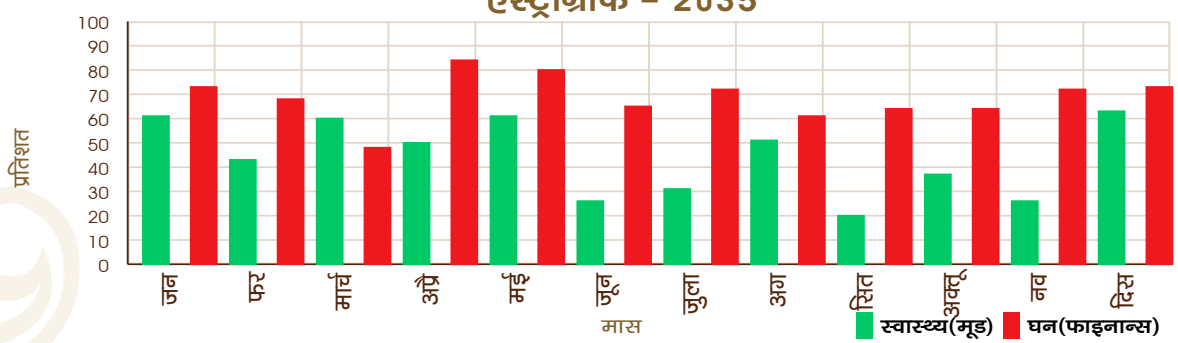

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2036

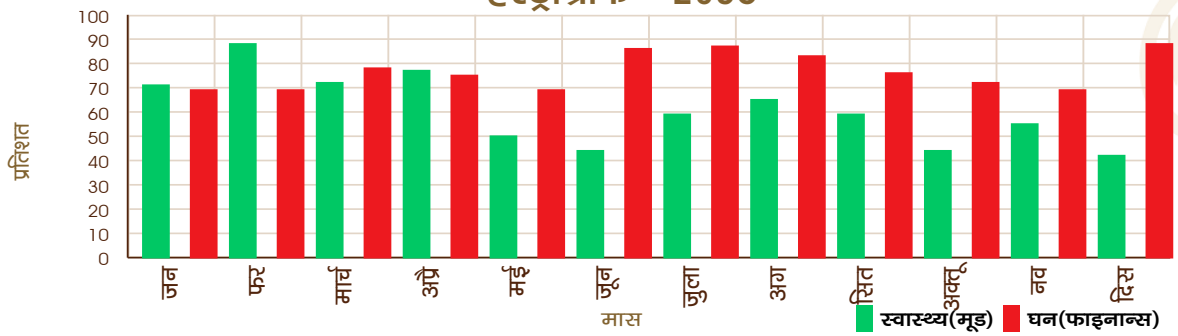

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2036

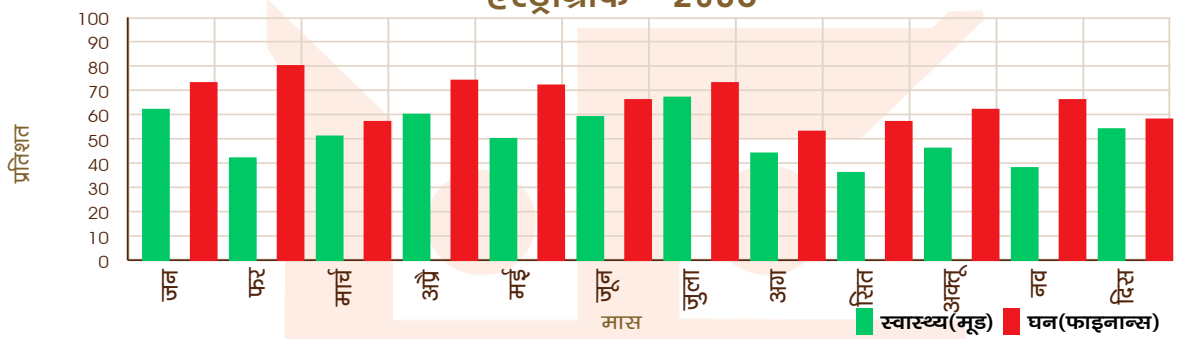

Mr.tanishq chauhan

एस्ट्रोग्राफ – 2037

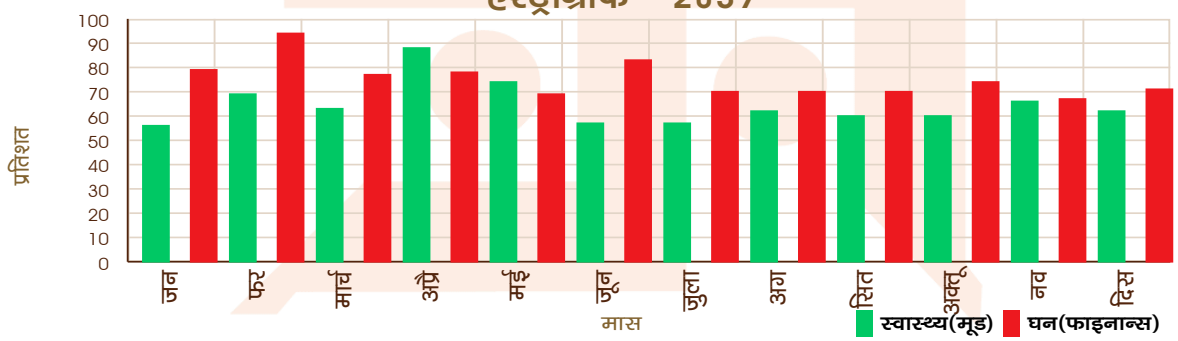

Miss. Rishika Songara

एस्ट्रोग्राफ – 2037

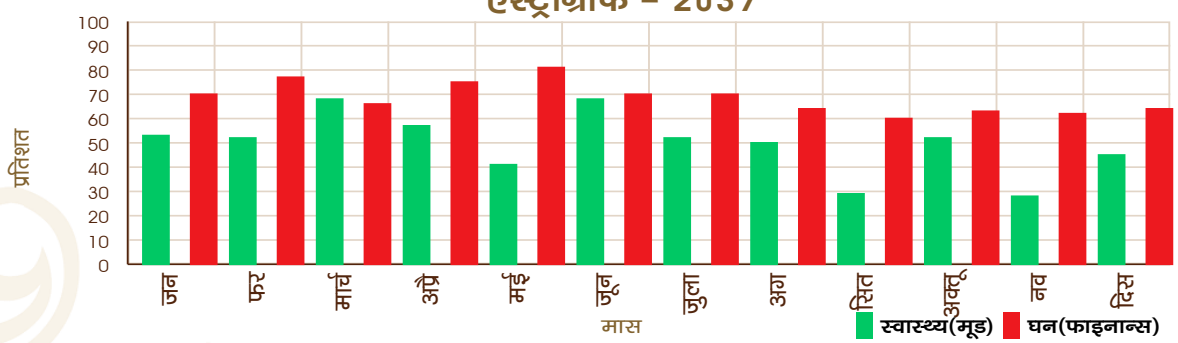

ACHARYA VIKRANT SANKLE
VIKRANT JYOTISH KENDRA
B -13/12 VASANT VIHAR NANAKHEDA UJJAIN (MP)
8718906740
astro.sankle@gmail.com